You Tube kanwhizztimes

@kanwhizztimes lucknow

@kanwhizztimes

www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-14 ❐ अंक-02 ❐ गुरुवार, 29 जनवरी 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

उत्तर प्रदेश का लक्ष्य 3 करोड़ ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बढ़ाकर एक करोड़ लखपति दीदी किया जा रहा है।

केशव प्रसाद मौर्य

छत्तीसगढ़ की जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा 11

गोलीकाण्ड के आरोपी ने किया थाने में आत्मसमर्पण 12

अजित पवार समेत छह लोगों की विमान दुर्घटना में मौत

हादसा बारामती के हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान हुआ

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह हुए विमान हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई। हादसा बारामती के हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान हुआ। दुर्घटना के बाद घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में विमान पूरी तरह क्षतिग्रस्त और जला हुआ दिखाई दिया।

इस हादसे में कुल पांच लोगों की मृत्यु हुई है। इनमें अजित पवार के साथ उनके अंगरक्षक विदीप जाधव, फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली, पायलट कैप्टन सुमित कपूर तथा कैप्टन शांभवी पाठक शामिल हैं।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि विमान लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) आज सुबह बारामती एयरपोर्ट पर क्रैश लैंड हो गया। विमान में छह लोग सवार थे, जिनमें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्रीअजीत पवार के साथ दो और लोग (एक पीएसओ और एक अटेंडेंट) और 2 क्रू मेंबर शामिल थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचा है। बताया जा रहा है कि जिला परिषद चुनावों के मद्देनजर अजित पवार की बुधवार को बारामती में चार जनसभाएं प्रस्तावित थीं। इन्हीं कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए वे मुंबई से बारामती के लिए रवाना हुए थे। विमान जब बारामती में उतरने की प्रक्रिया में था, तभी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अजित पवार जिस विमान से यात्रा कर रहे थे वह बॉम्बार्डियर कंपनी का लियरजेट-45 श्रेणी का था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान पहले नीचे की ओर आता दिखा, फिर अचानक अनियंत्रित होकर जमीन से टकरा गया, जिसके बाद तेज विस्फोट हुआ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जमीन से जुड़े

विमान दुर्घटना

❐ मान लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) आज सुबह बारामती एयरपोर्ट पर क्रैश लैंड हो गया

❐ जमीन से जुड़े जननेता, मेरे मित्र और सहयोगी, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन की खबर से मन व्यथित है

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बारामती में आज सुबह हुए विमान हादसे में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शोक जताया है। दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्हें आमजन का नेता बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजित पवार के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कि बारामती में हुए इस विमान हादसे से वे अत्यंत दुखी हैं। हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं और इस गहन दुख की घड़ी में उन्हें शक्ति और साहस प्रदान करने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री ने अजित पवार को आमजन का नेता बताते हुए कहा कि उनका जमीनी स्तर से गहरा जुड़ाव था और वह महाराष्ट्र की जनता ● शेष पेज 11 पर

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अजित पवार के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आज सुबह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक जताया। उन्होंने दिवंगत नेता के परिवार, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त किया। सिंह ने एक्स पर जारी शोक संदेश में कहा, ''महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री अजित पवार के असमय निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। अपने लंबे सार्वजनिक ● शेष पेज 11 पर

भाजपा ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के बारामती में हुए विमान दुर्घटना में आकस्मिक निधन पर भारतीय जनता पार्टी ने दुख व्यक्त किया है। बुधवार को एक्स पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि दशकों तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए ● शेष पेज 11 पर

जननेता, मेरे मित्र और सहयोगी, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन की खबर से मन व्यथित है। मैंने अपना एक दमदार और दिलदार मित्र खो दिया है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है, जो कभी पूरी नहीं हो सकती। यह घटना महाराष्ट्र के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। मैं अजितदादा इनको भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनके एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस ● शेष पेज 11 पर

सीएम योगी ने पिछली सरकारों पर किया प्रहार, कहा

पूर्वी यूपी को बीमार बना दिया था, हमने बीमारी दूर कर दी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धार्थनगर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव का बुधवार को शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 1052 करोड़ रुपये की 229 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। सीएम ने कहा कि हमने 25 करोड़ की आबादी को परिवार मानकर विकास कार्य आगे बढ़ाए हैं। बीमार मानसिकता वाले लोगों ने इस क्षेत्र को बीमार कर दिया था, लेकिन हमने दृढ़ संकल्प से बीमारी दूर कर दी। अब हम उपद्रव से उत्सव प्रदेश की तरफ भी बढ़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि महोत्सव के पहले स्थानीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों, प्रयासों से जनपद में योजनाएं लागू हो रही हैं। सरकार निमित्त मात्र है, हम बिना भेदभाव पैसा दे देते हैं। हमने 25 करोड़ की आबादी को परिवार मानकर विकास के अभियान को बढ़ाया है। सीएम ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय व सपा विधायक सैयदा खातून को इस आयोजन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और आभार प्रकट किया।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार बांटकर विकास नहीं कर सकती। अपने-पराये, जाति, मत-मजहब, क्षेत्र व भाषा के रूप में भेदभाव न हो बल्कि समग्रता, सतत विकास के भाव से कार्य हो। सतत विकास की दृष्टि से किया गया प्रयास ही रामराज्य की अवधारणा का साकार रूप है। विकास का आधार हर तबका, गांव, गरीब, किसान व युवा होना चाहिए। बिना भेदभाव हर गरीब को राशन, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि 8-10 साल पहले कोई सोचता नहीं था कि यहां भी मेडिकल कॉलेज होगा, लेकिन आज माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ है। यहां नर्सिंग कॉलेज ● शेष पेज 11 पर

❐ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ

❐ 1052 करोड़ रुपये की 229 परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

❐ जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों, प्रयासों से जनपद में योजनाएं लागू हो रही हैं। सरकार निमित्त मात्र है, हम बिना भेदभाव पैसा दे देते हैं

कब्जामुक्त कराएं जमीन, बख्शे न जाएं भू माफिया : मुख्यमंत्री

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि किसी दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जामुक्त कराया जाए। दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले दबंगों, कमजोरों को उजाड़ने वालों तथा भूमाफिया को कतई न बख्शा जाए। उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, सबक सिखाया जाए। सीएम ने दोहराया कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। मुख्यमंत्री योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने अजीत पवार के निधन पर जताया शोक

अमरावती । आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र में हुई विमान दुर्घटना में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार समेत पांच लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में एक शोक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसकी शुरुआत में मुख्यमंत्री ने इस दुखद घटना का उल्लेख करते हुए दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इस मौके पर कहा कि इस हादसे की जानकारी मिलते ही उन्हें गहरा आघात लगा। उन्होंने कहा कि अजीत पवार का राजनीतिक जीवन अत्यंत प्रभावशाली रहा और उनके निधन से महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा शून्य उत्पन्न हुआ है। मंत्रिमंडल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

गुरुग्राम के चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

गुरुग्राम (हरियाणा)। गुरुग्राम के चार बड़े स्कूलों को आज सुबह आधिकारिक ई-मेल आईडी पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस और बम स्क्वायड दस्ता सक्रिय हुआ और स्कूलों में पहुंचकर जांच शुरू की। गुरुग्राम पुलिस, एसडीआरएफ और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी एजेंसीज स्कूलों में जांच के लिए पहुंची हैं। गुरुग्राम पुलिस की साइबर टीमें भी मामले की छानबीन में जुट गई हैं। जिन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, उनमें डीएलएफ फ़ेस एक, लैंसर्स स्कूल सेक्टर-53, हेरिटेज एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्कूल सेक्टर-64 और बादशाहपुर में पाथवेज वर्ल्ड स्कूल हैं।

कांग्रेस ने ईयू के साथ एफटीए में सीबीएएम टैक्स नहीं हटाने पर जताई चिंता

नई दिल्ली । कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संचार) एवं राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मेकेनिज्म (सीबीएएम) से देश के एल्युमीनियम और स्टील निर्माताओं को छूट नहीं दिए जाने पर चिंता जतायी है। उन्होंने कहा कि ईयू को भारत के एल्यूमिनियम और स्टील निर्यात पहले ही 7 अरब डॉलर से घटकर 5 अरब डॉलर रह गए हैं और सीबीएएम के कारण इस वर्ष से इनमें और गिरावट आने की आशंका है।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा भारत का शौर्य, जी-राम-जी कानून से गांवों में रोजगार को नई मजबूती : मुर्मु

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के शौर्य और पराक्रम को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब पूरी दृढ़ता और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा, ह्लन किसी से डरें, न किसी को डराएं-यही भारत की नीति है। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा कि वर्ष 2026 के साथ भारत इस सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि इस सदी के पहले 25 वर्ष अनेक सफलताओं, गौरवपूर्ण उपलब्धियों और महत्वपूर्ण अनुभवों से भरे रहे हैं। पिछले 10511 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है, जो विकसित भारत की यात्रा को गति दे रही है।

उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का स्मरण करते हुए कहा कि वे

❐ सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब पूरी दृढ़ता और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा

हमेशा समानता और सामाजिक न्याय पर बल देते थे। संविधान भी हमें यही प्रेरणा देता है कि सच्चा सामाजिक न्याय तभी संभव है, जब बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक को उसके पूर्ण अधिकार प्राप्त हों। राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और समाज के हर वर्ग के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। ग्रामीण रोजगार और विकास का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि 'विकसित भारतऽजी राम जी कानून' का गठन किया गया है, जिसके तहत गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने कानून को वापस लेने की मांग करते हुए नारेबाजी की, जबकि एनडीए और भाजपा सांसदों ने मेज थपथपाकर समर्थन जताया। राष्ट्रपति ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना का सकारात्मक प्रभाव देश के हर नागरिक के जीवन में दिखाई दे रहा है। वर्ष 2014 की शुरुआत में जहां सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ केवल 25 करोड़ लोगों तक सीमित था, वहीं आज लगभग 95 करोड़ भारतीय सामाजिक सुरक्षा के दायरे में हैं। पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में चार करोड़ पक्के मकान ● शेष पेज 11 पर

संसद का बजट सत्र आज से, राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगा आगाज

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र की शुरुआत आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधन के साथ होगी। एक फरवरी को केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी। राष्ट्रपति अपने संबोधन में सरकार की उपलब्धियों के साथ आने वाले समय की नीति और प्राथमिकताओं का खाका प्रस्तुत करेंगी। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद में 29 जनवरी को आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। आर्थिक सर्वेक्षण को इस बार आम बजट से तीन दिन पहले लाया जा रहा है। बजट से पहले पारंपरिक हलवा सेरेमनी का आयोजन नॉर्थ ब्लॉक में किया गया। इसमें वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुईं। इस समारोह को बजट दस्तावेजों की गोपनीय प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। बजट सत्र को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। पहला चरण आज से शुरू होकर 13 फरवरी तक चलेगा। इसके बाद सत्र स्थगित रहेगा और दूसरे चरण के नौ मार्च से शुरू होकर दो अप्रैल तक चलने की संभावना है। इस अंतराल में संसदीय समितियां बजट प्रस्तावों की गहन समीक्षा करेंगी। इस बार केंद्रीय बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। यह तारीख को रविवार है। संसद के इतिहास में यह एक दुर्लभ अवसर है। सरकार ने एक फरवरी को आधिकारिक तौर पर बजट डे घोषित किया है। निर्मला सीतारमण का यह लगातार नौवां बजट होगा। उनसे बड़े आर्थिक फैसलों की उम्मीद की जा रही है। संसद का बजट सत्र प्रारंभ होने की पूर्व संध्या पर सरकार ने राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में 39 राजनीतिक पार्टियों के 51 नेता शामिल हुए। यह बैठक संसद भवन परिसर में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता ● शेष पेज 11 पर

यूजीसी के नये नियमों के समर्थन में बसपा, सामान्य वर्ग का विरोध गलत : मायावती

लखनऊ । यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इस बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उच्च शिक्षण संस्थानों में इक्विटी कमेटियों के गठन को अनिवार्य बनाने वाले यूजीसी के नए नियमों का बचाव किया है। सामन्य वर्ग के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, जो उचित नहीं है।

बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश की उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के समाधान के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), द्वारा सरकारी कॉलेज एवं निजी यूनिवर्सिटियों में भी 'इक्विटी कमेटी' (समता समिति) बनाने के नये नियम के कुछ प्रावधानों को सामान्य वर्ग के केवल जातिवादी मानसिकता के ही लोगों द्वारा इसे अपने विरुद्ध भेदभाव व षडयंत्रकारी मानकर इसका जो विरोध किया जा रहा है, तो यह कतई भी उचित नहीं है। जबकि पार्टी का यह भी मानना है कि इस प्रकार के नियमों को लागू ● शेष पेज 11 पर

आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं को भरोसे से देख रही है : मोदी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) केवल एक संगठन नहीं, बल्कि ऐसा आंदोलन है जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं को बड़े भरोसे से देख रही है और इसका कारण उनके कौशल, मूल्य और संस्कार हैं। प्रधानमंत्री बुधवार को दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित कर रहे थे। एनसीसी दिवस के अवसर पर कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, झांकी कलाकारों, राष्ट्रीय रंगशाला से जुड़े साथियों और देशभर से आए युवाओं के समन्वित प्रस्तुतिकरण की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन प्रस्तुतियों में युवाओं की ऊर्जा और अनुशासन साफ

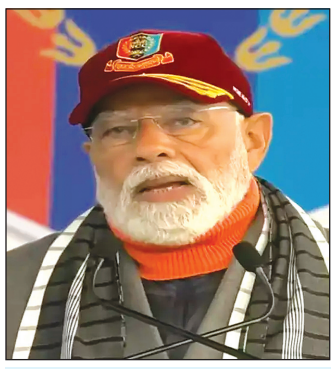

❐ राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) केवल एक संगठन नहीं, बल्कि ऐसा आंदोलन है जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है

दिखाई देता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत महाराष्ट्र में हुई दुखद विमान दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए की, जिसमें राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनके कुछ सहयोगियों का निधन हो गया। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीसी की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह संगठन युवाओं को न केवल परेड और अनुशासन सिखाता है, बल्कि जिम्मेदारी के साथ जीना भी सिखाता है। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में एनसीसी कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है, ● शेष पेज 11 पर

आयुर्वेद में आधुनिक टेक्नोलॉजी और एआई का इस्तेमाल बढ़ाना होगा: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि बदलते समय के साथ तालमेल बिठाते हुए आयुर्वेद में आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और एआई, रोगों की पूर्वानुमान क्षमता बढ़ाने और उपचार के नए तरीकों को संभव बना सकते हैं। प्रधानमंत्री केरल में आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल हॉस्पिटल के शताब्दी समारोह को वर्चुअल माध्यम से माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने यह सिद्ध किया है कि परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ आगे बढ़ सकती हैं और स्वास्थ्य सेवा लोगों के जीवन में विश्वास की मजबूत नींव बन सकती है। मोदी ने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने आयुर्वेद की प्राचीन परंपराओं को सहेजते हुए आधुनिक आवश्यकताओं को अपनाया, उपचार पद्धतियों को सुव्यवस्थित किया और मरीजों तक प्रभावी सेवाएं पहुंचाईं। उन्होंने संस्थान की 125 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसने आयुर्वेद को एक सशक्त उपचार ● शेष पेज 11 पर

निर्वाचन आयोग ने तृणमूल को दिया समय

एजेंसी

कोलकाता । निर्वाचन आयोग ने तृणमूल कांग्रेस को अपना पक्ष रखने के लिए समय दिया है। आयोग ने पार्टी को आगामी 2 फरवरी (सोमवार) शाम चार बजे दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। कोलकाता स्थित नबान्न सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को दिल्ली जाएंगी। उनके साथ पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित कई सांसद मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी कथित परेशानियों के कारण मृत लोगों के परिवार के कुछ सदस्य भी तृणमूल प्रतिनिधिमंडल में शामिल हो सकते हैं। राज्य में एसआईआर से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय स्तर पर विरोध दर्ज कराने के उद्देश्य से ममता बनर्जी पहले ही बुधवार को दिल्ली जाने वाली थीं। बुधवार दोपहर उन्होंने हुगली जिले के सिंगूर में जनसभा को संबोधित किया था, जिसके बाद राजधानी रवाना होने की योजना थी। हालांकि, बुधवार सुबह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु की खबर मिलने पर मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त करते हुए अपनी दिल्ली यात्रा स्थगित कर दी थी। नबान्न की ओर से इसकी आधिकारिक जानकारी दी गई थी। बाद में मुख्यमंत्री ने आनंदपुर में आग ● शेष पेज 11 पर

आस्था के आयोजन के साथ भारत की सनातन की परम्परा, सामाजिक अनुशासन और प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण बन रहा है माघ मेला

❐ माघ मेले में 24 दिन में 17 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पूरे अनुशासन और संयम के साथ किया त्रिवेणी स्नान, बना रिकॉर्ड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर लगा आस्था का आयोजन माघ मेला सदियों से चली आ रही लोक आस्था की अविरल यात्रा का प्रतीक ही नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और अनुशासन का दर्पण भी बन रहा है।

माघ मेला में श्रद्धालुओं का रेला एक तरफ सनातन के विस्तार का संकेत कर रहा है तो वहीं प्रशासन के लिए दक्षता की चुनौती भी साबित हो रहा है।त्रिवेणी के तट पर लगे माघ मेले में चहुं दिश बिखरी पड़ी है। संगम की रेती केवल आस्था का प्रतीक नहीं,बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और संवारने का जीवंत माध्यम भी है।पौष पूर्णिमा स्नान पर्व से शुरू हुए माघ मेले में सनातन आस्था का जन ज्वार उमड़ पड़ा है। जन विश्वास के इस महोत्सव में विभिन्न स्नान पर्वो पर संगम में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं ने पूरे अनुशासन और संयम के साथ पुण्य की डुबकी लगाई है और यह सिलसिला सतत जारी है। माघ मेला अधिकारी ऋषिराज का कहना है कि अचला सप्तमी तक माघ मेला में 17.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हुआ है जो अब तक माघ मेले की श्रद्धालुओं की सर्वाधिक संख्या है। माघ मेले के आगामी दो स्नान पर्व माघी पूर्णिमा और महा शिवरात्रि के बाद यह संख्या और भी बढ़ सकती है। मेला की शुरुआत के पहले मेला प्रशासन का अनुमान था कि माघ मेला 2026 में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु पुण्य स्नान कर सकते हैं। मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय का कहना है कि मेला क्षेत्र में स्नान पर्वो के दिन नो व्हीकल जोन की रणनीति को मजबूती से पालन कराने, वीआईपी प्रोटोकाल न देने ,पार्किंग की संख्या में बढ़ोत्तरी और पुलिस प्रशासन की सतत निगरानी से श्रद्धालुओं ने सुगमता के साथ स्नान किया है । आवागमन और परिवहन की सुगम व्यवस्था से भी श्रद्धालुओं की संख्या में यह रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है। माघ मेले में इस वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने सेवा और प्रबंधन का एक नया कीर्तिमान बनाया है। रेलवे के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब माघ मेले की अवधि के दौरान ही 670 से अधिक स्पेशल ट्रेनों का सफल संचालन किया जा चुका है। इसी तरह 14 जनवरी से 23 जनवरी तक यूपी रोडवेज की तरफ से 7600 बसों का संचालन किया जा चुका है। इस दौरान 20 लाख 8 हजार 310 यात्रियों ने सकुशल यात्रा की।

साइंस बस से विद्यार्थियों में बढ़ती वैज्ञानिक जिज्ञासा : प्रो. वंदना सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर । अनुभव के माध्यम से सीखना विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी होता है। इससे उनमें विज्ञान को समझने की जिज्ञासा बढ़ती है और सोचने-समझने की क्षमता विकसित होती है। साइंस बस जैसी पहले बच्चों को किताबों से बाहर निकालकर विज्ञान को उनके रोज़मर्रा के जीवन से जोड़ती है। यह चलती-फिरती विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों को स्वयं करके सीखने का अवसर देती है, जिससे उन्हें विषय को आसानी से समझने में मदद मिलती है और क्षेत्र के युवा विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

यह बातें बुधवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कही।सामाजिक सहभागिता और जमीनी स्तर पर एसटीईएम शिक्षा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर साइंस बस परियोजना के माध्यम से स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है। आईआईटी कानपुर द्वारा डिजाइन और विकसित यह पहल उत्तर प्रदेश के दूरदराज और वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और अनुभवात्मक (हैंड्स-ऑन) सीख को लोकप्रिय बनाने का लक्ष्य रखती है।साइंस बस परियोजना की शुरुआत आईआईटी कानपुर के प्रो. दीपू फिलिप और प्रो. सत्यकी रॉय ने काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उत्तर प्रदेश के सहयोग से की जो मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करती है। भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, मटेरियल साइंस और डिजाइन जैसे विषयों में इंटरैक्टिव सीख के अनुभव प्रदान करने वाली यह मोबाइल प्रयोगशाला अपने आरंभ से ही एक अनूठी पहल रही है। यह बस विविध प्रयोगशाला उपकरणों, वैज्ञानिक यंत्रों और शिक्षण सामग्री से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों को अनेक विषयों में व्यावहारिक प्रयोग करने में सक्षम बनाती है।आईआईटी कानपुर की एक विशेषज्ञ आउटरीच टीम इन सत्रों का संचालन करती है और विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों तथा आधुनिक उपकरणों के बारे में जानकारी को रोचक और सुलभ ढंग से प्रस्तुत करती है। लाइव प्रदर्शनों में दूरबीनों, 3डी प्रिंटरों, रसायन विज्ञान प्रयोग सेट-अप, विभिन्न भौतिक विज्ञान मॉडलों, स्मार्ट सामग्री आदि का उपयोग शामिल है, जिससे विद्यार्थियों को उन्नत उपकरणों और समकालीन वैज्ञानिक प्रथाओं का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है।

मेला राम नगरिया में वंदे मातरम नाटक का मंचन

फर्रुखाबाद, कैनविज टाइम्स संवाददाता । संस्कार भारती की ओर से माघ मेला रामनगरिया (गंगातट) पांचाल घाट के सांस्कृतिक पांडाल में वंदे मातरम नाटक का मंचन किया गया। संगठन के कला साधकों ने 'राष्ट्र सर्वोपरि' का संदेश देते हुये भारत माता की आराधना में ''वन्दे मातरम'' की 150वीं वर्ष की यात्रा के अंतर्गत नाटक का मंचन किया।कलाकारों की राष्ट्रीय भावनाओं के गीत के साथ ''हम करें राष्ट्र का आराधन, तुम करो राष्ट्र का आराधन की प्रस्तुति ने सभी श्रोताओं/ दर्शकों को राष्ट्र भक्ति से सराबोर कर दिया। इस नाटक में आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम के महत्व को भी रेखांकित किया। नाटक के मुख्य पात्र नवीन मिश्रा (नब्बूभैया), राजा महेन्द्र सिंह , अरविन्द दीक्षित, (नाट्य विधा प्रमुख) कल्याणी रानी , राना हिजाब, आनन्दमठ के महन्त - सुरेन्द्र पाण्डेय प्रान्तीय महामन्त्री कानपुर प्रान्त आदि ने नाटक के मंचन में सहयोग दिया।

राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन ने सवर्ण सांसदों को भेजी चूड़ियां, खून से लिखा प्रधानमंत्री को पत्र

वाराणसी, कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में बुधवार को राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन ने यूजीसी कानून का जमकर विरोध किया। संगठन के अध्यक्ष रोशन पाण्डेय ने यूजीसी एक्ट का पुरजोर विरोध करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने खून से पत्र लिखकर भेजा है। इसके साथ ही उन्होंने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजकर इस्तीफा देने की बात भी कही।रोशन पाण्डेय ने कहा कि भाजपा को यूसीसी कानून, जनसंख्या नियंत्रण कानून, घुसपैठिया नियंत्रण कानून, गौ हत्या पर कानून लाने के लिए हम सवर्णों ने सत्ता में पहुंचाया है। लेकिन सरकार तो सवर्णों को मिटाने और गला घोंटने के लिए यूजीसी कानून लायी है । यह हम सवर्ण जाति ब्राह्मण,भूमिहार, राजपूतों पर सर्जिकल स्ट्राइक है। रोशन पाण्डेय ने कहा कि कुछ दिन पहले ही भाजपा सरकार बटोगे तो कटोगे और एक रहोगे तो सेफ रहोगे जैसे नारे पर बल दिया था। लेकिन अब वही भाजपा हिन्दुओं को आपस में लड़ाने और तोड़ने, फूट डालो और राज करो का काम कर रही है। राष्ट्रीय बजरंग दल के विभाग उपाध्यक्ष सन्तोष द्विवेदी पप्पू ने कहा कि सवर्ण समाज पहले से ही एससी-एसटी एक्ट से पीड़ित है । उसके बाद फिर से यूजीसी एक्ट जैसे काला कानून बनाकर सवर्ण समाज को मिटाने का कार्य भाजपा सरकार कर रही है। संतोष द्विवेदी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय में पहले से ही प्रशासनिक विभाग एडमिनिस्ट्रेटिव डिपार्मेंट होता है उसके बाद इस कानून की क्या आवश्यकता थी।

बी-टेक के छात्र को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले हॉस्टल के दो वार्डन गिरफ्तार

नोएडा, कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने एक हॉस्टल में बीटेक छात्र की आत्महत्या करने के मामले में वांछित दो वार्डन को आज गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन्होने छात्र को आत्महत्या के लिए मजबूर किया था। छात्र के कथित तौर पर शराब पीकर हॉस्टल पहुंचने पर डांट-फटकार और अपमानजनक वीडियो बनाए जाने से आहत होकर उसने हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी।थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि यह घटना 23 जनवरी की रात घटी, जब बी-टेक द्वितीय वर्ष के छात्र उदित सोनी ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। आरोप है कि हॉस्टल प्रबंधन ने छात्र के शराब पीकर हॉस्टल पहुंचने पर उसे न केवल डांटा, बल्कि उसका वीडियो बनाकर उसके पिता को भेज दिया। इस अपमान और मानसिक दबाव से परेशान होकर छात्र ने यह गंभीर कदम उठाया। घटना के बाद हॉस्टल में छात्रों ने जमकर हंगामा किया, तोड़फोड़ की और कई छात्रों ने हॉस्टल छोड़कर जाने का निर्णय लिया।घटना के संबंध में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पूर्व में गिरफ्तार किए गए दो वार्डनों के अलावा बीती रात को पुलिस ने सुधांशु उर्फ शेखर, जो ठाकुरबाडी, बक्सर, बिहार का निवासी है, और रोहित भाटी, जो कमराला चक्रसेनपुर का निवासी है, को गिरफ्तार किया है।

वाराणसी शहर के छह वार्ड बनेंगे 'जीरो वेस्ट' जोन, शत प्रतिशत होगा कूड़ा कलेक्शन

वाराणसी,कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) को देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए नगर निगम ने 'मॉडल वार्ड' की परिकल्पना को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया है। इस क्रम में शहर के छह चयनित वार्डों को पूरी तरह हाईटेक व कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से इन्हें मॉडल वार्ड के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत इन वार्डों को 'जीरो वेस्ट' जोन बनाने की तैयारी है, जहां से निकलने वाले कचरे का शत-प्रतिशत निस्तारण स्थानीय स्तर पर या प्रोसेसिंग प्लांट में तुरंत किया जा सके।बुधवार को यह जानकारी नगर निगम के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी। बताया गया कि चयनीत मॉडल वार्डों में शत-प्रतिशत कूड़ा कलेक्शन के साथ-साथ स्रोत पर ही कूड़े का पृथक्करण अनिवार्य कर दिया गया है। ??मॉडल वार्डों में सफाई व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए नगर निगम ने आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। इन वार्डों के इन समस्त बीटों की जीआईएस मैपिंग कराई गई है, जिससे सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके कार्य क्षेत्र की डिजिटल निगरानी संभव हो सकी है। साथ ही शहर में ऐसे 26 स्थानों को विलोपित कर वहां सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया है। वहीं, डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की मॉनिटरिंग के लिए वाहनों की जीपीएस ट्रैकिंग की जा रही है, जिससे किसी भी घर के छूटने की गुंजाइश खत्म हो गई है। ?इन मॉडल वार्डों में जनता को जागरूक कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कूड़ा घर से निकलते समय ही दो हिस्सों में बंटा हो। इन वार्डों में सफाई मित्र केवल उसी स्थिति में कूड़ा उठाएंगे जब वह अलग-अलग (गीला और सूखा) होगा। इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए दो विशेष संस्थाओं का चयन किया गया है जो जन-जागरूकता और क्षमता संवर्धन का कार्य कर रही हैं। दूसरी ओर निगम नव ?विस्तारित 25 वार्डों में भी साफ-सफाई का खाका तैयार कर लिया है। इन वार्डों में भी दिसंबर 2025 से ही डोर-टू-डोर कूड़ा उठान के लिए निजी एजेंसियों (जैसे मेसर्स लॉयन सिक्योरिटी गार्ड्स सर्विसेज) को अनुबंधित किया गया है। वर्तमान में शहर में प्रतिदिन 1215 टन कचरा प्रोसेसिंग की क्षमता विकसित कर ली गई है, जो मॉडल वार्डों की सफलता में मील का पत्थर साबित होगी।

एसआईआर अभियान में हर बूथ पर प्रवास, नए मतदाता जोड़ने का लक्ष्य : अनूप गुप्ता

कानपुर ,कैनविज टाइम्स संवाददाता । भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर 29 व 30 जनवरी को जिले के हर शक्ति केंद्र व बूथ पर दिन भर प्रवास कर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस के अंतर्गत ऐसे जीवित मतदाताओं की पहचान की जाएगी जिनके एसआईआर फॉर्म नहीं भरे गए हैं, साथ ही उन्हें मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके अलावा हर कार्यकर्ता को कम से कम 10 नए मतदाता बनाने होंगे। यह बातें बुधवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री व कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रभारी एमएलसी अनूप गुप्ता ने दी।उन्होंने बताया कि जिले में निवास करने वाले मंडल स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के सभी पदाधिकारी अपने-अपने आवंटित शक्ति केंद्रों बूथों पर प्रवास करेंगे तथा प्रतिदिन अभियान के प्रगति की जानकारी जिला इकाई को देंगे।

बाइक व ट्रैक्टर की भिड़ंत में दो युवकों की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फर्रुखाबाद । अमृतपुर कस्बे के मुख्य बस अड्डे के पास बुधवार को बाइक और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत में बाइकसवार दो युवकों की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार बस अड्डे के पास मोरंग लदा ट्रैक्टर बांसी अड्डे की तरफ जा रहा था। तभी ट्रैक्टर ने सामने से आ रही बाइकको टक्कर मार दी। जिससे बाइक ट्रैक्टर के पहियों में उलझ गई और दोनों बाइकसवार युवक ट्रैक्टर के नीचे आ गए। घटना के बाद मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई।

ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया और घायल युवकों को तत्काल राजेपुर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया गया। वहां इलाज के दौरान दोनों युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कस्बा निवासी सत्यम पुत्र दिलीप और शोभित पुत्र तिलकराम उर्फ पहाड़ी के रूप में हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि यहां रोड पर काफी भीड़ रहती है। बस अड्डे पर ग्रामीण बैंक और दूसरी भारतीय स्टेट बैंक व पास में ही सब्जी बाजार लगता है और यहीं पर जूनियर प्राइमरी स्कूल भी है। यहां न तो यातायात के सांकेतिक चिन्ह हैं और न ही ब्रेकर। इसी वजह से यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

आयुष्मान कार्ड में लापरवाही, दोषी अधिकारियों पर तय होगी जवाबदेही : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर । आयुष्मान कार्ड एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका सीधा सम्बंध आम जनता के स्वास्थ्य से है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। यह निर्देश बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह सम्बंधित अधिकारियों को दिए।

आयुष्मान कार्ड निर्माण में अपेक्षित प्रगति न होने पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान शिवराजपुर, बिल्हौर और भीतरगांव के एमओआईसी की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।समीक्षा में सामने आया कि जनवरी माह में अब तक केवल 7,258 नए आयुष्मान कार्ड ही बनाए जा सके हैं, जो लक्ष्य की तुलना में अत्यंत कम है। इस पर उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान को युद्धस्तर पर संचालित करते हुए शेष पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि तीन फरवरी को पुनः समीक्षा की जाएगी और यदि प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई तो सम्बंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।बैठक में बताया गया कि जनपद कानपुर नगर में अब तक कुल आठ लाख 64 हजार 21 आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। वहीं, वय वंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के 79,533 वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, जिसके चलते कानपुर नगर प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।इसके साथ ही जन आरोग्य समिति के अंतर्गत नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बजट व्यय की समीक्षा की गई। ग्वालटोली, जूही, जागेश्वर, बेनाझाबर, सर्वोदय नगर, अनवरगंज और रामबाग यूपीएचसी में धनराशि के उपयोग को असंतोषजनक बताते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि यह धनराशि मरीजों की सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए है और भविष्य में किसी भी प्रकार की वित्तीय या प्रशासनिक लापरवाही पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में सीएमओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लुप्त हो रहे वाद्य यंत्रों की धुनों को संजो रहा है प्रदेश का लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के जंगलों, पहाड़ों और नदियों के किनारे गूंजने वाली जनजातीय वाद्य यंत्रों की धुनें आज आधुनिक संगीत की चकाचौंध में खोती जा रही हैं। लेकिन, उत्तर प्रदेश का लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान इन धुनों को फिर से जीवंत करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। जनजातीय सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के उद्देश्य से संस्थान देश व प्रदेश की जनजातियों के 200 से अधिक लुप्तप्राय वाद्य यंत्रों का संरक्षण कर रहा है। इस दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा समय-समय पर पारंपरिक वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनियां आयोजित की जा रही हैं। इन प्रदर्शनियों के माध्यम से न केवल वाद्य यंत्रों को सहेजा जा रहा है, बल्कि उन्हें बजाने वाले जनजातीय कलाकारों को भी मंच मिल रहा है।

संरक्षित वाद्य यंत्रों में शामिल हैं प्राचीन ढोलक, नगाड़ा, डफ, ढफली, डमरू व थाली

उत्तर प्रदेश के गोंड, थारू, बुक्सा, खरवार, सहरिया, बैगा, अगरिया, चेरो व माहीगीर जैसी जनजातियों के लोकजीवन में संगीत की विशेष भूमिका रही है। मंजीरा, चिमटा, खड़ताल व घुंघरुओं की खनक, बीन व सारंगी की सुरमयी धुनें इन समुदायों की पहचान रही हैं। डिजिटल दौर में जब ये वाद्य यंत्र धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं, ऐसे समय में संस्थान का यह प्रयास सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की मिसाल बन रहा है। इस क्रम में संस्थान द्वारा जनजातियों के प्राचीन ताल वाद्य यंत्रों जैसे ढोलक, नगाड़ा, डफ, ढफली, डमरू, ढक व थाली का संरक्षण किया जा रहा है। वहीं, सुर वाद्यों में बांसुरी, बीन व सारंगी तथा लय वाद्यों में मंजीरा, चिमटा, घुंघरू व खड़ताल जैसे 200 से अधिक पारंपरिक वाद्य यंत्रों को भी संरक्षित किया जा रहा है।

कला कुंभ व कला गांव में लगाई गई वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी

प्रदेश के लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान ने इस दिशा में पिछले वर्ष प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के अवसर पर कला कुंभ में इन वाद्य यंत्रों को प्रदर्शित किया था, जिसे देश-विदेश से आए कला प्रेमियों और पर्यटकों ने खूब सराहा। इसी तरह यूपी दिवस के अवसर पर कला गांव में भी इन वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय भागीदारी महोत्सव में जब पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज सुनाई दी, तो यह स्पष्ट हो गया कि ये प्रयास केवल संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक खोती हुई विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी हैं। संस्थान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान की यह पहल संदेश देती है कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाकर ही सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा जा सकता है।

सूचना

मैंने अपना नाम रुचि मिश्रा (Ruchi Mishra) से बदलकर रुचि तिवारी (Ruchi Tiwari) रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

Ruchi Tiwari W/O Shri kant Tiwari Add- 2/3 Bhatiya Building Balrampur Hospital Campus, Golaganj Lucknow - 226018

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/ वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नाम: वाराणसी सिटी:- सिगनल विभाग के लिए स्टोर भवन (भूतल) का निर्माण। ई-निविदा सूचना सं: एनईआर-बीएसबी-2025-140, अनुमानित लागत (₹): 3,22,72,206/-, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी (₹): 3,11,400/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 24.02.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह।

● निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-140 दिनांक 24.02.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखे। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०) वाराणसी मुजाधि/डब्ल्यू - 437

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

नौ वर्षीय आयुष को मिली नई जिंदगी, एसआरएन अस्पताल में दुर्लभ सर्जरी सफल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । एसआरएन अस्पताल चिकित्सकों ने एक दुर्लभ और जटिल सर्जरी कर 9 वर्षीय बालक आयुष को नई जिंदगी दी । आयुष पिछले एक वर्ष से चेहरे के बाएं हिस्से में सूजन और दर्द से पीड़ित था।

25 दिसंबर 2025 को उसे कैंसर सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया, जहां जांच में बाएं जबड़े (मैंडिबल) में एमेलोब्लास्टोमा नामक दुर्लभ ट्यूमर की पुष्टि हुई। यह बीमारी बच्चों में अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है। 29 दिसंबर को प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष एवं उप-प्राचार्य (वाइस प्रिंसिपल) डॉ मोहित जैन और कैंसर सर्जन डॉ.राजुल अभिषेक के नेतृत्व में लगभग आठ घंटे तक चली सर्जरी में बाएं जबड़े को निकालकर पैर की हड्डी (फिबुला) से जबड़े का सफल पुनर्निर्माण किया गया। डॉ. राजुल अभिषेक ने बताया, ह्लयह सर्जरी बच्चों में विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होती है। हमारा उद्देश्य केवल ट्यूमर को पूरी तरह निकालना ही नहीं, बल्कि बच्चे के चेहरे की बनावट, चबाने और बोलने की क्षमता को भी सुरक्षित रखना था। माइक्रोवैस्कुलर तकनीक से की गई इस सर्जरी के बाद आयुष तेजी से स्वस्थ हुआ और 6 जनवरी 2026 को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल प्रशासन ने सर्जिकल, एनेस्थीसिया, नर्सिंग एवं पुनर्वास टीम के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

क्या होता है एमेलोब्लास्टोमा

एमेलोब्लास्टोमा जबड़े की हड्डी में होने वाला एक दुर्लभ ट्यूमर है,जो अधिकतर निचले जबड़े को प्रभावित करता है। यह धीरे-धीरे बढ़ता है, लेकिन समय पर इलाज न हो तो चेहरे की बनावट बिगाड़ सकता है और चबाने-बोलने में दिक्कत पैदा कर सकता है। मुख्य लक्षण, चेहरे या जबड़े में सूजन , लंबे समय तक बना रहने वाला दर्द ,चेहरे की असमानता , इलाज सर्जरी मुख्य उपचार जरूरत पड़ने पर जबड़े का पुनर्निर्माण

डॉ. राजुल अभिषेक ने सलाह देते हुए कहा कि चेहरे या शरीर के किसी भी हिस्से में बनी रहने वाली गांठ या सूजन की अनदेखी न करें, समय रहते जांच कराना बेहद जरूरी है।

एनडीपीएस के दोषी को एक वर्ष 10 माह का कारावास

फिरोजाबाद । न्यायालय ने बुधवार को एनडीपीएस के दोषी को एक वर्ष, 10 महीने की सजा सुनाई है उस पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।थाना लाइनपार के छारबाग रामनगर निवासी इतवारी पुत्र पोखीराम के पास से थाना बसई मोहम्मदपुर पुलिस ने 2014 में मादक पदार्थ बरामद किया था। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की थी। विवेचना के बाद पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था।मुकदमा अपर सत्र न्यायधीश कोर्ट संख्या 10 ओमवीर सिंह की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी विशेष लोक अभियोजक प्रदीप कुमार चौहान ने की।मुकदमे के दौरान कई गवाह प्रस्तुत किए गए। कई गवाहों ने गवाही दी। गवाहों की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने इतवारी को दोषी माना।

बलात्कार के प्रयास के दोषी को पांच वर्ष का कारावास

फिरोजाबाद । न्यायालय ने बुधवार को बलात्कार के प्रयास के दोषी को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने उस पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। घटना 30 वर्ष पूर्व वर्ष 1995 की है।थाना सिरसागंज क्षेत्र निवासी एक 11 वर्ष की बालिका को एक युवक चारपाई पर सोते से उठाकर ले गया था। युवक बालिका को उठाकर रेलवे लाइन के सहारे ले गया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हज़रतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	**ई-निविदा सूचना सं.** : 1197-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक– 27.01.2026
2.	**कार्य का नाम** : LKO यार्ड की पुरानी वॉशिंग लाइन नंबर 1 एवं 2 के रेल बीम का पुनर्निर्माण, LKO में नॉर्थ कोचिंग कॉम्प्लेक्स वॉशिंग लाइन का सुधार/उन्नयन और सदर वॉशिंग लाइन के उत्तरी तरफ के रास्ते की ओर फेंसिंग लगाना एवं BSB अंत फर्श से C&W ऑफिस तक एंड रैंप सहित ऑफिस की मरम्मत आदि का सुधार और LKO C&W डिपो के तहत ART/LKO के लिए कवर्ड शेड एवं सड़क पहुंच के प्रावधान के संबंध में विद्युत कार्य।
3.	**अनुमानित लागत** : रु. 1,86,02,174.45 (एक करोड़ छियासी लाख दो हजार एक सौ चौहत्तर रूपये एवं पैंतालीस पैसे मात्र)
4.	**ई-निविदा की कीमत** : शून्य
5.	**बयाना राशि** : रु. 2,43,100/- (दो लाख तैंतालीस हजार एक सौ रूपये मात्र)
6.	**कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 09 माह
7.	**ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि** : दिनांक 19.02.2026 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	**प्रस्ताव की वैधता** : ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	**उत्तर रेलवे की वेबसाइट** : अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

सं.: 1197-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक: 27.01.2026 292/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्व मुख्य सचिव मनोज सिंह का मोहनलालगंज में औचक निरीक्षण

❐ सीएचसी व आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ । पूर्व मुख्य सचिव एवं स्टेट ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के सीईओ मनोज सिंह ने सोमवार को मोहनलालगंज क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधनों, साफ-सफाई और संचालन व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीएचसी मोहनलालगंज पहुंचकर मनोज सिंह ने ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण काउंटर, लैब सेवाओं और अस्पताल परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं को संतोषजनक बताते हुए अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को समयबद्ध, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ मानव संसाधन और सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान मनोज सिंह ने अस्पताल में भर्ती और ओपीडी में आए मरीजों से भी संवाद किया। उन्होंने मरीजों से उपचार, दवाओं की उपलब्धता और स्वास्थ्य कर्मियों के व्यवहार के संबंध में जानकारी ली। मरीजों द्वारा सेवाओं को बेहतर बताए जाने पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम की प्रशंसा की और इसी तरह समर्पण व संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई।

इसके उपरांत मनोज सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को उपलब्ध कराए जा रहे पोषण आहार, केंद्रों की साफ-सफाई, रजिस्टरों के रखरखाव तथा दैनिक गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने पोषण स्तर में और सुधार लाने, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने और सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।मनोज सिंह ने कहा कि मातृ मृत्यु दर में कमी लाना और आईसीडीएस कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर सशक्त करना सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से अपेक्षा जताई कि वे समुदाय के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें, समय पर सेवाएं प्रदान करें और सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की मजबूत नींव आंगनबाड़ी केंद्रों से ही पड़ती है, इसलिए इन केंद्रों की कार्यप्रणाली का प्रभावी होना अत्यंत आवश्यक है।निरीक्षण के दौरान एडिशनल सीएमओ भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। अंत में मनोज सिंह ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से आम जनता तक पहुंचे और स्वास्थ्य व पोषण सेवाओं की गुणवत्ता लगातार बेहतर होती रहे।

भ्रष्टाचार मामले में पूर्व चौकी इंचार्ज धनंजय सिंह को हाईकोर्ट से जमानत के आदेश

❐ महानगर थाना क्षेत्र की पेपर मिल चौकी में तैनाती के दौरान दर्ज हुआ था मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल में बंद पूर्व चौकी इंचार्ज धनंजय सिंह को लखनऊ हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने मामले के तथ्यों और दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद आरोपी दरोगा को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

मामला गैंगरेप के एक मुकदमे से नाम हटाने के नाम पर दो लाख रुपये रिश्वत मांगने के आरोप से जुड़ा है। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि जिस आरोपी प्रतीक गुप्ता से कथित तौर पर नाम हटाने के लिए घूस लेने का आरोप है उसे दरोगा पहले ही जेल भेज चुके थे पीड़िता ने धारा 164 के बयान में आरोपी का नाम लिया था ऐसे में दरोगा के पास नाम हटाने का कोई कानूनी विकल्प नहीं बचता था।बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि कथित रिश्वत की रकम दरोगा के शरीर या जेब से बरामद नहीं हुई बल्कि चौकी में रखी एक फाइल से मिली थी। इसके साथ ही फिनॉल्फथेलिन पाउडर टेस्ट की प्रक्रिया और साक्ष्यों की फर्द में तकनीकी खामियों की ओर भी कोर्ट का ध्यान दिलाया गया।गौरतलब है कि 29 अक्टूबर 2025 को एंटी करप्शन ब्यूरो की 18 सदस्यीय टीम ने धनंजय सिंह को गिरफ्तार किया था। कोचिंग संचालक प्रतीक गुप्ता ने शिकायत की थी कि एक महिला कर्मचारी द्वारा दर्ज कराए गए गैंगरेप केस से नाम हटाने के बदले दरोगा दो लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। एसीबी टीम ने हिडन कैमरे के जरिए पूरे ऑपरेशन की रिकॉर्डिंग का दावा किया था।राज्य सरकार की ओर से जमानत का कड़ा विरोध किया गया, लेकिन अदालत ने माना कि मामले में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है, आरोपी पहले से जेल में है और ट्रायल में समय लग सकता है। साक्ष्यों की बरामदगी और प्रक्रिया पर उठे कानूनी सवालों को देखते हुए हाईकोर्ट ने धनंजय सिंह को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

एक राष्ट्र एक कर की भावना के अनुरूप एक ट्रेड एक टैक्स की व्यवस्था लागू करे सरकार: व्यापारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । आगामी 1 फरवरी को प्रस्तुत होने वाले आम बजट 2026-27 के संदर्भ में लखनऊ व्यापार मंडल के व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें देश की कर व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी एवं व्यापार-अनुकूल बनाने हेतु विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई। अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने बताया कि बीती 07 जनवरी को सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह एवं मेल के माध्यम से कर सुधार हेतु एक ज्ञापन वित्त मंत्री भारत सरकार को प्रेषित किया गया था।

बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि सरकार एक राष्ट्र एक कर की भावना के अनुरूप एक ट्रेड एक टैक्स की व्यवस्था लागू करे, जिससे व्यापारियों को जटिल कर संरचना से राहत मिल सके। अमरनाथ मिश्र ने आम बजट पर अपनी बात रखते हुए कहा कि यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को गति देने का प्रयास तो करता है, लेकिन व्यापारियों की जमीनी समस्याओं के समाधान के लिए अभी और ठोस कदमों की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर कर संबंधी बोझ को कम करने, जीएसटी प्रक्रिया को सरल बनाने तथा व्यापार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यदि सरकार व्यापार बढ़े देश बढ़े की भावना से निर्णय ले, तो रोजगार सृजन और बाजार की मजबूती दोनों सुनिश्चित की जा सकती हैं। वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि यदि इन सुझावों को बजट में शामिल किया जाता है तो इससे कर प्रणाली अधिक सरल होगी, अनुपालन का बोझ घटेगा और छोटे व मध्यम व्यापारियों को वास्तविक राहत मिलेगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने मांग उठाई कि ऑनलाइन व्यापार(ई-कॉमर्स) पर अतिरिक्त कर या विशेष लेवी लगाई जानी चाहिए, ताकि स्थानीय छोटे और मध्यम व्यापारियों को समान प्रतिस्पर्धा का अवसर मिल सके।

सत्य और त्याग की अमर गाथा से भक्तिरस में डूबा कथा पंडाल

❐ राजा हरिश्चंद्र के आदर्शों ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । क्षेत्र के शाह मोहम्मदपुर अपैया (बबैया) गांव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा पंडाल श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं से सराबोर नजर आया। कथावाचक श्री कृष्णानन्द मृदुल जी महाराज ने राजा हरिश्चंद्र की जन्म कथा से लेकर उनके कर्मकांड, दानवीरता और अद्वितीय सत्यनिष्ठा से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। महाराज श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि अयोध्या के राजा हरिश्चंद्र सत्य और त्याग की जीवंत प्रतिमूर्ति थे। संतान प्राप्ति के लिए वरुणदेव की आराधना से लेकर गुरु विश्वामित्र की कठिन परीक्षा तक, राजा हरिश्चंद्र का संपूर्ण जीवन सत्य के मार्ग पर अडिग रहने की अनुपम मिसाल है। उन्होंने कहा कि राजा हरिश्चंद्र के आदर्श आज भी समाज को सच्चाई, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। सजीव झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत प्रसंगों ने कथा को और अधिक प्रभावशाली बना दिया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण किया। अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भारतीय जन सेवा समिति द्वारा समरसता तहरी भोज का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जन सेवा समिति द्वारा समरसता तहरी भोज का आयोजन समाज में एकता सद्भाव व्यापारियों में एकता, आपसी भाईचारे को मजबूत करने के उद्देश्य से राजाजीपुरम ई ब्लॉक मार्केट में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा किया गया। तहरी भोज कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष सोमेंद्र मिश्रा, भाजपा नेता सैयद फैजी, पार्षद अनूप कमल सक्सेना, राष्ट्रीय कवि वेद व्रत वाजपेई, लखनऊ महानगर के मंत्री यूं एन पांडेय सहित व्यापारी नेता एवं तमाम लोग मौजूद रहे।

संघ के शताब्दी वर्ष पर नानकशाही मठ में होगा भव्य हिंदू सनातन सम्मेलन

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आगामी 1 फरवरी 2026 को लखनऊ के मदेयगंज थाना क्षेत्र स्थित नानकशाही मठ खदरा में एक भव्य एवं दिव्य हिंदू सनातन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा।इस संबंध में नानकशाही मठ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए महंत धर्मेंद्र दास ने बताया कि यह सम्मेलन संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हिंदू समाज को संगठित करने और सनातन मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।महंत धर्मेंद्र दास ने जानकारी दी कि सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य सहित पांच सूत्रीय कार्यक्रमों पर गहन चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में मातृशक्ति, साधु-संतों एवं देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्वानों के प्रेरणादायक उद्बोधन होंगे।उन्होंने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संस्कारों का संरक्षण, संस्कारित परिवारों का निर्माण और हिंदू समाज में एकता की भावना को मजबूत करना है। साथ ही मठ-मंदिरों की भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों, तथा सनातन धार्मिक स्थलों की सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया गया कि हर घर से एक मुट्ठी चावल अभियान के तहत समरसता भोज का आयोजन किया जाएगा जिसमें समाज के सभी वर्गों से सहभागिता की अपील की गई है।अंत में महंत धर्मेंद्र दास ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में शामिल होने और इस जनआंदोलन को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

आईडीबीआई बैंक ने विद्यालय को दिया टीवी, वॉटर कूलर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । गोसाईगंज क्षेत्र के गांव बख़ारी-प्राथमिक विद्यालय में आईडीबीआई बैंक के सौजन्य से एक स्मार्ट टीवी, एक वॉटर कूलर,एक कैंट ,आर ओ प्रदान किया गया।

इंचार्ज अध्यापक संतोष कुमार ने बताया कि स्कूल में स्मार्ट टीवी की आवश्यकता थी जिसकी पूर्ति आईडीबीआई बैंक ने कर दी।,स्मार्ट टीवी के साथ ही साथ बच्चों को शुद्ध पेय जल के लिए कैंट का आरओ भी प्रदान किया।इस मौके पर आईडीबीआई बैंक के रीजनल ऑफिसर आशुतोष सिंह आईडीबीआई बैंक गोमती नगर के ब्रांच हेड अमित शाह ,गोमती नगर ब्रांच के रिलेशनशिप मैनेजर श्रीमती वर्षा बाबूता ,ब्लाक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह और ग्राम प्रधान ऊषा उपस्थिति रही। प्रधानाध्यापक संतोष कुमार ने सभी मेहमानों को पौधे देकर उनका स्वागत किए।बच्चों ने भी अपने अपनी उपस्थिति से उनका मन मोह लिया।,बच्चों ने मेहमानों को अपने हाथ से ग्रीटिंग कार्ड देकर उनका स्वागत किए।निकट भविष्य में भी बैंक ने स्कूल को हर संभव मदद के लिए आश्वाशन दिया।

यूपी महोत्सव में नाट्यसोल अकादमी की भरतनाट्यम में शानदार प्रस्तुति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । जानकीपुरम में आयोजित यूपी महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम में नाट्यसोल अकादमी के कलाकारों ने अपने शानदार क्लासिकल नृत्य प्रस्तुति से सभी दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने कलाकारों को सम्मानित किया।

गौरतलब है कि इन दिनों राजधानी में जानकीपुरम विस्तार में यूपी महोत्सव की धूम मची हुई है। जिसमे प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। लखनऊ के सबसे पुराने महोत्सव में से एक यूपी महोत्सव भी है। सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने के लिए प्रतिदिन सैकड़ों दर्शक आ रहे है।इसी कड़ी में नाट्यसोल अकादमी के नन्हे मुन्ने कलाकारों ने क्लासिकल नृत्य की भव्य प्रस्तुति दी। कोरियोग्राफर व प्रसिद्ध नृत्यांगना सौम्या वर्मा के दिशा निर्देशन में बच्चों की शानदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने जबरदस्त तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। नृत्य निर्देशिका सौम्या वर्मा ने बताया कि मात्र कुछ दिन के अल्प समय पर अभ्यास करके कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति दी गई।सर्वप्रथम गणेश वंदना (पुष्पांजलि) एकदंताय वक्रतुंडाय की प्रस्तुति राहिणी सिंह, नव्या सिंह, पावकी मिश्रा, वैदेही श्रीवास्तव, सान्या वर्मा, और संस्कृति शर्मा ने दी। जिसके बाद शिव स्तुति अंगिकम् भुवनम् श्लोक में नव्या सिंह ने, अष्टलक्ष्मी स्तोत्रम् में राहिणी सिंह ने, नमामि नमामि में पावाकी मिश्रा और समृद्धि मिश्रा ने, दुर्गा पुष्पांजलि में शिंजिनी ने, प्राणवलया में सान्या वर्मा और संस्कृति शर्मा ने, ऐगीरी नंदिनी (कीर्तनम्) में अदिश्री ने, स्वल्ला जथी कार्नाटिक फ्यूजन में संस्कृति शर्मा और सान्या वर्मा ने, और शिव वंदना (कीर्तनम्) चंद्रचूड़ा की प्रस्तुति अदिश्री, राहिणी सिंह, नव्या सिंह, पावाकी मिश्रा, वैदेही श्रीवास्तव, सान्या वर्मा, संस्कृति शर्मा, और समृद्धि मिश्रा ने दी।अंत में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने सभी कलाकारों का सम्मान किया और कहा कि नाट्यसोल एकेडमी की संचालिका सौम्या वर्मा के निर्देशन में सभी की प्रस्तुति बहुत ही सराहनीय रही।आयोजक प्रगति इवेंट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह व उपाध्यक्ष एन बी सिंह ने भी नाट्यसोल एकेडमी की प्रशंसा की।

अटल लखनऊ खेल महोत्सव सीजन-3 के टी-शर्ट का हुआ अनावरण, संगठन विस्तार पर बनी रणनीति

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्रीड़ा भारती लखनऊ महानगर द्वारा आयोजित अटल लखनऊ खेल महोत्सव सीजन 3 की तैयारी बैठक एवं टी-शर्ट अनावरण कार्यक्रम सीतापुर रोड स्थित सेंट जोसेफ कॉलेज में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल ने क्रीड़ा भारती द्वारा किए जा रहे सेवा एवं खेल संबंधी कार्यों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से 'रन फॉर राम' आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम अब राष्ट्रीय स्तर पर गौरव का विषय बन चुका है। क्रीड़ा भारती लखनऊ महानगर के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती और विस्तार की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि क्रीड़ा भारती का उद्देश्य लखनऊ के प्रत्येक वार्ड और गांव तक खेल संस्कृति को पहुंचाना है।

आंचलिक विज्ञान नगरी में नॉलेज ऑन स्फीयर एवं साइंस एक्सपो-2026 का उद्घाटन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आंचलिक विज्ञान नगरी में नॉलेज ऑन स्फीयर और साइंस एक्सपो-2026 की नई सुविधा का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डॉ. नीरज बोरा, सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, दिल्ली के निदेशक विजय शंकर शर्मा तथा इसरो आईएसटीआरएसी की उप निदेशक नंदिनी हरिनाथ मौजूद रही। उद्घाटन के पश्चात उपमुख्यमंत्री ने देश के अग्रणी वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया।

नगर निगम ने अभियान चला कर हटाईं अवैध डेरियां, करीब डेढ़ दर्जन मवेशी जब्त

❐ नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के नेतृत्व में चला अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । नगर निगम लखनऊ द्वारा शहरी स्वच्छता और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बुधवार को जोन-8 के बिजनौर थाना क्षेत्र में अवैध डे?रियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया।

नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के नेतृत्व में यह अभियान संचालित किया गया। विशेष अभियान के अंतर्गत रॉयल सिटी कॉलोनी, गडौरा में कार्यवाही की गई जिससे डेरी संचालको द्वारा भारी विरोध भी किया गया और पशुओं को घर के अंदर बंद कर दिया गया जिसे किसी तरह ताला खुलवाकर मौके पर पशुओं को जब्त किया गया। अभियान के दौरान कुल 11 भैंस , 4 पड़िया, 3 गाय,1 बछिया जब्त की गई, जिन्हें ऐशबाग स्थिति कांजी हाउस में निरुद्ध किया गया है। इन पशुओं को केवल निर्धारित जुर्माना जमा करने के पश्चात ही छोड़ा जाएगा। यह कार्यवाही स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के आधार पर की गई थी, जिनमें डेरी संचालकों द्वारा गोबर को खुले प्लॉटों में फेंकने एवं नालियों में बहाने से गंदगी, जलभराव और मच्छरजनित रोगों की आशंका व्यक्त की गई थी।

नगर निगम ने यह स्पष्ट किया है कि नगर निगम अधिनियम 1959 के अंतर्गत शहरी सीमा में भैंस पालन पूर्णतः प्रतिबंधित है, क्योंकि इसे अपदूषण कारक पशु की श्रेणी में रखा गया है। केवल अधिकतम दो गायों को ही वैध लाइसेंस के तहत पालने की अनुमति है। अभियान में पुलिस बल, प्रवर्तन दल एवं पशु कल्याण विभाग की संयुक्त भागीदारी रही। डॉ. अभिनव वर्मा के साथ मनोज, रामकुमार, अभिनव, फुरकान, नदीम के द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। *जोन 7 इन्दिरा नगर ओवरहेड टैंकों की सफाई के कारण कई क्षेत्रों में जलापूर्ति रहेगी प्रभावित

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के जलकल विभाग द्वारा शहर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के उद्देश्य से जोन 7 में ओवरहेड टैंकों की नियमित सफाई का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रताप नगर बस्तौली एवं आसपास के क्षेत्रों में स्थित दो प्रमुख ओवरहेड टैंकों की सफाई का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है, जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में अस्थायी रूप से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। इन्दिरा नगर ए-ब्लॉक स्थित ओवरहेड टैंक की सफाई कराई जाएगी। इसके चलते 29 जनवरी 2026 की शाम से ए-ब्लॉक, बी-ब्लॉक, प्रताप नगर, बस्तौली सहित आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रहने की संभावना है। इसी प्रकार, 31 जनवरी 2026 को सेक्टर-20 स्थित ओवरहेड टैंक की सफाई का कार्य प्रस्तावित है, जिसके कारण 31 जनवरी 2026 की शाम से सेक्टर-20, सेक्टर-23, सेक्टर-24, प्रकाशलोक तथा समीपवर्ती क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है।

नगर निगम का बड़ा अभियान: हरदासी खेड़ा में शासकीय भूमि से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ नगर निगम करोड़ों की भूमि कराई मुक्त

लखनऊ । सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने के अभियान के तहत नगर निगम लखनऊ द्वारा एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की गई। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशन में बुधवार को अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान संचालित किया गया।

अभियान के अंतर्गत ग्राम हरदासी खेड़ा, तहसील सदर, जिला लखनऊ में शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने हेतु व्यापक कार्रवाई की गई। इस अभियान का संचालन सहायक नगर आयुक्त/प्रभारी अधिकारी सम्पत्ति रामेश्वर प्रसाद एवं तहसीलदार नगर निगम लखनऊ अरविन्द पाण्डेय द्वारा उपलब्ध कराई गई संयुक्त टीम के माध्यम से किया गया। मौके पर प्रशासनिक टीम ने शासकीय अभिलेखों के आधार पर चिन्हित भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम हरदासी खेड़ा, तहसील सदर स्थित गाटा संख्या-294 (क्षेत्रफल 0.143 हेक्टेयर, ऊसर भूमि) तथा गाटा संख्या-44स (क्षेत्रफल 2.497 हेक्टेयर, चारागाह भूमि) नगर निगम के अभिलेखों में शासकीय भूमि के रूप में दर्ज हैं।

इन भूमि खण्डों पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से बाउंड्रीवॉल, प्लॉटिंग एवं व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कर नगर निगम की निहित शासकीय संपत्ति को क्षति पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा था।नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुँचकर जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माण, बाउंड्रीवॉल और प्लॉटिंग संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में टीम का नेतृत्व नायब तहसीलदार नगर निगम श्री राजेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। अभियान में नगर निगम के लेखपाल विनोद कुमार वर्मा, आलोक यादव, संजू मौर्या, तहसील सदर के लेखपाल विमल सिंह, थाना-चिनहट पुलिस बल तथा नगर निगम प्रवर्तन दल (ईटीएफ फोर्स) की सक्रिय उपस्थिति और सहयोग रहा।

कार्रवाई के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा विरोध भी किया गया, लेकिन प्रशासन ने पूरी सतर्कता, संयम और कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए अभियान को शांतिपूर्ण ढंग से सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी गई और कार्यवाही पूरी पारदर्शिता के साथ की गई।इस अभियान के परिणामस्वरूप लगभग 2000 वर्गमीटर बहुमूल्य शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग 5 करोड़ 50 लाख रुपये आँकी गई है। यह कार्रवाई नगर निगम की भूमि संरक्षण नीति और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के प्रति प्रशासन की सख्त प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सीतापुर जिलाधिकारी की कार लहरपुर में हुई हादसे का शिकार,गनर घायल

❐ संड़क हादसे में जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. बाल-बाल बचे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर की जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. की सरकारी कार शुक्रवार को एक सड़क हादसे का शिकार हो गई। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. बाल-बाल बच गए, जबकि उनके साथ चल रहे गनर को चोटें आई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. लहरपुर क्षेत्र में निरीक्षण के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उनके काफिले में आगे चल रहे वाहन से अचानक डीएम की गाड़ी टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी मच गई।हादसे के बाद सुरक्षाकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्काल स्थिति को संभाला। घायल गनर को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं जिलाधिकारी पूरी तरह सुरक्षित हैं।घटना की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रशासन ने राहत की बात यह बताई कि किसी बड़े नुकसान या जनहानि की स्थिति नहीं बनी।

बच्चे को बचाने में हुआ हादसा, डीएम के काफिले की गाड़ियां आपस में भिड़ीं

सीतापुर। सड़क पर एक बच्चे को बचाने के प्रयास में जिलाधिकारी के काफिले की गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में जिलाधिकारी बाल-बाल बच गए। हालांकि दुर्घटना के बावजूद वह रुके नहीं और अपना निरीक्षण कार्यक्रम जारी रखा।जानकारी के अनुसार सीतापुर के लहरपुर-बिसवां मार्ग पर बेहडपुरवा गांव के सामने सूर्यकुण्ड मंदिर के पास जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर के काफिले में यह हादसा हुआ। अचानक सामने आए एक बच्चे को बचाने के दौरान काफिले की गाड़ियां आपस में भिड़ गईं, जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।सूत्रों के मुताबिक इस दुर्घटना में जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर को कोई चोट नहीं आई है और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं।

कमलापुर चीनी मिल में यूनिट हेड से संगठन की वार्ता बेनतीजा, एक सप्ताह का मांगा समय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कमलापुर। आज कमलापुर चीनी मिल के संगठन मंत्री अरुण तिवारी जी ने कमलापुर शुगर मिल के यूनिट हेड प्रदीप सलार जी से पुराने कर्मचारी को फिर से वापस नौकरी रखने पर बात की और बकाया पेमेंट जैसे मुद्दों पर बात की करीब 1घंटा चली बात में मिल प्रशासन यूनिट हेड प्रदीप कुमार सालार ने आनाकानी करते हुए फिर से एक हफ्ते का समय मांगा है। शुगर मिल का ट्रायल फरवरी में होना सुनिश्चित हुआ है।

अरुण तिवारी ने चेतावनी देते हुए मिल प्रशासन को अवगत करा दिया है कि अगर कर्मचारियों के भविष्य से खिलवाड़ हुआ तो ठीक नहीं होगा और फिर कमलापुर शुगर मिल संगठन विशाल धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य रहेगा जिसकी जिम्मेदारी मिल प्रशासन की होगी।। कमलापु संगठन मंत्री अरुण तिवारी जी आशीष मिश्रा, सौरभ शुक्ला, धनंजय मिश्रा, कमलेश अवस्थी, अनिल तिवारी, कमलेश रावत, सुनील सिंह, आशीष अवस्थी, अम्बरलाल, दिनेश , रचित कुमार मिश्रा अन्य सभी कर्मचारी आज मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय नवाबनगर स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में वीएचएसएनडी सत्र का किया औचक निरीक्षण, कार्रवाई के निर्देश

जिलाधिकारी ने एचआरपी रजिस्टर को देखते हुये कमियां मिलने पर एएनएम प्रियंका वर्मा पर अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश

सीतापुर । जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने आज प्राथमिक विद्यालय नवाबनगर, विकास क्षेत्र लहरपुर में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र में वीएचएसएनडी सत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एएनएम से वार्ता करते हुये वैक्सीनेशन की जानकारी ली एवं वी0एच0एच0एन0डी0 सत्र के दौरान लगायी जाने वाली वैक्सीन को देखा। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से वार्ता करते हुये स्वास्थ्य सामग्री की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने एच0आर0पी0 रजिस्टर को देखते हुये कमियां मिलने पर एएनएम प्रियंका वर्मा पर अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। ड्यू लिस्ट का अवलोकन किया, जिसमें ड्यू लिस्ट में कमियां पाये जाने पर एएनएम का आज का वेतन काटनें के निर्देश संबंधित को दिये। साथ ही ए0एन0एम0 से मरीजों का फीड बैक जाना तथा हीमोग्लोबिन मीटर का भी देखा। आंगनबाड़ी कार्यकत्री से सैम एवं मैम बच्चों की जानकारी लेते हुये उन्हें दी जाने वाली दवाओं के बारे में भी जानकारी ली। जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं का ट्रैकिंग रजिस्टर का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन द्वारा निकाली गई भव्य दिव्यांग तिरंगा यात्रा

❐ सकुशल संपन्न हुई। फाउंडेशन द्वारा निकाली गई भव्य दिव्यांग तिरंगा यात्रा।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर । सदर तहसील क्षेत्र के विशुन नगर चौराहा स्थित आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन कार्यालय पर छब्बीस जनवरी गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के माहौल में मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत कार्यालय परिसर में मां शारदे एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात विधिवत ध्वजारोहण कर भव्य दिव्यांग तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया।

तिरंगा यात्रा को नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता उर्फ बब्लू द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यात्रा सीतापुर-बहराइच मार्ग से थाना खैराबाद होते हुए पुरानी बाजार, नगर पालिका परिषद खैराबाद पहुंची, जहां लाला हरिप्रसाद स्मारक पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत यात्रा डीजे कॉलेज चौराहे स्थित अल्लामा फैजल हक स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पुनः पुरानी बाजार व नगर पालिका परिषद होते हुए फाउंडेशन कार्यालय पर आकर सम्पन्न हुई।इस अवसर पर फाउंडेशन के सौजन्य से पांच दिव्यांग जनों को मोटर ट्राई साइकिल प्रदान की गई। मोटर ट्राई साइकिल पाकर दिव्यांग लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस पुनीत कार्य में डॉ. श्याम मोहन शुक्ला का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव सिंह, प्रबंधक/सचिव बिंदू मौर्या, कोषाध्यक्ष विजय पाल, गुड्डू, हरिलाल, कासिम, राजेंद्र, इस्हाक अंसारी, प्रीति, कालिंद्री, मानसी सहित सैकड़ों दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस बल का विशेष सहयोग भी रहा।

गणतंत्र दिवस पर बीएलओ का हुआ सम्मान

बिसवां, सीतापुर। गणतंत्र दिवस पर तहसील सभागार महमूदाबाद में आयोजित एक समारोह में विधानसभा 151 महमूदाबाद अन्तर्गत चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग एक दर्जन बीएलओ को सम्मानित किया। लगभग ग्यारह वर्षों से लगातार बीएलओ का कार्य करने वाले शिक्षा मित्र मो0 मोहसिन अंसारी को भाग संख्या 318 प्राथमिक विद्यालय भुड़कुड़ा को नि0रजि0 अधिकारी/उपजिलाधिकारी बालकृष्ण सिंह व सदस्य, पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश करुणा शंकर पटेल द्वारा सहा0नि0रजि0/तहसीलदार अनिल कुमार राम की उपस्थिति में प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपजिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले विधानसभा महमूदाबाद के सम्मानित किये गये सभी बीएलओ की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एसआईआर के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी(प्रशासन), उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (ड्राफ्ट) के दौरान दावे व आपत्तियों का निस्तारण एवं नोटिस जारी किये जाने व इस पर हो रही सुनवाई की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं ने अपना गणना प्रपत्र भरा है और उनका वर्ष 2003 के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अंतिम मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सका है, ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी करते हुये उनसे अभिलेखीय साक्ष्य मांगे गये हैं। जिन मतदाताओं की मैपिंग में तार्किक विसंगतियां पाई गई हैं, इन मतदाताओं को भी नोटिस जारी किया जा रहा है तथा इनसे भी अभिलेखीय साक्ष्य की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दूसरे चरण में 06 जनवरी से 06 फरवरी, 2026 तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज की जा सकती है। 06 जनवरी से 27 फरवरी, 2026 तक नोटिस चरण में सुनवाई व सत्यापन के साथ दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा तथा 06 मार्च, 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

उन्होंने बताया कि यदि किसी कारणवश कोई मतदाता सुनवाई में उपस्थित नहीं हो पा रहा है तो वह अपने प्रतिनिधि के रूप में किसी को नामित कर सुनवाई हेतु भेज सकता है। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों से यह अनुरोध किया कि अपने बूथ लेवल एजेन्ट के माध्यम से समस्त मतदाताओं को यह संदेश प्रसारित करायें कि विगत 06 जनवरी, 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में अपना नाम जरुर देखें, जिस किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची में दर्ज न हो वे घोषणा पत्र एवं निवास के रूप में व जन्म तिथि को प्रमाणित करने वाले अभिलेखों के साथ फॉर्म-6 भरकर जमा कर सकते हैं तथा ऐसे युवा जो 01 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लिए हैं वे भी घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भरें, जिससे कि अंतिम मतदाता सूची में उनका नाम शामिल हो सके।

गौशाला में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही की चरम सीमा पार

❐ , भूख व इलाज के अभाव में गोवंशों की लगातार हो रही मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बांकेगंज, खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी के विकासखंड बांकेगंज स्थित ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर 10 की गौशाला से बेहद गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि यहां गोवंशों के लिए न तो समुचित चारे की व्यवस्था है और न ही समय पर चिकित्सकीय उपचार, जिसके चलते कई जानवर अत्यंत कमजोर व घायल अवस्था में तड़प-तड़पकर दम तोड़ रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गौशाला में केवल चोकर डालकर औपचारिकता निभाई जा रही है, जबकि शासन द्वारा चारा, भूसा और दवाइयों के लिए लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं।साथ ही यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि सरकारी पशु चिकित्सक स्वयं मौके पर न पहुंचकर निजी झोलाछाप डॉक्टरों को भेज देते हैं, जिन्हें पशुओं के इलाज का समुचित ज्ञान नहीं होता। इसके बावजूद इलाज के नाम पर धन का बंदरबांट किया जाता है।ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर 10 के सचिव योगेश वर्मा और गौशाला प्रबंधन समिति पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है। यदि गौशाला से जुड़े सभी रजिस्टरों और अभिलेखों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो बड़े घोटाले का खुलासा हो सकता है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।आरोप है कि जब इस मामले को लेकर अधिकारियों से शिकायत की जाती है तो वे टालमटोल करते हैं। बांकेगंज ब्लॉक के संबंधित अधिकारी, सचिव और खंड विकास अधिकारी की भूमिका भी संदेह के घेरे में बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि डबल इंजन सरकार के दावों के बावजूद गोवंश संरक्षण की जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है।बताया गया है कि विकासखंड क्षेत्र के बल्दीपुर मरघट के पास स्थित गोआश्रय स्थल में भी चारा और चिकित्सा के अभाव में गोवंश दम तोड़ रहे हैं, जिससे सरकारी दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। जिले में बेसहारा गोवंशों के संरक्षण के लिए सैकड़ों गौशालाएं संचालित हैं, लेकिन कई जगह व्यवस्थाएं सिर्फ कागजों तक सीमित हैं।गौशालाओं में प्रति माह लाखों रुपये चारा, भूसा, कर्मचारियों और चिकित्सा सुविधाओं पर खर्च दिखाया जाता है, मगर धरातल पर गोवंश भूख और बीमारी से मर रहे हैं। देखरेख के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई की जा रही है।इस संबंध में जब एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी से बात की गई तो उन्होंने मामले की जांच कर स्वयं गौशाला का निरीक्षण करने और खामियां मिलने पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इस मामले में ठोस कदम उठाता है?सोचनीय विषय है!

किसानों का शोषण चरम सीमा के पार,नहर में गिराया जा रहा गंदा पानी, दूषित पानी पीने को मजबूर जानवर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । निघासन तहसील के ग्राम पंचायत लुधौरी में बने श्री बजरंग शुगर इण्डट्री का दूषित पानी नहर में बहने पर शारदा बैराज से जो पानी छोड़ा जाता है वन्य जीव व खेतों में पानी लगाने हेतु जानवरों के लिए पीने के लिए उसे दूषित कर रही क्रेशर इससे कोई भी जानवर बीमार व संक्रमित हो रहा है।

आसपास के गांव के लोग जानवरों को दूषित पानी पीलाने से कतरा रहे हैं। आपको बताते चलें की ग्राम पंचायत लुधौरी के श्री बजरंग शुगर इण्डट्री के मालिक पर कोई फर्क नहीं पड़ता किसानों के साथ गन्ना खरीद के नाम पर किसानों के साथ खुली लूट का खेल चल रहा है। क्षेत्र की भोली-भाली जनता को औने-पौने दामों पर गन्ना बेचने को मजबूर हैं, जबकि मिल प्रबंधक मनमानी पर उतर आया है।क्या प्रशासन सिर्फ तमाशबीन बना रहेगा?सरकार एक ओर किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर मील मालिक और बिचौलिये किसानों का खून चूसने में लगे हैं।अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो यह आक्रोश बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।अब देखना यह है कि प्रशासन जागता है या फिर किसान की मेहनत यूं ही रौंदी जाती रहेगी।

श्री राम कथा के पंचम दिवस पर भरत चरित्र का व्याख्यान सुनकर भाव विभोर हुए श्रृद्धालु

कमलापुर, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भगवान शिव की असीम कृपा से विगत वर्षों की भांति श्री मंदिर शंकर जी समर्पित निधि सेवा समिति ग्राम जगदीशपुर पोस्ट कमलापुर जनपद सीतापुर के तत्वावधान में इस वर्ष 23 जनवरी 2026 से 29 जनवरी 2026 तक श्री राम कथा एवं रुद्राभिषेक अनुष्ठान कथा सप्ताह का आयोजन संपन्न हो रहा है। पंचम दिवस पर श्रद्धेय कथा व्यास अवधेश नंदन मिश्रा अनुभवी जी महाराज के द्वारा भरत चरित्र का व्याख्यान किया गया। जिसको सुनकर सभी श्रद्धालु भक्त भाव विभोर हो गए। रात्रि कालीन वेला में अनुराग झांकी ग्रुप सीतापुर द्वारा गंगावतरण ''शिव विवाह, , बाबा खाटू श्याम की अनेकानेक झांकियों का दर्शन कराया जा रहा है। मुख्य आयोजक शेष कुमार शुक्ला ने बताया कथा का विश्राम दिवस 29 जनवरी 2026 दिन गुरुवार को हवन, पूजन , कुमारिका भोज, संत ब्रह्मण एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न किया जाएगा। जिसमें सभी धर्मानुरागी भक्त समस्त ग्रामवासी व क्षेत्रवासी इष्टमित्र , जनप्रतिनिधि , सम्मानित पत्रकार बंधु एवं संभ्रांत व्यक्ति सादर आमंत्रित है। आयोजन के विश्राम दिवस की रात्रि कालीन वेला में राम सागर शर्मा तांत्रिक जादूगर हैदरगढ़ बाराबंकी के द्वारा जादू कार्यक्रम भी दिखाया जाएगा।

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर निकाली गई तिरंगा यात्रा, देश भक्ति के नारो से गूंज उठा वातावरण

बेहटा, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। ग्राम पंचायत बसंतापुर प्रधान प्रतिनिधि अफसर हुसैन के द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकाली गई यात्रा प्रधान के निवास स्थान मुरब्बा से प्रारंभ होकर रमुवापुर तंबौर रोड से होते हुए छतागुर गांव से मुगलापुर से भभेला ,बसंतापुर होते हुए कंपोजिट विद्यालय बसंतापुर में संपन्न हुई जिसके बाद विद्यालय परिसर पर ध्वजारोहण का कार्य सम्पन्न हुआ विद्यालय में सैकड़ों की संख्या में छात्रों के हांथ में तिरंगा को लहराते हुए, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,झंडा ऊंचा रहे हमारा के नारो से वातावरण गुंजायमान हो गया बाल गोपालों ने देश भक्ति के गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया तत्पश्चात सभी बच्चों को एवं आए हुए आगंतुकों को लड्डू वितरण किया गया गांव के पंकज कुमार सिंह ने गणतंत्र दिवस मनाए जाने का कारण एवं तिरंगे के भीतर 24 तीलियों सहित तिरंगे के तीनों रंगों की व्याख्या की इसी के साथ सप्तार सलमानी ने 26 जनवरी के बारे में बच्चों को जानकारी दी इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि अफसर हुसैन,प्रधानाचार्य परशुराम, साबिर अली, पंचायत सहायक अफाक अहमद, सरताज हुसैन,एजाज हुसैन, अजय कुमार, निजामुद्दीन, गोपाल, गोवर्धन लाल, नज़बुल ,हुसैन, सप्तार आदि ग्रामीणों सहित बहुत सारे ग्रामीण उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा में कंस वध प्रसंग सुनाकर हुआ समापन

जहांगीराबाद, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विगत सात से कस्बे के वार्ड एक में में सभी के सहयोग से चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का मंगलवार देर शाम को पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया। इस अवसर पर हवन पूजन आरती के पश्चात एक विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया जिसमें देर?रात? तक श्रद्धालु श्रोता भक्तों ने प्रसाद छका। इस कथा का आयोजन श्रीमती किरन देवी सैनी धर्मपत्नी स्व0 संजय सैनी ने अपने आवास के निकट रमेश गौड़ के घर के सामने प्रांगण में सभी ग्राम वासियों के सहयोग से कराया था। इस अवसर पर कथा के अंतिम दिन कथा व्यास पंडित धर्म दत्त वाजपेयी ने उपस्थित श्रोता भक्तों को कंस वध की मार्मिक कथा सुनायी जिसको सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। उसके पश्चात सायं 5 बजे से एक विशाल भंडारा आयोजित किया गया जिसमें खराब मौसम के बावजूद देर? रात तक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस भागवत कथा आयोजन में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक और रात्रि में 8 बजे से 11 बजे तक कथा व्यास द्वारा श्रीमद्भागवत कथा के अन्तर्गत राम व कृष्ण लीलाओं का संगीतमय वाचन किया गया। मंगलवार अंतिम दिन होने के कारण हवन पूजन आरती के पश्चात एक विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जो देर रात तक चलता रहा जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर राम बहादुरगढ़ रमेश चंद्र गौड़ जितेंद्र सैनी शुभम गौड़ सुरेश प्रकाश गौड़ राजेश कुमार निगम रामनरेश सैनी महेश संजय राम गणेश सैनी मनोज कुमार गौड़ डिंपल गोद संदीप सैनी,संतोष कश्यप,अर्जुन पोरवाल, अरुण कुमार, विनीत सैनी व कुलदीप सैनी सहित परिवारी जन व भारी संख्या में ग्रामवासी तथा पास पड़ोस के श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

धौरहरा में दुष्कर्म पीड़िता की दर्दनाक मौत, घर में फंदे से लटका मिला शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, खीरी। धौरहरा क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म की शिकार 17 वर्षीय किशोरी का शव बुधवार सुबह उसके ही घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही गांव में हड़कंप मच गया।बताया जा रहा है कि किशोरी के परिजनों ने एक दिन पूर्व ही गांव के एक गैर समुदाय के युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया था। मंगलवार को किशोरी का बयान वीडियोग्राफी के माध्यम से दर्ज किया गया था और बुधवार को मेडिकल परीक्षण प्रस्तावित था।परिजनों के अनुसार, बुधवार सुबह किशोरी काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकली। शक होने पर दरवाजा खटखटाया गया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दरवाजा तोड़कर देखा गया तो किशोरी फंदे पर लटकी हुई थी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।घटना को लेकर क्षेत्राधिकारी शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, हिरासत में लिए गए आरोपी युवक से भी पूछताछ जारी है।घटना के बाद से पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।उक्त प्रकरण की जानकारी मिलते ही धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की। विधायक ने दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही।

थुलवासा में सड़क हादसे में मां बेटी की मौके पर ही मौत, छोटी बेटी मामूली रूप से घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के थुलवासा में बुधवार सुबह 8 बजे के करीब सड़क हादसे में मां और उसकी बड़ी बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटी बेटी मामूली रूप से घायल हो गई। जिसका इलाज नजदीक के अस्पताल में जारी है।

तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर यह हादसा थुलवासा बाजार के पास उस समय हुआ, जब बिटाना मौर्य अपनी दो बेटियों 15 वर्षीय अनुष्का मौर्य और 11 वर्षीय आराध्या मौर्य को स्कूल छोड़ने जा रही थी। बताया जा रहा है कि तीनों सड़क किनारे पैदल चल रही थी। इसी दौरान महराजगंज से रायबरेली की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी तरफ बढ़ गया और उन्हें कुचल दिया।मां-बेटी ने मौके पर तोड़ा दमटक्कर इतनी भीषण थी कि मां बिटाना मौर्य और बड़ी बेटी अनुष्का की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं छोटी बेटी आराध्या को हल्की चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने घायल बच्ची को तुरंत एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महराजगंज पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत खतरे से बाहर है।अहमदाबाद में नौकरी करता था पतिमृतका के भाई शैलेंद्र मौर्य ने बताया कि उनके जीजा राम राज मौर्य अहमदाबाद में प्राइवेट नौकरी करते थे। वही उनकी बहन बिटाना फूलवासा में अपनी दो बच्चियों की पढ़ाई के लिए रहती थी। आज सुबह वे बच्चियों को स्कूल छोड़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने दीदी और भांजी को टक्कर मार दी। जिसमें उन दोनों की मौके पर मौत हो गयी, वही छोटी बेटी जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती है।पोस्टमार्टम के लिए भेजा शवसूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि ट्रक और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जिले की कानून व्यवस्था को लेकर एसएसपी की अहम बैठक

❒ अपराधियों की सतत निगरानी निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। तेजतर्रार एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन में किया गया सैनिक सम्मेलन, पुलिसकर्मियों की समस्याओं को सुनकर समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। सैनिक सम्मेलन के पश्चात मासिक अपराध गोष्ठी कर जनपद की कानून व्यवस्था की समीक्षा की गई।

आपको बता दें कि पुलिस ने सभागार में तेजतर्रार एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर विजयेन्द्र द्विवेदी व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 ह्रदेश कठेरिया व समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों तथा अन्य अधि0गण/कर्म0गण के साथ सैनिक सम्मेलन कर पुलिसकर्मियों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। सैनिक सम्मेलन के उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बदायूं द्वारा समस्त राजपत्रित अधिकारी, जेल अधीक्षक, जिला आबकारी अधिकारी, एआरटीओ, अभियोजन अधिकारी, प्रभारी जीआरपी और समस्त थाना प्रभारियों/शाखा प्रभारियो के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सराहनीय कार्य करने वाले अधि0/कर्म0गण को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं उनकी कार्यशैली की सराहना की गयी।

अपराध नियंत्रण व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु थाना प्रभारियों को दिए गए सख्त निर्देश, थानो पर आने वाले शिकायतकर्ता की समस्याओ को सहानुभूतिपूर्वक सुनकर त्वरित व प्रभावी निस्तारण कराया जाये। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समयबद्ध जांच व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आईजीआरएस प्रभारी को दिए निर्देश, लुटेरे, चोर व गम्भीर अपराध के पेशेवर अपराधियों की सतत निगरानी व उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु थाना प्रभारियों को दिये गये निर्देश, लम्बित विवेचनाओं, प्रार्थना पत्रों की समयबद्ध जांच व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश, महिला व बच्चों से जुड़ी शिकायतों पर अत्यंत गंभीरता बरतने व सम्बंधित अपहृता की सकुशल बरामदगी के लिए दिए गए कड़े निर्देश, मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले, अवैध शस्त्रों का निर्माण व संग्रहण करने वाले, टॉप-10, ईनामिया व हिस्ट्रीशीटर अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही करने के दिए गए निर्देश, सम्मन वारंट को समय से तामिल कर संबंधित को न्यायालय प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया। गवाहों की समय से न्यायालय में गवाही कराने, महिला संबंधित मुकदमों में पैरवी कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए, गैंगस्टर एक्ट के अभियोगों में अपराधियों की अवैध सम्पत्ति चिन्हित कर धारा 14(1) के अन्तर्गत सम्पत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, हिस्ट्रीशीटर, ईनामिया, टॉप-10 अपराधियों, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तथा अवैध शस्त्रों का निर्माण संग्रहण व बिक्री करने वाले अपराधियों के विरूद्ध त्वरित एवं कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

शासन द्वारा चलाए जा रहे आपरेशन त्रिनेत्र 2.0 अभियान के तहत सभी थाना क्षेत्रान्तर्गत मुख्य चौराहो/बाजारों व महत्पवपूर्ण स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फ़ेज-5.0) के तहत महिला हेल्पडेस्क,एंटी रोमियों टीम व शक्ति दीदी,महिला बीट आरक्षियों द्वारा गांवो, मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा स्कूल, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के प्रति तथा उन्हे सुरक्षित परिवेश की अनुभूति, जन-जागरूकता, आत्मरक्षा के बारे में, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों सहित जागरूकता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, समस्त थाना प्रभारियों को गोकशी, अवैध शस्त्र, मादक पदार्थ, शराब, जुआ/सट्टा की रोकथाम हेतु अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, अवैध शस्त्र सत्यापन हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत पोस्टर पार्टी द्वारा चैकिंग हेतु निर्देश दिए गए, एसएसपी द्वारा का0 से हे0का0 तथा हे0का0 से उपनिरीक्षक पद पर प्रोन्नत होने वाले कर्म0गण को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। सैनिक सम्मेलन के उपरांत जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों/शाखा प्रभारियो के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की गई । बैठक में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फ़ेज-5.0) के तहत महिला हेल्पडेस्क,एंटी रोमियों टीम व शक्ति दीदी,महिला बीट आरक्षियों द्वारा गांवो, मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा स्कूल, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के प्रति तथा उन्हे सुरक्षित परिवेश की अनुभूति, जन-जागरूकता, आत्मरक्षा के बारे में, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों सहित जागरूकता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भूकम्प सुरक्षा को लेकर आईआईटी कानपुर में अंतर-विद्यालय क्विज प्रतियोगिता आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी) कानपुर के राष्ट्रीय भूकम्प अभियंत्रण सूचना केंद्र (एनआईसीईई) ने भूकम्प सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर-विद्यालय भकम्प टिप्स क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम के आयोजक (एनआईसीईई) टीम के शिवेश पांडेय ने बुधवार को बताया कि यह प्रतियोगिता वर्ष 2009 से लगातार आयोजित की जा रही है और इस वर्ष इसका 17वां संस्करण था।

यह क्विज प्रो. सीवीआर मूर्ति द्वारा लिखित आईआईटीकेऽबीएमटीपीसी अर्थक्वेक टिप्स प्रकाशन पर आधारित थी, जिसमें भूकम्प से सुरक्षित भवन निर्माण के सरल एवं व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं। यह पुस्तिका एनआईसीईई की वेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्ध है।प्रतियोगिता में ग्वालियर ग्लोरी हाईस्कूल, ग्वालियर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। केडी अंबानी रिलायंस फाउंडेशन स्कूल, जामनगर दूसरे और ब्लू बेल्स मॉडल स्कूल, गुरुग्राम तीसरे स्थान पर रहे।इस वर्ष प्रतियोगिता हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई, जिसमें प्रारम्भिक दौर ऑनलाइन और फाइनल राउंड आईआईटी कानपुर परिसर में आयोजित हुआ। हर वर्ष मार्च माह में देशभर के विद्यालयों से सम्पर्क किया जाता है, और इच्छुक विद्यालयों को चार विद्यार्थियों की टीम के चयन में सहायता हेतु अर्थक्वेक टिप्स प्रकाशन की दस प्रतियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।इसके साथ ही एनआईसीईई द्वारा एनआईसीईई-सीएसआई छात्र वक्तृत्व प्रतियोगिताः भूकम्प सुरक्षा की वकालतङ्क का आयोजन भी किया गया, जो 2001 भुज भूकम्प की 25वीं वर्षगांठ को समर्पित था। इसमें कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया और भूकम्प से पूर्व तैयारी एवं सुरक्षा के महत्व पर तीन मिनट के वक्तृत्व प्रस्तुत किए। इन भाषणों का मूल्यांकन आईआईटी कानपुर में भूकम्प अभियंत्रण में विशेषज्ञता रखने वाले पोस्ट-डॉक्टोरल, डॉक्टोरल एवं मास्टर्स स्तर के विद्यार्थियों से गठित दस सदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा किया गया।सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और विजेताओं को नकद पुरस्कार के समन्वयक प्रो. दुर्गेश सी. राय द्वारा प्रदान किए गए।

डीएम–एसपी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

सुरक्षित व सुगम यातायात के लिए दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा की गई तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए। बैठक का मुख्य एजेंडा राजमार्गों पर अवैध रूप से निर्मित अवैध कटों को बंद कराना, राष्ट्रीय राजमार्गो पर नियमित रूप से प्रभावी पेट्रोलिंग किया जाना, राष्ट्रीय राजमार्गो पर पार्किंग व्यवस्था, सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित की गयी प्रवर्तन कार्यवाही, इन्ट्रीग्रेटेड रोड एक्सीडेन्ट डाटाबेस में विभिन्न विभागों द्वारा रोड एक्सीडेन्ट के सम्बन्ध में एन्ट्री को अद्यतन किया जाना, जनपद में स्थित विभिन्न चौराहों को यातायात की दृष्टि से सुगम व सरल बनाना, सड़कों पर विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटाना, ब्लैक स्पॉट्स के निवारण के सम्बन्ध में समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी जानकारी ली। जनपद में सुरक्षा के दृष्टिगत बिना फिटनेस के चलने वाले वाहनों पर प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मानक विहीन व पुराने हो चुके वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की जाए तथा रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे पर एंबुलेंस पेट्रोलिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। ड्रिंकिंग डाईव व ओवर स्पीड एवं बगैर नम्बरों की गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। हिट एंड रन मामलों में परिवहन विभाग को कराधान अधिनियम/नियमावली के अंतर्गत प्रतिकार कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ, पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता महिपाल सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन उमेश चंद कटियार, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, एसीएमओ डॉ0 अरविंद कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनकार्ड की बैठक सम्पन्न, प्रवर्तन अभियान जारी रखने के निर्देश

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनकार्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नशीली दवाओं, अवैध शराब निर्माण की रोकथाम के लिए अब तक हुई कार्रवाइयों की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं को जागरूक किया जाए, ताकि समाज में नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध कच्ची शराब के निर्माण करने वालों पर लगातार प्रवर्तन की कार्रवाई की जा रही है। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, एसीएमओ डॉ. अरविंद कुमार, क्षेत्राधिकारी अमित सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में जनपद रायबरेली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में महिला कल्याण विभाग से हब फॉर इंपॉवरमेंट ऑफ वूमेन की टीम द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

जिसमें जनमानस को बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होता है या 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह होता है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है यदि ऐसा आपके आसपास हो रहा है तो आप 1098 पर सूचित करें साथ ही बालिकाओं को सरकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना , मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, महिला हेल्पलाइन नंबर, वन स्टॉप सेंटर आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें ''बाल विवाह मुक्त भारत'' अभियान की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम मे हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन टीम से जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेन्डर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, एवं आम जनमानस उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 25 वर्ष की सजा

जौनपुर । यूपी के जौनपुर स्थित दीवानी न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो उमेश कुमार की अदालत ने बुधवार को मड़ियाहूं निवासी 17 वर्षीय पीड़िता से दुष्कर्म करने के आरोपित स्वर्ण सिंह यादव को 25 वर्ष कठोर कारावास एवं डेढ़ लाख रुपए अर्थ दंड से दंडित किया। अर्थदंड की समस्त धनराशि पीड़िता को देने का भी आदेश हुआ।अभियोजन कथानक के अनुसार पीड़िता के पिता ने मुकदमा पंजीकृत करवाया कि घटना के काफी समय पूर्व से आरोपित स्वर्ण सिंह यादव पीड़िता से बातचीत करता था। एक दिन वह शौच के लिए गई थी तो आरोपित ने उसके साथ दुराचार कर उसकी अश्लील वीडियो बनाया और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार दुराचार किया जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई। इसी बीच आरोपित मुंबई चला गया।

पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता को लेकर बैठक

संभल, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा क्षेत्रधिकारी डॉ प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी डाध रुकम पाल सिंह की देखरेख में गौशाला रोड पिंक चौकी चंदौसी में संपन्न हुई जिसमें पति–पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरद्वारा किया गया जहां कुल 8पत्रावली सुनकर 3 पत्रावली का निस्तारण किया गया 3 परिवार को मिलाया गया इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता संगीता भार्गव सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह रुचि सुधारानी आदि लोग उपस्थित रहे।

साप्ताहिक बंदी के दिन भी धड़ल्ले से खुलता है बाजार

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उझानी नगर क्षेत्र में श्रम विभाग की सुस्ती के कारण नगर में साप्ताहिक बंदी का ठीक ढंग से पालन नहीं हो रहा है। दुकानों पर काम कर रहे कर्म चारियों का कहना है श्रम विभाग के अधिकारी आना तो दूर झांककर भी नहीं देखते इसलिए नगर का बाजार धड़ल्ले से खुलता है। लगता है श्रम विभाग आंखों पर पट्टी बांधे हुए हैं। बाजार बंदी के आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। शहर में बुधवार को साप्ताहिक बंदी रहती है। यह बंदी इसलिए होती है ताकि दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन का पूर्ण अवकाश मिलने एवं बाजारों की नालियों एवं सड़क की सफाई ठीक ढंग हो सके। श्रम विभाग द्वारा हर जिले में अलग–अलग कस्बों में भी साप्ताहिक बंदी के दिन निर्धारित है, लेकिन विभाग की सुस्ती से शहर में कानूनों की धज्जियां उठाई जा रही है। विभाग साप्ताहिक बंदी के लिए पहल नहीं करता है। इसके कारण दुकानदार भी साप्ताहिक बंदी के दिन दुकान खोल रहे हैं।

44 वें दिन भी जारी रहा आशा कर्मियों का धरना

बदायूं, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आशा कर्मियों की हड़ताल का 44वां दिन पूरा हो गया, लेकिन सरकार ने अब तक वार्ता आगे बढ़ाने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। मालवीय मैदान में चल रहे धरने के दौरान खून से पत्र लिखने का निर्णय ऐक्टू प्रदेश अध्यक्ष विजय विद्रोही के आग्रह पर टाल दिया गया।जिलाध्यक्ष जॉली वैश्य ने खून से लिखा मांग पत्र तैयार किया, जिसे 29 जनवरी को जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। आशा कर्मियों ने 30 जनवरी को मुख्यालयों पर प्रदर्शन और 9 फरवरी को लखनऊ कूच कर घेरा डालो आंदोलन का ऐलान किया है।

बदायूं में रातभर हुई बारिश, ठंड बढ़ी

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बदायूं में रातभर रुक– रुक कर बारिश होने से तापमान गिर गया है और ठंड बढ़ गई है। आसमान में घने बादल छाए हुए हैं, जिससे मौसम बेहद सुहावना होने के साथ–साथ शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या भी बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो–तीन दिन तक बारिश की संभावना बनी हुई है। यह बारिश किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है, लेकिन आलू और सरसों की फसल को नुकसान होने का खतरा है।

शिव देवी सरस्वती शिशु मंदिर में धूमधाम मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस समारोह

बदायूं, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शिव देवी सरस्वती शिशु मंदिर, सिविल लाइन्स में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय अध्यक्ष अमृतपाल सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया। ध्वजारोहण के तुरंत बाद सामूहिक राष्ट्रगान और ्भारत माता की जयङ्क तथा्गणतंत्र दिवस अमर रहेङ्क जैसे नारों से परिसर गुंजायमान हो उठा।विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, भाषण और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में माँ सरस्वती की वंदना की गई और अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। मुख्य वक्ता निरंजन सिंह ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय संरक्षक मदनलाल राजपूत ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वाध्याय और संस्कार पर ध्यान देने की सलाह दी। अध्यक्ष अमृतपाल सिंह ने बच्चों को मेहनत और देशभक्ति के संदेश दिए। अंत में प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ आचार्य कौशल किशोर पाठक ने किया। इस अवसर पर सभी स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

बीएचयू का अंतर–संकाय युवा महोत्सव 'स्पंदन' 21 फरवरी से– प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन

वाराणसी, कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में अंतर संकाय युवा सांस्कृतिक महोत्सव स्पंदन का आयोजन 21 से 25 फरवरी के बीच किया गया है। महोत्सव में विभिन्न संस्थानों, संकायों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी विविध सांस्कृतिक गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता करते हैं। इनमें रंगोली, संस्कृत भाषण, कविता लेखन, मेहंदी, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, संगीत, साहित्य एवं नाटक एवं अन्य प्रतियोगिताएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। यह जानकारी बुधवार को विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी।बताया गया कि महोत्सव के आयोजन से पूर्व विभिन्न विभागों, संकायों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। संकाय स्तर पर विजेता विद्यार्थी स्पंदन में प्रतिभागिता करते हैं।

रायबरेली रोड बायपास पर जानलेवा बना बिजली का खंभा

❒ शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही सुनवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जनपद के बछरावां क्षेत्र अंतर्गत रायबरेली रोड बायपास से शिवगढ़ रोड को जोड़ने वाले मार्ग पर सड़क के बीचो-बीच लगा बिजली का खंभा राहगीरों के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। व्यस्त सड़क पर खंभा होने के कारण आए दिन हादसे की आशंका बनी रहती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मौन बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस खंभे को लेकर कई बार बिजली विभाग और संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, बावजूद इसके न तो खंभा हटाया गया और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। रात के समय अंधेरे में यह खंभा साफ दिखाई नहीं देता, जिससे दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों के लिए जान का जोखिम बढ़ जाता है।ग्रामीणों और राहगीरों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही के चलते कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यदि समय रहते इस खंभे को सड़क से हटाकर किनारे नहीं किया गया, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी–यह बड़ा सवाल है। अब देखना यह होगा कि खबर सामने आने के बाद प्रशासन और बिजली विभाग कब तक जागता है या फिर किसी दुर्घटना के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

दो फरवरी तक दर्ज कराए जा सकेंगे बयान व साक्ष्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। उझानी कोतवाली के ग्राम कुढ़ा नरसिंहपुर स्थित मैंथा फैक्टरी भारत मिंट एंड एप्लायड केमिकल्स में 12 जनवरी को हुई तीन सुरक्षा गार्डों की मौत के मामले में जांच तेज हो गई है। डीएम के निर्देश पर गठित टीम ने लोगों के बयान दर्ज कराने का काम शुरू कर दिया है।

एडीएम (एफआर) वैभव शर्मा ने बताया कि इस घटना में अंगीठी जलाकर कमरे का दरवाजा व खिड़की बंद कर सो जाने के कारण दम घुटने से जोगेन्द्र पुत्र रामबहादुर निवासी ग्राम बसावनपुर तहसील बिल्सी, विवेक पुत्र रजिस्टर निवासी ग्राम पसेई और भानु पुत्र श्रीपाल निवासी ग्राम मुरसेना तहसील दातागंज की मृत्यु हो गई थी। इस संबंध में पूर्व में 19 से 24 जनवरी तक उपजिलाधिकारी सदर के कार्यालय में उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने के लिए सूचित किया गया था। अपर जिलाधिकारी ने सर्वसाधारण को पुनः सूचित करते हुए कहा है कि यदि कोई व्यक्ति इस घटना से संबंधित कोई जानकारी रखता हो अथवा साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता हो तो वह 02 फरवरी 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में उपजिलाधिकारी सदर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के कार्यालय में उपस्थित होकर अपने सशपथ बयान अंकित करा सकता है। उन्होंने अपील की कि घटना से संबंधित तथ्य रखने वाले लोग समय रहते प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि जांच निष्पक्ष एवं तथ्यों के आधार पर पूर्ण की जा सके।

क्रेडिट लोन वसूली में उत्पीड़न से युवा परेशान सपा करेगी आकलन : हाजी फ़ज़ल महमूद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर । बैंकों द्वारा युवाओं को क्रेडिट लोन दिया जा रहा है और जब वसूली की बात आती है तो नियमों का पूर्णतया पालन नहीं किया जाता। ऐसे में युवा उत्पीड़न से परेशान हो रहे हैं और स्रोत के अनुसार अब तक देशभर में छह हजार से अधिक युवा आत्महत्या कर चुके हैं।

ऐसे में समाजवादी पार्टी ने इस मामले को गम्भीरता से लिया है और इसके लिये सपा पीडीए कानपुर जनपद का पूरा आकलन कराकर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को रिपोर्ट सौंपेगी। साथ ही आन्दोलनात्मक कदम यूपी बोर्ड परीक्षा के बाद तय किये जायेंगे। यह बातें बुधवार को सपा नगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने कही।समाजवादी पार्टी महानगर के गोविन्दनगर, आर्यनगर, सीसामऊ, किदवईनगर, कैंट विधानसभा क्षेत्र के पीडीए थिंक-थैंक के प्रमुखों की बैठक सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद की अध्यक्षता में आज नवीन मार्केट स्थित सपा मुख्यालय में एक बैठक का आयोजन हुआ। ?नगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि सपा पीडीए का बढ़ता प्रभाव देखकर भाजपा मंत्री समाजवाद का पाठ पढ़ाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं जिसका जवाब 2027 में जनता सपा पीडीए सरकार बनाकर दे देगी।?अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि भाजपा सरकार की जन विरोधी व बेरोजगारी, तथा उदारीकरण का बढ़ावा देकर देश के छोटे उद्योगों को बर्बाद करने की नीतियों को उजागर करने के लिए आज छात्रों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन छात्रों की टोलियां प्रत्येक पीडीए परिवार तक अपनी पहुंच बनाएंगी और युवा पीढ़ी में जिस तरह आक्रोश है उसको भी साझा करेंगी। आगे कहा कि सपा पीडीए अब लघु उद्योगों तथा कामगारों के हाथ से निर्मित वस्तुओं को अपनाने तथा विदेशी सामानों का विरोध किया जायेगा।

दक्षिणमूखी हनुमान मंदिर में विशाल भंडारा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं । दक्षिणमूखी हनुमान मंदिर में बुधवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें शहर व आसपास के ग्रामीण इलाकों के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भंडारा सुबह से शुरू हुआ और पूरे दिन तक चला। मंदिर प्रबंध समिति ने सभी भक्तों को भोजन और प्रसाद वितरित किया।

आयोजन में स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई, जिससे भोजन वितरण सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। भंडारे के दौरान भक्तों ने मंदिर परिसर में आस्था और भक्ति के गीत गाए और हनुमान चालीसा का पाठ किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल सामाजिक सौहार्द बढ़ाते हैं बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को भी जागृत करते हैं। मंदिर अध्यक्ष ने बताया कि यह भंडारा हर वर्ष आयोजित किया जाता है और इसका उद्देश्य सभी श्रद्धालुओं को समान रूप से भोजन और प्रसाद उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर मंदिर के महंत राजेश कुमार के साथ प्रबंध समिति के अध्यक्ष मिलन के साथ सम्पूर्ण मंदिर कमेटी के सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

वाराणसी में साढ़े आठ करोड़ से संवरेगा शहीद उद्यान, बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगर निगम ने शहर के पार्कों को नया स्वरूप देने और उनके सुंदरीकरण की दिशा में तेजी से कार्य शुरू किया है। इसी क्रम में सिगरा स्थित शहीद उद्यान के कायाकल्प का कार्य भी जारी है। करीब साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से इस पार्क को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, जिसमें डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल लाइब्रेरी भी शामिल है ।?नगर आयुक्त हिंमाशु नागपाल ने बुधवार को शहीद उद्यान का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि सौंदर्यीकरण का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द एक बेहतरीन और सुंदर पार्क की सौगात मिल सके। नगर आयुक्त के अनुसार शहीद उद्यान में बच्चों के मनोरंजन के लिए अत्याधुनिक झूले, आकर्षक फव्वारे और मॉर्निंग वॉक करने वालों के लिए पाथवे का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा पूरे पार्क में आधुनिक लाइटिंग और बैठने की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल लाइब्रेरी बनने से छात्रों और ज्ञान प्रेमियों को भी पार्क परिसर में एक शांत और हाईटेक वातावरण प्राप्त होगा।

शादी कराने के नाम पर 40 हजार ठगे, रिपोर्ट दर्ज

बदायूं । शादी कराने के नाम पर मैरिज ब्यूरो के संचालकों ने 40 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़िता ने कोर्ट के आदेश पर दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। आरोपी मैरिज ब्यूरो के संचालक बरेली के हैं। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शहवाजपुर निवासी अजय कांत सक्सेना ने बताया कि उसने अपनी शादी के लिए गौरी वर-वधू मैरिज ब्यूरो बरेली की प्रबंधक गौरी को आवेदन भेजा था। तब उसने अपनी असिस्टेंट रिद्धिमा सक्सेना से बात करने की बात कही। उससे बात की तो रिद्धिमा सक्सेना ने शादी कराने का आश्वासन देकर आधार कार्ड व फोटो देने को कहा। इसके बाद फाइल तैयार करने के नाम पर पांच हजार रुपये भी ले लिए।

गुमशुदगी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला गांधीनगर थाना कोतवाली बदायूं निवासी श्रीमती मीना उम्र करीब 27 वर्ष पत्नी रवि कुमार दिनांक 22/1/2026 शाम 6:30 बजे से घर से लापता है। जिसकी गुमशुदगी थाना कोतवाली बदायूं में 23/2025 दिनांक 27/12/2025 दर्ज है। इसके संबंध में जिस किसी को कोई जानकारी मिले तो थाना प्रभारी कोतवाली मो0 नं0- 9454402942 व उपनिरीक्षक आलोक कुमार मो0 नं0- 94 128 26890 तथा शिकायतकर्ता श्री कैलाश चंद मो0 नं0- 9012510260 पर सूचित करें।

जांचकर्ता आलोक कुमार उपनिरीक्षक थाना कोतवाली बदायूँ मो0 नं0 - 9412826 890

यूजीसी बिल को लेकर में सवर्ण आर्मी ने किया विरोध प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में सवर्ण आर्मी के हजारों सदस्यों ने यूजीसी बिल के विरोध में प्रदर्शन किया।प्रदर्श नकारी अंबेडकर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक मार्च करते हुए पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'मोदी - योगी तेरी कब्र खुदेगी' जैसे नारे लगाए। कलेक्ट्रेट पहुंचकर उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया है। प्रदर्शनकारी सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देने के बजाय जिलाधिकारी को ज्ञाप न सौंपने पर अड़े रहे।अंततः, जिलाधिकारी प्रि यंका निरंजन ने सवर्ण आर्मी के प्रतिनिधियों से ज्ञापन स्वीकार किया।विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पांडेय ने यूजी सी बिल पर अपनी आपत्ति व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस बिल के अनुसार,यदि अनुसूचि त जाति या पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ कोई भेदभाव होता है, तो उसके लिए सामान्य जाति का व्यक्ति जिम्मेदार होगा।सर्वेश पांडेय ने इस प्रावधान को सामान्य जाति के व्यक्ति को 'गुंडा और मावली' बताने जैसा करार दिया। उन्होंने बिल को वापस लेने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। शंकराचार्य विवाद पर टिप्पणी करते हुए सर्वेश पांडेय ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बता या,उन्होंने कहा कि पहले धर्म दंड होता था, ले किन अब राजतंत्र धर्म दंड पर हावी है। उन्होंने शंकराचार्य को हिंदू धर्म का प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि यह घटना गलत हुई है। वही इस विरोध प्रदर्शन के दौरान परी नाम की एक लड़ की ने बात करते हुए कहा कि जिस तरीके से हम लोग सत्ता में बैठना जानते हैं। उसी तरीके से हम लोग सप्ताह से बेदखल करना जानते हैं एक तरीके से आप कैंपस के अंदर भेदभाव फै लाना चाह रहे हैं इसीलिए बिल्कुल लाया गया हम लोग चाहते हैं कि इस बिल को तत्काल वा पस लिया जाए।

ट्रिपल आईटी के साथ 14 स्टार्ट अप कम्पनी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद (ट्रिपल आईटी) के इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन फाउंडेशन ने बुधवार को संस्थान परिसर में 14 स्टार्टअप कम्पनियों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य नवाचार, उद्यमिता, अनुसंधान के व्यवसायीकरण तथा उद्योग-शिक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना है। इन समझौता ज्ञापनों के तहत तकनीकी विकास, उत्पाद नवाचार, स्टार्टअप इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप, कौशल विकास, इंटर्नशिप, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं तथा अनुसंधान परिणामों के व्यावसायीकरण जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग किया जाएगा। यह पहल संस्थान की नवाचार-आधारित स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने और युवा उद्यमियों को समर्थन देने की परिकल्पना के अनुरूप है।

इस अवसर पर ट्रिपल आईटी इलाहाबाद के निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावने ने कहा कि इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन फाउंडेशन शैक्षणिक अनुसंधान को व्यावहारिक उत्पादों और सफल स्टार्टअप्स में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नए समझौते स्टार्टअप्स को ट्रिपल आईटी इलाहाबाद की तकनीकी विशेषज्ञता, अनुसंधान अवसंरचना, फैकल्टी मेंटरशिप और छात्र प्रतिभा तक पहुंच प्रदान करेंगे, वहीं संस्थान को वास्तविक उद्योग चुनौतियों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। निदेशक ने बताया कि इस सहयोग में शामिल स्टार्टअप्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर विकास, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, हेल्थ-टेक, फिन-टेक, एड-टेक तथा स्मार्ट सॉल्यूशंस जैसे विविध क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस साझेदारी के माध्यम से स्टार्टअप्स को उत्पाद सत्यापन, पायलट परियोजनाओं और नवाचारों के विस्तार में सहयोग मिलेगा। इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन फाउंडेशन से जुड़े डीन प्रो. सतीश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के सहयोग एक सशक्त उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और रोजगार सृजन के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि ये समझौता पत्र छात्र उद्यमिता, लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और स्टार्टअप संस्कृति से परिचय को भी प्रोत्साहित करेंगे, जिससे व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में डीन (मानव संसाधन) प्रो. अखिलेश कुमार तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि प्रो. प्रमोद कुमार, प्रभारी, ने इन्क्यूबेशन सेंटर की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में संस्थान के नेतृत्व, फैकल्टी सदस्यों, इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों तथा सहभागी स्टार्टअप्स के संस्थापकों की उपस्थिति रही। इन एमओयू पर हस्ताक्षर ट्रिपल आईटी इलाहाबाद द्वारा नवाचार-आधारित विकास को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय स्टार्टअप मिशन में योगदान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ट्रिपल आईटी के पीआरओ डॉ. पंकज मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर एनकोड सूत्रम, त्रिशूलोपल्शन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, सर्न प्रोस्थेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, वॉट टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड, पेपरक्लिप इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, इकोबोर्ड टेक, 3पी लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, टेकॉरा लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, क्योरलेक्स हेल्थटेक प्राइवेट लिमिटेड, नेक्सापफ्यूज़न टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, कॉग्नीईज़ टेक्नो लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, स्टॉर्नुएज लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, स्टोड्स एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, नरेंद्रपुर एग्रो प्राइवेट लिमिटेड तथा ज़ॉनट्रेक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियों के साथ समझौते किए गए।

माह फरवरी से जनपद में चलेगा 100 दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जनभागीदारी से टीबी उन्मूलन को मिलेगी रफ्तारः सीएमओ

बहराइच । जनपद में क्षय रोग उन्मूलन को नई गति देने के लिए फरवरी से 100 दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत टीबी रोगियों की समय पर पहचान, उपचार और मृत्यु दर में कमी पर विशेष फोकस रहेगा। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने दी। सीएमओ ने बताया कि वर्ष 2015 की तुलना में प्रदेश में टीबी की घटनाओं और मृत्यु दर में लगभग 17-17 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान को पंचायत, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, नगर विकास सहित अन्य विभागों और समाज के सहयोग से और मजबूत किया जाएगा।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एम.एल. वर्मा ने बताया कि जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 तक जिले में करीब 6.72 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान 97.6 हजार एक्स-रे, 56.6 हजार से अधिक सैंपल ट्रूनैट से और 1.32 लाख जांचें माइक्रोस्कोप से की गईं। इसके परिणामस्वरूप लक्ष्य 9,966 के सापेक्ष 10.3 हजार से अधिक टीबी मामलों का नोटिफिकेशन हुआ, जिससे समय पर इलाज और संक्रमण रोकने में मदद मिली।

उन्होंने बताया कि इन्हीं अनुभवों के आधार पर इस 100 दिवसीय अभियान को और सघन बनाया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सीएचसी-पीएचसी व जिला अस्पतालों पर तेज स्क्रीनिंग होगी। कुपोषित, बुजुर्ग, मधुमेह रोगी, धूम्रपान करने वाले, मलिन बस्तियों और निर्माण श्रमिकों की विशेष जांच की जाएगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच बनाई जाएगी। टीबी जांच के लिए सैंपल ट्रांसपोर्ट, एक्स-रे, नेट मशीन और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। गंभीर रोगियों को भर्ती कर इलाज तथा 108 एम्बुलेंस से रेफरल की सुविधा दी जाएगी। सभी मामलों की रिपोर्टिंग निक्षय पोर्टल पर की जाएगी। डीएचईआईओ बृजेश सिंह ने बताया कि अभियान में सांसदों, विधायकों, प्रधानों और पार्षदों को जोड़कर जनभागीदारी बढ़ाई जाएगी। ग्राम सभाओं को स्क्रीनिंग प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा और स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया अभियान के तहत निक्षय मित्र के रूप में सामाजिक संस्थाओं व जनप्रतिनिधियों को जोड़कर रोगियों को पोषण सहायता दी जाएगी। सीएमओ ने अपील की है कि दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन घटना, रात में पसीना या सांस लेने में दिक्कत हो तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर पहचान और पूरा इलाज ही टीबी से मुक्ति का रास्ता है।

साइबर अपराधियों ने तीन लोगों को बनाया शिकार, एक करोड़ 22 लाख की ठगी

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाले तीन लोगों को साइबर अपराधियों ने अपना शिकार बनाया। अपराधियों ने शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के नाम पर दो लोगों से एक करोड़ 20 लाख रुपए की ठगी कर ली, जबकि एक व्यक्ति से साइबर अपराधियों ने ई- चालान के नाम पर एक लाख 19 हजार रुपए ठग लिया।

पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बुधवार को बताया कि सेक्टर 14 में रहने वाले योगेंद्र गहतोहरी 67 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति हैं। उन्होंने बीती रात को साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुछ दिन पूर्व उनके पास एक व्यक्ति का मैसेज आया। उसमें उनसे शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के लिए कहा गया था। मैसेज में दिए गए नंबर पर जब उन्होंने संपर्क किया तो उनसे आरोपित ने कहा कि अगर वह शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करते हैं तो उन्हें मोटा मुनाफा होगा। पीड़ित के अनुसार आरोपितों ने अपने जाल में फंसाकर उनसे एक ऐप डाउनलोड करवाया तथा शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करवाना शुरू कर दिया। शुरुआती दौर में उन्हें कुछ फायदा हुआ। धीरे-धीरे आरोपियों ने उनसे अपने विभिन्न खातों में 82 लाख 52 हज़ार 927 रुपये इन्वेस्ट करवा लिया। ऐप पर उन्हें अपनी रकम काफी बढ़ी हुई दिखाई दे रही थी। जब उन्होंने रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने टैक्स आदि के नाम पर उनसे लाखों रुपए की मांग की। तब उन्हें साइबर ठगी का एहसास हुआ। अपर उपायुक्त ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में सेक्टर 49 में रहने वाले जोधा भट्टाचार्य ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस मामले में भी साइबर अपराधियों उपरोक्त तरीका अपनाते हुए अपने विभिन्न खातों में 35 लाख 37 हजार रुपये डलवा लिये। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी तरह एक अन्य मामले में एक व्यक्ति ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 15 -ए में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार साइबर अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन पर एक मैसेज भेजा तथा कहा कि उनके वाहन का ई- चालान हुआ है। उन्होंने उनकी बात पर विश्वास कर लिया, तथा मैसेज में दिए गए लिंक के माध्यम से उन्होंने एप खोला तो उनके वाहन का चालान उस पर दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कहा। जैसे ही उन्होंने अपने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पेमेंट किया साइबर अपराधियों ने उनके खाते से एक लाख 19 हजार 417 रुपए निकाल लिये। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार रोडवेज बस ने छात्र को रौंदा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । लखनऊ हाईवे मार्ग पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है बाल पुर जाट बाजार के पास एक तेज रफ़्तार रोडवेज बस की टक्कर से पंद्रह वर्षीय छात्र फैजान की मौ के पर ही मौत हो गई।हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मृतक फैजान बालपुर जाट ग्राम पंचायत के केशव जोत गांव का नि वासी था और कक्षा आठ का छात्र था।परिजनों के अनुसार,वह बालपुर बाजार से कॉपी खरीद कर पैदल अपने घर लौट रहा था,तभी एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी।बस के पहिए के नीचे आने से फैजान की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही देहा त कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने रोडवेज बस को कब्जे में लेकर चालक को हि रासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।फैजान के पिता मोहम्मद इश्तिहार ने देहात कोतवाली में बस चालक के खिलाफ तहरीर दी,जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि बस के पहिए के नीचे आने से शव को गंभी र क्षति पहुंची है,पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

ब्रह्मा जी ने तीर्थराज प्रयाग को सब तीर्थो का राजा बनाया : पायल सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हिन्दुस्तानी एकेडेमी के तत्वावधान में बुधवार को एकेडेमी सभागार में दो सत्रों में विषय 'तीर्थराज प्रयाग का पौराणिक महत्व : सृष्टि रचना से लेकर आधुनिक काल तक' राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में एकेडेमी की कोषाध्यक्ष पायल सिंह ने कहा कि 'वेदों की स्थापना के बाद ब्रह्मा जी ने यहीं पहला यज्ञ किया, इसलिए प्रयाग नाम पड़ा। सृष्टि का सृजन करने से पहले भी ब्रह्मा जी ने अपना पहला यज्ञ यहीं किया था। ब्रह्मा जी ने अपनी दिव्य दृष्टि से अन्य तीर्थों के साथ प्रयागराज तीर्थ की तुलना की और उसका महत्व आंका। जिसमें उन्होंने पाया कि अन्य तीर्थों के मुकाबले प्रयागराज तीर्थ अधिक भारी है। तब ब्रह्मा जी ने प्रयाग को ही सब तीर्थों का राजा बना दिया। उसी दिन से सब तीर्थ इनके अधीन रहने लगे और तीर्थराज प्रयाग कहने लगे।'

प्रो. विवेकानंद तिवारी, अध्यक्ष अम्बेडकर पीठ, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला ने कहा कि 'प्रयाग का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। यह तीर्थ बहुत प्राचीन काल से प्रसिद्ध है और संगम के जल से प्राचीन काल में राजाओं का अभिषेक होता था। इस बात का उल्लेख वाल्मीकि रामायण में है। वन जाते समय श्रीराम प्रयाग में भारद्वाज ऋषि के आश्रम पर होते हुए गए थे। सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक पुराण मत्स्य पुराण के 102 अध्याय से लेकर 107 अध्याय तक में इस तीर्थ के महात्म्य का वर्णन है। उसमें लिखा है कि प्रयाग प्रजापति का क्षेत्र है जहां गंगा और यमुना बहती हैं। माघ महीने में यहां सब तीर्थ आकर वास करते हैं। इसलिए इसे तीर्थराज भी कहते है।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ. उदय प्रताप सिंह, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दुस्तानी एकेडेमी ने कहा कि 'पुराण भारतीय लोकजीवन की धड़कन है। विज्ञान के लाख विकास के बाद भी यहां का जनजीवन पुराणों में फैली धारणाओं से संचालित होता है। पुराणों में लिखा है कि यहां के कुंभ में स्नान करने से हजार अश्वमेघ यज्ञ का फल मिलता है। जनता के मन में यह विश्वास अडिग है। संसार का सबसे बड़ा आश्चर्य है कि यह जानते हुए भी कि मरना निश्चित है, कोई भी इसके लिए तैयार नहीं है। अतः देवासुर संग्राम में जयंत द्वारा अमृत कलश लेकर भागना, उसकी कुछ बुंदों का प्रयाग की धरती पर गिरना और उसे प्राप्त कर अमर हो जाने वाला विश्वास ही यहां खींच लाता है। उज्जैन, हरिद्वार और नासिक के कुंभ भी इसी विश्वास से जुड़े हैं।

'सरस्वती' पत्रिका के संपादक डॉ. अनुपम परिहार ने कहा कि 'तीर्थराज प्रयाग केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं, संस्कृतियों और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत केंद्र है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम जिस प्रकार नदियों को एक करता है, उसी प्रकार प्रयाग भारतीय जीवन-दृष्टि को एक सूत्र में बांधता है।'

हेमवंती नन्दन बहुगुणा राजकीय डिग्री कॉलेज के प्रो. जयराम त्रिपाठी ने कहा कि 'गंगा के उद्गम से प्रारम्भ शब्द प्रयाग-पंच प्रयाग को पूर्णता प्राप्त होती है। सम्राट हर्षवर्धन के प्रयाग आने और पावन अवसर पर अपना सर्वस्व दान करने का वर्णन इतिहास में है।'

महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना के प्रो. ललित कुमार सिंह ने कहा कि 'कुंभ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या मेला नहीं है, भारतीय सभ्यता और संस्कृति का उदाहरण है। दुनिया की सभ्यताएं नदियों के किनारे ही विकसित हुई किंतु हमारे देश में सभ्यताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के केंद्र में हमारे पवित्र नदियां ही हैं।'

संचालन करते हुए डॉ. विनम्रसेन सिंह, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि 'तीर्थराज प्रयाग भारतीय संस्कृति का वह दिव्य केंद्र है, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का पावन संगम होता है। पुराणों में इसे सृष्टि का आदि-तीर्थ कहा गया है, जहां स्वयं ब्रह्मा ने प्रथम यज्ञ सम्पन्न किया। यह स्थान तप, त्याग और मोक्ष की साधना का प्रतीक माना गया है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मचांसीन अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान एकेडेमी के सचिव डॉ. अजीत कुमार सिंह ने किया। सत्र की अध्यक्षता कर रहीं प्रो. अचला पाण्डेय, हिन्दी विभाग, बुन्देलखंड विश्वविद्यालय, झांसी ने कहा कि ऋग्वेद और यजुर्वेद में प्रयाग को तपोभूमि और यज्ञ भूमि कहा गया है। ब्रह्मा जी द्वारा प्रथम यज्ञ इसी पुण्य भूमि पर किया गया जिसके कारण इसका नाम प्रयाग हुआ। ब्रह्म पुराण, स्कंद पुराण, मत्स्य पुराण,पद्म पुराण, रामायण, तथा महाभारत सभी ग्रंथों में प्रयागराज का उल्लेख है।'

बालक बालिका अनुसूचित जाति छात्रावासों में समारोहपूर्वक मनाया गया गणतन्त्र दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद में संचालित राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास गेंदघर परिसर, राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास महिला महाविद्यालय परिसर, राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास महाराज सिंह इण्टर कालेज परिसर एवं राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास बालक रूपईडीहा में 77वां गणतन्त्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

जनपद के समस्त बालक बालिका राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बालक में गणतन्त्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा ध्वाजारोहण कर छात्र छात्राओं को गणतंत्र दिवस के वचनों द्वारा उत्साहवर्धन किया गया व भारतीय संविधान के रचना में अमूल्य योगदान देने वाले ज्ञात-अज्ञात सेनानियों एवं महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। वक्तागण द्वारा आवासित छात्र-छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से समाज में ऊंचा से ऊंचा मुकाम हासलि करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्तागण द्वारा रविवार को किये जा रहे श्रमदान की महत्ता पर भी प्रकाश डाला गया।

यह जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास महिला महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सहायक प्रबन्धक, समाज कल्याण विकास देवव्रत शर्मा, छात्रावास के कर्मचारी तथा आवासित छात्राएं मौजूद रहीं। राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास रूपईडीहा में मुख्य अतिथि विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षक किशन लाल, छात्रावास के कर्मचारी व आवासित छात्र मौजूद रहे। राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास गेंदघर परिसर में मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद बहराइच की अध्यक्ष श्रीमती सुधा टेकड़ीवाल की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण कल्याण अधिकारी सुश्री श्रद्धा पाण्डेय, छात्रावास अधीक्षक श्रीमती शशि वर्मा तथा छात्राएं मौजूद रहीं। जबकि राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास महाराज सिंह इण्टर कालेज परिसर में मुख्य अतिथि सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख शिवम जायसवाल की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सहायक प्रबन्धक, समाज कल्याण विकास देवव्रत शर्मा, छात्रावास के कर्मचारी तथा आवासित छात्र मौजूद रहे।

अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज कबड्डी पुरूष प्रतियोगिता के लिए प्रदेश की टीम चयनित

बहराइच । वर्ष 2025-26 अन्तर्गत 09 से 14 फरवरी 2026 तक कबड्डी ग्राउण्ड स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स, सेक्टर-42, चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज कबड्डी पुरूष प्रतियोगिता के लिए 16 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। यह जानकारी देते हुए निदेशक खेल/उप मुख्य कल्याण अधिकारी डॉ. आर.पी. सिंह ने बताया कि प्रदेश की पुरूष कबड्डी टीम में 14 खिलाड़ी के साथ-साथ 01 टीम मैनेजर व 01 टीम प्रशिक्षक का चयन किया गया है।

जल सहेली यमुना यात्रा से पहले नगर में निकाली गई जागरुकता रैली

उरई । यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त करने तथा उसके प्राकृतिक स्वरूप की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर जल सहेली फाउंडेशन ने बुधवार को नगर में जन जागरूकता रैली निकाली। यमुना की अविरल धारा के लिए बुंदेलखंड की जल सहेलियां 29 जनवरी से दिल्ली तक पदयात्रा करेंगी। परमार्थ समाजसेवी संस्था के डायरेक्टर डॉ. संजय सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में यमुना नदी का प्राकृतिक स्वरूप खोजा जा रहा है। यमुना के संरक्षण, स्वच्छता एवं पुनर्जीवन के लिए जन-जागरूकता के लिए नगर में रैली निकाली गई है। उन्होंने बताया कि जिले के जगम्मनपुर से दिल्ली तक की पदयात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि समाज को यमुना से जोड़ने और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जागृत करने का व्यापक अभियान है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य यमुना के संरक्षण, स्वच्छता एवं पुनर्जीवन के लिए जन-जागरूकता बढ़ाना तथा जन-भागीदारी को सशक्त करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए यमुना सदैव स्वच्छ और निर्मल बनी रहे। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान यमुना तटों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा। विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा और नदी चौपालों का आयोजन कर स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया जाएगा। डॉ. सिंह ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत यमुना किनारे बसे गांवों के लोग संरक्षण से जुड़े अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा करेंगे।

पीसीएस परीक्षा : जनपद की बेटी ने लहराया परचम, साबित कर दिया पंखों से नहीं हौसलों से उड़ान होती है, परिवार सहित गांव में जश्न का माहौल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पंखों से नहीं हौसलों से उड़ान होती है, सपने उन्ही के साकार होते हैं। जिनके सपनों में जान होती है।

अधिवक्ता की बहन ने पीसीएस में चयन होकर गांव का ही नहीं बल्कि पूरे जनपद पीलीभीत किया नाम रोशन

पीलीभीत।पंखों से नहीं हौसलों से उड़ान होती है, सपने उन्ही के साकार होते हैं। जिनके सपनों में जान होती है।यह कहावत जिले की कलीनगर तहसील क्षेत्र के गांव माधोटाडा की रहने वाली लुबना ने कर दिखाए हैं। पीसीएस लोअर परीक्षा में चयनित होकर जिले तहसील गांव के साथ-साथ अपने माता पिता व गुरुजनों का नाम रोशन किया।जिले की कलीनगर तहसील क्षेत्र में स्थित गांव माधोटाडा की रहने वाली लुबना ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में स्थित बाल विद्या मंदिर से ग्रहण की उसके बाद हाईस्कूल पूरनपुर में स्थित पंचम दास इंटर कॉलेज व इंटरमीडिएट की परीक्षा पीआईसी से करने के बाद बाद रोहिलखंड विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए गांव को छोड़कर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय से एमबीए किया है।एमबीए करने के बाद प्लेसमेंट के आधार पर नोएडा में जॉब मिली लेकिन उसको छोड़ दिया क्योंकि लुबना के मन में प्रशासनिक परीक्षा पास कर प्रदेश और देश की सेवा करने का जज्बा था।इस जज्बे को पूरा करने के लिए लुबना दिन-रात कड़ी मेहनत करने लगी उनकी इस मेहनत में ग्रहणी उनकी मां और बहन शिक्षिका एवं अधिवक्ता भाई भी सहयोग करने लगे। घर पर रहकर अपने कार्य निपटा कर लगातार प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारी में जुट जाया करती थी। लगातार परीक्षाओं की तैयारी करना उन परीक्षाओ में कैसे सफलता प्राप्त करनी है। इस बारे में ही सोचती रहती थी। और उनको अमली जामा पहनाने का कार्य करती रहती थी।अपनी मेहनत लगन के बल पर लुबना ने पीसीएस लोअर परीक्षा पास की है। पीसीएस लोअर परीक्षा में अपना परचम लहराने के कारण ही इनका चयन लेखा परीक्षक अधिकारी के पद पर हुआ है।जिससे पूरे गांव सहित रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है। बेटी की सफलता को लेकर परिवार सहित रिश्तेदार व मित्र खुशी का इजहार कर रहे हैं। उनके बड़े भाई अधिवक्ता महबूब ने बताया कि लुबना के चयन होने पर परिवार ही नहीं रिश्तेदारों में भी खुशी का माहौल है। जनपद की प्रतिभावान बेटी का पीसीएस में चयन होने के बाद सभी लोग घर आकर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई दे रहे हैं।

क्षत्रिय करणी सेना में पीलीभीत से ठाकुर रविन्द्र सिंह को जिलाध्यक्ष के पद की मिली जिम्मेदारी

पीलीभीत।क्षत्रिय करणी सेना में पीलीभीत की नई कार्यकारणी का गठन हुआ जिसमें पीलीभीत जिलाध्यक्ष के पद पर ठाकुर रविन्द्र सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई क्षत्रिय करणी सेना के पदाधिकारियों ने ठाकुर रविन्द्र सिंह ने बताया इस नवीन जिम्मेदारी को पूरी कोशिश करूंगा कि में इस जिम्मेदारी पर खरा उतर सकू और अपने क्षत्रिय करणी सेना परिवार का हर कदम पर उनका साथ देने का वचन देता हूं द्य सुख हों या दुःख में हर समय उनके कंधे से कन्धा मिलाकर चलेंगे क्षत्रिय करणी सेना के जिला अध्यक्ष ठाकुर रविन्द्र सिंह ने अपनी टीम का विस्तार करने के लिए एस पी सिंह चौहान को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपते हुए ठाकुर अमित सिंह को जिला महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी और बताया आप लोगों को ये जिम्मेदारी बहुत सोच समझ कर दी गई है और आप लोग संगठन के हित में काम करते रहें हैं और करते रहेंगे संगठन को मजबूती देने के लिए जिला उपाअध्यक्ष एस पी सिंह चौहान ने नियुक्तियां शुरु कर दी है संगठन विस्तार के लिए सनातन प्रकोष्ठ से भी जिला अध्यक्ष की जल्द ही नियुक्ति की जायेगी।

यूजीसी कानून वापसी के लिये प्रेस क्लब ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । बीते दिनों लागू हुये यूजीसी रेगुलेशन्स को वापस लेने के लिये प्रेस क्लब अमेठी के पदाधिकारियों ने बुधवार को राष्ट्रपति के नाम सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी संजय चौहान को सौंपकर कानून वापसी की मांग किया।यूजीसी कानून को काला कानून मानते हुये पूरे देश में आक्रोश है। जगह जगह लोग इस कानून की वापसी के लिये विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।उच्च शिक्षा में इस कानून के लागू होने से वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिये भी भेदभाव वाला बताया गया है।प्रेस क्लब अमेठी के अध्यक्ष शीतला प्रसाद मिश्र ने बताया कि समानता, समावेशन और भेदभाव मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा वर्ष 2026 में जारी किया गया यूजीसी रेगुलेशन 2026 नया कानून पूर्णतया एक पक्षीय रुप से कुछ वर्ग विशेष के छात्रों को लाभान्वित करने के साथ ही शिक्षण संस्थाओं में असमानता, भेदभाव, असुरक्षा और असन्तोष का वातावरण पैदा करने वाला है। इसको लेकर शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ घोर अन्याय होने की प्रबल सम्भावनाएं परिलक्षित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि क्या इस देश में अब तक शिक्षण संस्थाओं में समानता, समावेशन और भेदभाव मुक्त वातावरण नहीं था जो इस तरह के कानून बनाए जाने की आवश्यकता पडी। हम देश व समाज के एक प्रमुख अंग होने के कारण इसका विरोध करना अपना दायित्व समझते हुए इस बिल के प्राविधानों की निंदा करते हुये इसका पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित में भारत सरकार को तत्काल इस काले कानून यूजीसी को वापस लेने के लिये निर्देशित किया जाय।इस मौके पर पत्रकार डॉ आशीष त्रिपाठी, अजुग पाण्डेय, अभिषेक त्रिपाठी,डॉ धर्मेंद्र कुमार तिवारी, आदित्य मिश्र, मोहम्मद तौफीक, विनोद सिंह,आदित्य शुक्ल, नौशाद अहमद, रणदीप सिंह 'मोनू', चंद्रिका मौर्या के साथ बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

बहादुरपुर मण्डी में आढ़त से चोरी पौने दो लाख रुपये के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । थाना जायस पुलिस ने बहादुरपुर मण्डी स्थित एक आढ़त से हुई करीब पौने दो लाख रुपये की चोरी का चौबीस घण्टे में खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी के कुल एक लाख छिहत्तर हजार रुपये, चौबीस विजिटिंग कार्ड व एक आधार कार्ड के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना क्षेत्र के जेर मस्जिद निवासी आशीष अग्रवाल पुत्र अनूप अग्रवाल द्वारा बीती सत्ताइस जनवरी को थाना जायस पर लिखित सूचना दी कि आवेदक की बहादुरपुर मण्डी में श्री दुर्गाजी ट्रेडिंग कम्पनी नाम से आढ़त है। दिनांक पच्चीस जनवरी को नौ बजे रात्रि में आढ़त के बाहर तख्त पर लोहे का गल्ला रखा हुआ था। वह किसी काम से आढ़त छोड़कर कांटे के पास चले गये तथा थोड़ी देर बाद पुनः वापस पहुंचे तो देखा कि तख्त के ऊपर रखे गल्ले से सारे रुपये, विजिटिंग कार्ड (विभिन्न बैंक व ट्रांसपोर्ट के) तथा आवेदक का आधार कार्ड चोरी हो गया।उक्त सूचना पर थाना जायस पुलिस ने अभियोग दर्जकर लिया।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर थाना जायस के प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र सिंह मय हमराह द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर लतीफ उर्फ नफीस पुत्र अजीज उर्फ मस्ताना निवासी पूरे पन्नू औलाद हुसैन थाना जायस उम्र करीब बत्तीस वर्ष को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से एक काली पन्नी में कुल एक लाख छिहत्तर हजार रुपये,भिन्न-भिन्न नाम के कुल चौबीस विजिटिंग कार्ड व एक आधार कार्ड जिस पर आशीष अग्रवाल का नाम अंकित था बरामद हुआ। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में गिरफ्तार युवक ने बताया कि बहादुरपुर मण्डी में एक आढ़त पर वह काफी देर से नजर बनाये हुये था पर बैठा व्यक्ति उठकर कहीं चला गया था कि तभी आढ़त के तख्त पर रखे बक्शे को खोलकर सारा रुपया तथा एक झिल्ली मे बंधा कुछ सामान भी उठा लाया था।बरामदगी के आधार पर थाना जायस पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त में धाराओं की बढ़ोत्तरी कर दी गई है। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार युवक के विरुद्ध जनपद रायबरेली व अमेठी में चोरी, मारपीट, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट व एनडीपीएस एक्ट आदि विभिन्न की धाराओं में कुल सोलह अभियोग पंजीकृत हैं।

प्राचीन हनुमान मंदिर का भव्य लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोतिगरपुर/सुल्तानपुर। दियरा चौराहे के पास स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में करोड़ों रुपये की लागत से कराए गए सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का बुधवार को सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्रीय पर्यटन को नई गति प्राप्त होगी। पर्यटन विभाग की ओर से प्राचीन हनुमान मंदिर के विकास के लिए लगभग 1 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत से कार्य कराए गए हैं। इन कार्यों में मंदिर परिसर में यात्री निवास, पुरुष एवं महिला शौचालय, सोलर लाइट, इंटरलॉकिंग सड़क और एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण शामिल है। यह परियोजना यूपीपीसीएल संस्था की इकाई-11, अयोध्या द्वारा लगभग एक वर्ष में पूरी की गई। समारोह को संबोधित करते हुए सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने बताया कि सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में निर्मित नई सुविधाओं से श्रद्धालुओं को ठहरने सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विधायक उपाध्याय ने आगे कहा कि इन सुविधाओं से न केवल श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी बालेंद्र मिश्र, ब्लॉक प्रमुख चंद्र प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष विनय प्रजापति, पिंटू सिंह, गुड्डू उपाध्याय, तुलसीराम गौतम, संजय चौहान, सहायक अभियंता ए.के. सिंह, अवर अभियंता रोहित सिंह, संतोष यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

सवर्ण समाज ने यूजीसी नीतियों के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के सवर्ण समाज के सैकड़ो लोगों ने बुधवार को यूजीसी के विरोध में व्यापक धरना प्रदर्शन किया यह प्रदर्शन बल्दीराय कस्बे के नहर चौराहा थाना मोड़ रामलीला मैदान होते हुए पुनः तहसील परिसर में आकर उप जिलाधिकारी बल्दीराय प्रवीण कुमार को ज्ञापन दिया। सवर्ण सवर्ण ने केंद्र सरकार के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से जुड़े वर्तमान एवं प्रस्तावित फैसलों के विरोध में बल्दीराय क्षेत्र के सवर्ण समाज ने राष्ट्रपति को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी (एसडीएम) बल्दीराय को सौंपा। सवर्ण समाज के लोगों का आरोप है कि यूजीसी की मौजूदा और प्रस्तावित नीतियां देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षा, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े विषयों पर समाज सदैव सजग रहा है, और वर्तमान नीतियों से शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा समान अवसर की भावना को गंभीर क्षति पहुंचने की आशंका है। सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है और इसमें बिना व्यापक विमर्श के लिए गए निर्णय दीर्घकालिक नुकसान का कारण बन सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूजीसी के हालिया निर्णयों को लेकर देशभर में शिक्षाविदों, छात्रों और सामाजिक संगठनों के बीच गहरी चिंता और असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी जोर दिया गया कि विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों को जाति, धर्म या लिंग के आधार पर विभाजित करने से बचा जाना चाहिए। जब कोई बालक विद्यालय जाता है तो वह केवल एक छात्र होता है। वहां उसकी कोई जाति, धर्म या लिंग नहीं होता। इस विषय पर महान शिक्षाविदों और शोधार्थियों से राय लेना आवश्यक बताया गया। राष्ट्रपति से आग्रह किए गए प्रमुख बिंदुओं मेंयूजीसी से संबंधित विवादित नीतियों एवं प्रस्तावों पर पुनर्विचार,शिक्षकों, छात्रों और विशेषज्ञों से व्यापक परामर्श के बाद ही अंतिम निर्णय, उच्च शिक्षा की स्वायत्तता, गुणवत्ता और समानता को प्राथमिकता देना तथा शिक्षा व्यवस्था को व्यवसायीकरण से मुक्त रखते हुए जनहित में निर्णय सुनिश्चित करना शामिल है।

सवर्ण समाज ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने के नाते इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेंगे और राष्ट्रहित में उचित दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे। इस अवसर पर तहसील क्षेत्र के सैकडो की संख्या में सवर्ण समाज के लोग मौजूद रहे।

पालिका बोर्ड बैठक में जलभराव, सफाई और प्रकाश व्यवस्था पर चेयरमैन ने लिए कई अहम निर्णय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बुधवार को नगर पालिका परिषद पीलीभीत की बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने की। इस दौरान अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार सहित पालिका के सभी पटल प्रभारी और सभासद उपस्थित रहे। बैठक में शहर की प्रमुख समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। तय किया गया कि शहर में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए पालिका बोर्ड की ओर से जिलाधिकारी को पत्र भेजकर नाला निर्माण समिति गठित करने की मांग की जाएगी। यह समिति शहर में नालों के निर्माण की रूपरेखा तैयार करेगी, जिससे बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। इसके साथ ही पुरानी डांट वाली पुलिया को समाप्त कर नई पुलिया निर्माण पर भी विचार-विमर्श किया गया।सभासदों की मांग पर निर्णय लिया गया कि होली पर्व से पूर्व शहर में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी। इसके तहत लाइटों की व्यवस्था के साथ-साथ उन्हें लगाने के लिए आवश्यक तार भी उपलब्ध कराए जाएंगे।पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने प्रत्येक वार्ड में सात दिन के भीतर कूड़ा उठाने वाली गाड़ी भेजने के निर्देश दिए। साथ ही शहर के डंपिंग प्वाइंट्स से प्रतिदिन कूड़ा उठाने, झाड़ू लगवाने और संबंधित स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराए जाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए।बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जिन इलाकों में जल निगम द्वारा नई पाइपलाइन डाली जा रही है, वहां जलकल विभाग की देखरेख में समतलीकरण कराकर कार्य पूर्ण किया जाए। इसके अलावा शहर में गैस पाइपलाइन बिछाने वाले ठेकेदारों से संपर्क कर टूटी सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरवाने के निर्देश अधिशासी अधिकारी को दिए गए। बैठक में सभासद गोकुल प्रसाद मौर्य, साकेत सक्सेना, वतनदीप मिश्रा, निज़ाकत अली कादरी, राशिद हुसैन, निर्मल सिंह टीटू, उषा देवी, इकबाल हजरत, मोहम्मद शरीफ, सुनीता सिंह, चेतन गंगवार, पुष्पा उपाध्याय, शिखा वर्मा, विपिन गंगवार, राजू फौजी, जाहिदा बी, शबनम, राजेंद्र भारती, अनस अंसारी, शिवम श्रीवास्तव, एहतिशाम वली खां उपस्थित रहे।

पुलिस ने तमंचा और कारतूस के साथ युवक को भेजा जेल

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस ने एक तमंचा व एक जिन्दा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक के थानाध्यक्ष तनुज कुमार पाल मय हमराह द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर समरेन्द्र कुमार मौर्य उर्फ राजू पुत्र सिद्धनाथ निवासी पूरबगांव थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक जनपद अमेठी उम्र करीब अठाइस वर्ष को एक तमंचा और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष तनुज कुमार पाल ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ आर्मस एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने तमंचा और कारतूस के साथ युवक को पकड़ा

शुकुल बाजार अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना बाजार शुकुल पुलिस ने एक तमंचा व एक जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बाजार शुकुल के थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा मय हमराह द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर कैकूबाद हुसैन पुत्र कयूम हुसैन निवासी तेतारपुर मजरे बरसण्डा थाना बाजार शुकुल जनपद अमेठी उम्र करीब छत्तीस वर्ष को एक तमंचा और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत यातायात पुलिस का सख्त अभियान, 140 चालान व 28 डग्गामार वाहनों पर कार्रवाई

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनपदीय यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया गया इस विशेष चेकिंग अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना, आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना तथा अवैध रूप से संचालित डग्गामार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करना था यातायात पुलिस टीम ने जनपद के प्रमुख मार्गों, बस अड्डों, चौराहों एवं भीड़?भाड़ वाले इलाकों में सघन चेकिंग की इस दौरान नियत क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले वाहनों, बिना वैध प्रपत्र संचालित वाहनों, हेलमेट व सीट बेल्ट न लगाने वाले दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई साथ ही सड़?कों पर किए गए अतिक्रमण को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया गया अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न चौराहों पर वाहन चालकों और आम नागरिकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई उन्हें हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग से बचाव, शराव पीकर वाहन न चलाने और सड़क संकेतों के पालन के प्रति जागरूक किया गया पुलिस कर्मियों ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, जिससे सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। विशेष चेकिंग अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के कुल 140 चालान किए गए, जिन पर 161000 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। इसके अलावा अवैध रूप से संचालित 28 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई यातायात पुलिस का कहना है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि जनपद में सुरक्षित, सुगम और अनुशासित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके

राष्ट्रीय सवर्ण परिषद ने यूजीसी कानून का कलेक्ट्रेट पर किया विरोध प्रदर्शन

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले में बुधवार को राष्ट्रीय सवर्ण परिषद ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। परिषद ने सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक नए कानून को वापस लेने की मांग की गई। परिषद का आरोप है कि यह कानून एक वर्ग विशेष के छात्रों को बिना किसी दोष के अपराधी घोषित करता है। संगठन ने आशंका जताई कि इससे सामान्य वर्ग के छात्रों के प्रति पक्षपात बढ़ेगा और झूठी शिकायतों में वृद्धि होगी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री आचार्य भरत तिवारी ने कहा कि ऐसे कानूनों के लागू रहने से सवर्ण छात्रों पर अनावश्यक मुकदमे दर्ज होंगे और उनकी सुरक्षा के लिए कोई प्रावधान नहीं होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यह कानून शिक्षा, योग्यता और प्रतिभा को सीधे प्रभावित करेगा, जिससे छात्र आत्महत्या या देश छोड़ने पर विवश हो सकते हैं। परिषद ने तर्क दिया कि देश को जातीय कानूनों या जातीय संरक्षण की बजाय एक सुखी, समृद्ध और समतामूलक समाज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे जातीय कानून देश में संघर्ष और हिंसा को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न होने का खतरा है। संगठन ने अपनी मांग में कहा कि ऐसी नीतियां देश की संस्कृति, सभ्यता, एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं।उन्होंने उम्मीद जताई कि देश की एकता, अखंडता और समाज की शांति व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, सरकार और न्ळब् इस कानून को तत्काल समाप्त करने के निर्देश जारी करेंगे। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष अमित उपाध्याय, जिला प्रवक्ता मोहम्मद अली और अतुल तिवारी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

लापरवाही चीनी मिल में बॉयलर खराबी से ठप हुई पेराई,भाकियू भानु का विरोध प्रदर्शन

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। हाईवे पर स्थित किसान सहकारी चीनी मिल में बॉयलर खराब हो जाने के कारण चीनी मिल का संचालन ठप हो गया, जिससे किसानों में भारी नाराजगी देखी गई। इसी को लेकर बुधवार दोपहर करीब दो बजे भारतीय किसान यूनियन (भानु गुट) ने चीनी मिल परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर चीनी मिल को चालू नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भाकियू भानु के मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा ने आरोप लगाया कि चीनी मिल के सीसीओ और चीफ इंजीनियर की लापरवाही के कारण बॉयलर में खराबी आई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की इस लापरवाही का सीधा खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है और बॉयलर फटने से बड़ा हादसा भी हो सकता था। एक ओर जहां गन्ना पेराई बंद है, वहीं दूसरी ओर किसानों को समय से गन्ना भुगतान भी नहीं मिल पा रहा है, जिससे वे आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। भुगतान में देरी से घरेलू खर्च और कृषि कार्यों में भी परेशानी हो रही है। इसी वजह से किसानों ने मिल प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए प्रदर्शन किया। पीलीभीत जिला गन्ना अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से वार्ता की।उन्होंने कहा कि किसानों को भरोसा दिलाया कि बॉयलर की खराबी को जल्द दूर किया जाएगा और चीनी मिल को शीघ्र ही चालू कराया जाएगा। इस संबंध में जब से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि बॉयलर खराब होने के कारण चीनी मिल बंद करनी पड़ी थी। बाहर से तकनीकी टीम को बुलाया गया है, टीम के आने पर बॉयलर सही होते ही चीनी मिल को दोबारा शुरू कर दिया जाएगा।अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

बदहाली धनाराघाट मार्ग पर बारिश के बाद आवागमन बाधित

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। हजारा थाना क्षेत्र के धनाराघाट मार्ग पर हुई बारिश के बाद आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है।बारिश के चलते मार्ग की हालत बेहद खराब हो गई है, जिससे वाहन फंसने की आशंका बनी हुई है। स्थिति को देखते हुए पेंटून पुल पर तैनात मुंशी बबलू मांझी ने एहतियातन लोगों वुधवार दोपहर तीन बजे से इस मार्ग पर न आने की अपील की है। बबलू मांझी ने जानकारी देते हुए बताया कि बारिश के कारण धनाराघाट मार्ग पर कीचड़ और गड्ढे बढ़ गए हैं। इससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों के फंसने का खतरा काफी बढ़ गया है। बबलू मांझी ने कहा कि यात्रियों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फिलहाल इस मार्ग से आवागमन न करने की सलाह दी जा रही है। खासकर भारी वाहनों के लिए यह रास्ता पूरी तरह से असुरक्षित हो गया है। इस लिए अभी आवागमन न करें।

पुलिस गस्त की खुली पोल दिनदहाड़े घर में चोरी नकदी सहित अन्य समान पर चोरों ने किया हाथ साफ

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूरनपुर देहात के मोहल्ला खानकाह में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर नकदी पार कर दिए वारदात के घर में मौजूद महिला दवा खाकर कमरों में सो रहीं थीं उसका भतीजा जब घर आया तो बिखरा सामान देखा तो चोरी होने की जानकारी हुई पूरनपुर के मोहल्ला खनका निवासी लतीफ ने दी तहरीर मे बताया कि सुबह 9 बजे आसाम रोड स्थित अपनी दुकान पर गया था उसकी पत्नी बीमारी की स्थिति मे दवा खाकर सो रही थी इसी दौरान अज्ञात चोरो ने घर का मुख्य दरवाजा खोलकर घर मे रखी अलमारी से सवा तोले सोने के झुमके लगभग 95000 की नगदी चोरी कर ली इसी दौरान चोर कुंडी खोलकर अंदर घुस गए और पहले ही कमरे में बगैर लॉक की रखी दो अलमारि को खोलकर उसमें रखे माल को चोरी कर ले गए कुछ देर बाद बाद जब महिलाएं कमरे में पहुंचीं तो कुंडी खुली व बिखरा सामान देख उनके होश उड़ गए उसने तुरन्त कॉल कर लतीफ को बताया घटना की सूचना की तहरीर पुलिस को दे दी गई

सम्पादकीय

भारत का उभरता वैश्विक आत्मविश्वास

भारत और यूरोपीय संघ के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति आज बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सुदृढ़ होती भूमिका का स्पष्ट संकेत दे रही है। देखा जाए तो राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को हुआ यह समझौता उस भारत की तस्वीर पेश करता है, जिसे आज आप विश्व की उभरती हुई अर्थव्यवस्था से आगे वैश्विक आर्थिक विमर्श को दिशा देने वाली शक्ति के रूप में पहचानते हैं। वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसे ऐतिहासिक बताया जाना और वैश्विक मंचों पर इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जाना भारत की इसी बदली हुई हैसियत को रेखांकित करता है। यूरोपीय संघ के 27 देशों और भारत के बीच हुआ यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं को गहरे आर्थिक और रणनीतिक सूत्र में बांधता है। यह समझौता वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 25 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के करीब एक तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। दो अरब से अधिक की सम्मिलित जनसंख्या वाला यह बाजार आने वाले वर्षों में उत्पादन, निवेश और उपभोग का विशाल केंद्र बनने जा रहा है। यही कारण है कि इसे व्यापारिक करार नहीं, साझा समृद्धि का खाका तक कहा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गोवा में आयोजित 'इंडिया एनर्जी वीक' के उद्घाटन सत्र में इस समझौते की घोषणा करते हुए जिस आत्मविश्वास का परिचय दिया, वह भारत की आर्थिक स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता का परिणाम है। उनके अनुसार समझौता भारत के 140 करोड़ नागरिकों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगा। कहना होगा कि आज जब दुनिया संरक्षणवाद और व्यापार अवरोधों की ओर झुकती दिख रही है, तब भारत और यूरोपीय संघ का मुक्त व्यापार के पक्ष में खड़ा होना बहुपक्षवाद और नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था को मजबूती देता है। आर्थिक आंकड़े इस समझौते की महत्ता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2024-25 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच 136 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार हुआ। भारत यूरोप से मशीनें, परिवहन उपकरण और रसायनों का आयात करता है, जबकि भारत से मशीनें, रसायन, लोहा, एल्यूमिनियम, तांबा, खनिज उत्पाद, कपड़ा और चमड़े के सामान का निर्यात होता है। एफटीए लागू होने के बाद शुल्क और गैर शुल्क बाधाओं में कमी आएगी, जिससे भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। इसका सीधा लाभ किसानों, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा श्रम प्रधान क्षेत्रों को मिलेगा। सेवा क्षेत्र इस समझौते का एक और बड़ा लाभार्थी है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान एवं विकास और स्टार्टअप इकोसिस्टम को यूरोप के बाजारों में नई संभावनाएं मिलेंगी। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय निवेश की योजना बना रहे मुख्य कार्याधिकारियों की नजर में भारत तेजी से ऊपर चढ़ा है। पीडब्ल्यूसी के 29वें ग्लोबल सीईओ सर्वे के अनुसार 13 प्रतिशत सीईओ भारत को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य मानते हैं, जबकि पिछले वर्ष भारत इस सूची में पांचवें स्थान पर था। यह उछाल भारत की आर्थिक नीतियों और बाजार क्षमता पर बढ़ते वैश्विक भरोसे का प्रमाण है। आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 2025 की 6.5 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। यह दर वैश्विक औसत से ऊंची है और प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से भी बेहतर है। भारतीय उद्योग जगत का विश्वास भी इसी दिशा में संकेत करता है। सर्वे के अनुसार 77 प्रतिशत भारतीय सीईओ देश की आर्थिक वृद्धि को लेकर आशावादी हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 55 प्रतिशत है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आंकड़े भारत की इस मजबूती को और स्पष्ट करते हैं। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में भारत में एफडीआई में 73 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई और कुल 47 अरब डॉलर का निवेश आया।

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही

भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। आज समय बहुत कम है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल का संकट केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का प्रश्न है।

जल है तो जीवन है-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है।

दरअसल, जल संकट अब 'वाटर स्ट्रेस' से आगे बढ़कर 'ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी' यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बर्बादी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं।

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ह्लहर खेत को पानीङ्क के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है- प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है।

जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है- घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव। कहीं कागजों में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बर्बादी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है। इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पडेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है। यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन, अतिदोहन, अनियंत्रित शहरीकरण और खराब प्रबंधन इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को रोका गया, तालाब पाट दिए गए और जंगलों का विनाश किया गया। परिणामस्वरूप वर्षा का पैटर्न बदल गया और जल स्रोत सूखते चले गए। यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही समाधान संभव नहीं, जब तक समाज स्वयं जिम्मेदारी न ले।

दुनिया के अन्य देशों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। इजराइल में ड्रिप इरिगेशन और डिसेलिनेशन तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी का पुनर्चक्रण किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में वाटर ट्रेडिंग के माध्यम से जल संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया गया है। अमेरिका में अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और यूरोप में स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम जल संकट से निपटने के प्रभावी उपाय बने हैं। भारत में भी राजस्थान जैसे राज्यों में जोहड़, खादिन और बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल संरचनाएं आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। समाधान का रास्ता स्पष्ट है-कठोर नीतियां, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी। जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनानी होगी। तकनीक का उपयोग कर निगरानी और सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना होगा। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा कि वर्षा जल संचयन, जल की बचत, ड्रिप सिंचाई और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं।

भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। आज समय बहुत कम है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल का संकट केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का प्रश्न है। जल है तो जीवन है-इस सत्य को हमें व्यवहार में उतारना होगा। भ्रष्टाचार मुक्त जल प्रबंधन, जिम्मेदार प्रशासन और जागरूक नागरिक ही हमें इस 'जल-संकट' से बचा सकते हैं। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब इतिहास गवाह बनेगा कि मानव ने अपने ही हाथों से जीवन के स्रोत को नष्ट कर दिया। भू-जल प्रबंधन, कुशल सिंचाई प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन उपायों को अपनाकर भविष्य के जल संकट को कम किया जा सकता है।

ललित गर्ग

उच्च शिक्षा बिल : चिंताएं और वास्तविकता

महेन्द्र तिवारी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू किए गए समानता को बढ़ावा देने वाले उच्च शिक्षा में समानता बिल ने उच्च शिक्षा के परिसरों को एक बार फिर उस बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है, जिसे भारत बार-बार टालता आया है। समानता की कीमत क्या होनी चाहिए और उसका बोझ किस पर पड़े - कागज़ पर यह नियम जातिगत भेदभाव के विरुद्ध एक सख्त और समयबद्ध ढांचा प्रस्तुत करते हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन्होंने भय, अविश्वास और प्रतिरोध की एक नई राजनीति को जन्म दिया है। यह टकराव केवल सवर्ण बनाम आरक्षित वर्ग या समर्थन बनाम विरोध का नहीं है, बल्कि यह उस असहज प्रश्न से जुड़ा है कि क्या न्याय की जल्दी में न्याय की प्रक्रिया कुचली जा सकती है।

यूजीसी का तर्क अपने आप में असंगत नहीं है। देश के विश्वविद्यालय दशकों से सामाजिक असमानताओं के बोझ को ढोते रहे हैं। दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों के छात्रों द्वारा भेदभाव, उपेक्षा और मानसिक उत्पीड़न की शिकायतें बार-बार सामने आती रही हैं। कई मामलों में संस्थागत चुप्पी और उदासीनता ने हालात को और भयावह बनाया। ऐसे में समान अवसर केंद्र, इक्विटी समिति, 24 गुणा 7 हेल्पलाइन और मोबाइल इक्विटी स्क्वॉड जैसी व्यवस्थाएँ कागज़ी सुधार नहीं, बल्कि एक जवाबदेह तंत्र स्थापित करने की कोशिश प्रतीत होती हैं। शिकायत पर 24 घंटे में जांच शुरू करने और सीमित समय में कार्रवाई का प्रावधान उस धीमे न्याय के विरुद्ध प्रतिक्रिया है, जिसने पहले कई पीड़ितों को निराश किया। लेकिन नीति केवल अपने उद्देश्य से नहीं, बल्कि अपने प्रभाव से आँकी जाती है। उत्तर भारत के कई राज्यों में सामान्य वर्ग के छात्र और शिक्षक जिस तरह सड़कों पर उतर आए हैं, वह बताता है कि इन नियमों ने समाज के एक बड़े हिस्से में असुरक्षा की भावना पैदा की है। करणी सेना, ब्राह्मण महासभा, कायस्थ महासभा, वैश्य संघ और सवर्ण समाज समन्वय समिति जैसे संगठनों का विरोध केवल राजनीतिक शोर नहीं है; उसमें एक डर छिपा है-कि कहीं समानता की आड़ में एक नया असंतुलन न पैदा हो जाए। विरोधियों की सबसे बड़ी आशंका दुरुपयोग की है। शिकायत मिलते ही जांच शुरू करने और त्वरित कार्रवाई के प्रावधान को वे पहले सज़ा, बाद में सुनवाई के रूप में देख रहे हैं। यह डर निराधार नहीं माना जा सकता, क्योंकि कानूनों के दुरुपयोग की बहस भारत में नई नहीं है। एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम से जुड़े सामाजिक अनुभवों-चाहे वे वास्तविक हों या धारणा-आधारित-ने इस भय को और गहरा किया है। जब प्रक्रिया इतनी कठोर हो कि प्रारंभिक छंटनी या सुनवाई का स्पष्ट ढांचा न दिखे, तो अविश्वास पनपना स्वाभाविक है।

इक्विटी समिति की संरचना ने भी सवाल खड़े किए हैं। एससी-एसटी, ओबीसी, महिलाओं और दिव्यांगों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना सामाजिक न्याय के लिहाज़ से ज़रूरी हो सकता है, लेकिन सामान्य वर्ग का कोई औपचारिक प्रतिनिधि न होना निर्णय प्रक्रिया पर संदेह को जन्म देता है। यह बहस इस बात की नहीं है कि हाशिये के समूहों को क्यों जगह दी गई, बल्कि इस बात की है कि जब एक पूरा सामाजिक वर्ग निर्णय की मेज़ से अनुपस्थित हो, तो निष्पक्षता का भरोसा कैसे बने। समानता का दावा तभी मजबूत होता है, जब वह सभी को सुनने की इच्छा भी दिखाए। इन नियमों पर उठ रहे संवैधानिक सवाल इस बहस को और गंभीर बनाते हैं। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है, लेकिन समानता का अर्थ समान प्रक्रिया भी है। यदि किसी विशेष समूह के लिए अलग और अधिक दंडात्मक व्यवस्था खड़ी की जाती है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत-विशेषकर सुनवाई का अधिकार-पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तावित जनहित याचिकाएँ इसी चिंता का प्रतिबिंब हैं।

सोशल मीडिया और राजनीति ने इस मुद्दे को और तीखा बना दिया है। #RollbackUGC जैसे हैशटैग नीति-आलोचना से ज़्यादा पहचान की राजनीति का औज़ार बन गए हैं। कुछ धार्मिक और राजनीतिक नेता इस विवाद को अपने समर्थक आधार को मजबूत करने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। नतीजा यह है कि एक जटिल नीति बहस भावनात्मक ध्रुवीकरण में बदलती जा रही है, जहाँ तर्क की जगह नारे और भय ले रहे हैं। फिर भी, इस पूरे विवाद में एक सच्चाई अनदेखी नहीं की जा सकती-भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव वास्तविक है और उसे नज़र अंदाज़ करना किसी भी रूप में न्यायसंगत नहीं होगा।

सेहत मंत्र

प्याज सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाता सेहत के भी खूब काम आता है

प्याज के बिना भोजन का स्वाद अधूरा-अधूरा सा ही लगता है। फिर चाहे बात सब्जी बनाने की हो या फिर सलाद की। हर जगह प्याज का प्रयोग किया जाता है। वैसे तो प्याज आपके भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर यह सेहत के लिए भी उतना ही लाभकारी होता है। तो चलिए आज हम आपको प्याज खाने के कुछ बेहतरीन फायदों के बारे में बताते हैं- कैंसर से बचावः जो लोग नियमित रूप से प्याज का सेवन करते हैं, उन्हें कैंसर होने का खतरा काफी कम होता है। दरअसल, प्याज में सल्फाइड काफी मात्रा में पाया जाता है, जो ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद करता है। इसके सेवन से पेट के कैंसर से लेकर ओवेरियन, ओरल, कोलोरेक्टल और लारेंजियल कैंसर से बचाव होता है। बेहतर है बालों के लिए : प्याज को बालों के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इसमें मौजूद सल्फर बालों के विकास में सहायक होता है। अगर आप झड़ते बालों से परेशान हैं तो प्याज के रस को अपनी स्कैल्प पर करीबन दिन में दो बार लगाएं। यह बालों का झड़ना तो रोकता है ही, साथ ही बालों की ग्रोथ में भी मददगार होता है। हड्डियां बनाए मजबूतः जर्नल ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड फूड कैमिस्ट्री द्वारा किए गए शोध में यह बात सामने आई कि प्याज ऊतकों के निर्माण और हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार है। ऐसा उनमें मौजूद चोंड्रोसाइट्स के कारण होता है। खासतौर से, जिन लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या है, उन्हें विशेष रूप से प्याज को अपने आहार में शामिल करना चाहिए। दिल को बनाए स्वस्थः प्याज आपके शरीर में रक्त के थक्के को जमने से रोकता है। यह एक ब्लड थिनर के रूप में काम करता है। यह दिल के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। दरअसल, प्याज लाल रक्त कोशिकाओं को एक जगह इकट्ठा होने से रोकता है, इसके कारण रक्त की धमनियां ब्लॉक हो जाती हैं और आपको हृदय विकार होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। लेकिन प्याज खाने से आपको ऐसी किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

धर्म मंत्र

प्रयागराज में आराम की मुद्रा में लेटे हनुमानजी का है भव्य मंदिर

प्रयागराज के एक प्राचीन मंदिर में बजरंग बली की एक अनोखी मुद्रा वाली प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर में हनुमान जी लेटे हुए हैं। वैसे भारत में विभिन्न स्थानों में कई और ऐसी प्रतिमायें हैं जिनमें हनुमान जी अनोखी मुद्राओं में स्थापित हैं। ऐसा ही एक मंदिर है इंदौर के उल्टे हनुमान इस मंदिर में जो प्रतिमा है उसमें उल्टे हनुमान हैं, वहीं रतनपुर के गिरिजाबंध हनुमान मंदिर में स्त्री रुप में हनुमान प्रतिमा मौजूद है। इन सबसे हट कर गुजरात के जामनगर में पवनपुत्र बालक रूप में बाल हनुमान मंदिर में स्थापित हैं, इस मंदिर का नाम अनोखे रिकॉर्ड से जुड़ा है जो 50 साल से ज्यादा यहां लगातार गूंज रही रामधुन के चलते बना है। ये रिकॉर्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हनुमान जी की प्रतिमा वाला एक छोटा किन्तु प्राचीन मंदिर है। यह एकमात्र मंदिर है जिसमें हनुमान जी लेटी हुई मुद्रा में हैं। यहां पर स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा 20 फीट लम्बी है। संगम किनारे बना ये एक अनूठा मन्दिर है, जहां हनुमानजी की लेटी हुई प्रतिमा को पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि संगम का पूरा पुण्य हनुमान जी के इस दर्शन के बाद ही पूरा होता है। इस लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर के विषय में कई प्रचलित कथायें प्राप्त होती हैं। एक के अनुसार एक बार एक व्यापारी हनुमान जी की भव्य मूर्ति लेकर जलमार्ग से चला आ रहा था। वह हनुमान जी का परम भक्त था। जब वह अपनी नाव लिए प्रयाग के समीप पहुंचा तो उसकी नाव धीरे-धीरे भारी होने लगी तथा संगम के नजदीक पहुंच कर यमुना जी के जल में डूब गई। कालान्तर में कुछ समय बाद जब यमुना जी के जल की धारा ने कुछ राह बदली, तो वह मूर्ति दिखाई पड़ी। उस समय मुसलमान शासक अकबर का शासन चल रहा था।

पर्यटन

नैसर्गिक सुंदरता की भूमि 'गंगटोक'

भारत और तिब्बत के बीच व्यापार मार्ग पर पड़ने वाला छोटा शहर गंगटोक अब काफी बदल चुका है, लेकिन फिर भी इसने अपनी नैसर्गिक सुंदरता को बरकरार रखा है और साथ ही शांत और सुरम्य वातावरण प्रदान करता है..वर्ष 1975 में सुंदर राज्य सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना था। राज्य के उत्तर-पूर्व इलाके में पड़ने वाली सिक्किम की राजधानी गंगटोक तिब्बत के ल्हासा और ब्रिटिश भारत के कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों के बीच के व्यापार मार्ग पर मुख्य ठहराव स्थल हुआ करता था। अब यह तिब्बती बौद्ध संस्कृति का प्रमुख केंद्र हो गया है। सिलीगुड़ी से पर्वत की चोटी पर स्थित गंगटोक शहर पहुंचने में ऊबड़-खाबड़ सड़कों के कारण लगभग चार घंटे का समय लगा, लेकिन विश्वास कीजिए यह परेशानी झेलने लायक है, जब आपको पता चलेगा कि शहर में देखने के लिए काफी कुछ है। यहां स्तूप और बौद्ध मठों में जाकर तिब्बती संस्कृति और आध्यात्मिकता को निकट से महसूस किया जा सकता है। वन्य जीवों में रुचि रखने वाले लोग हिमालयन जूलॉजिकल पार्क में जाकर काकड़ या बार्किंग डियर, हिमालयी भालू के अलावा दुर्लभ लाल पांडा की झलक पा सकते हैं। और हां, कंचनजंघा पर्वत की शानदार सुंदरता की प्रशंसा करना नहीं भूले। स्थानीय लोगों के पहनावे को भी आप नहीं भूल सकते। एमजी रोड पर घूमते हुए कोई भी यह महसूस कर सकता है कि यहां के लोगों के पहनने-ओढ़ने का तरीका मुंबई या दिल्ली के लोगों से बेहतर है। और अंततः शहर की शांतचित्तता पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। गंगटोक के लोकप्रिय बाजार एमजी रोड से हमने शहर घूमने की शुरुआत की। किसी और हिल स्टेशन में स्थित एमजी रोड या मॉल रोड की तरह यहां की एमजी रोड की पक्की सड़कों पर वाहन पूरी तरह प्रतिबंधित है और सड़कों के बीच में गमलों में लगे पौधों और इसके इर्द-गिर्द लगी बेंचों पर लोग बैठ सकते हैं और आराम कर सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छा हमें यहां की सड़कें लगीं, जो कि काफी साफ-सुथरी थी, इसे भारत की सबसे साफ सड़क कहना गलत नहीं होगा। इसके बाद हनुमान टोक का भ्रमण किया जा सकता है। गंगटोक शहर से 11 किमी. की दूरी पर हनुमान टोक 7200 फीट की ऊंचाई पर है।

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिवस पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी। जनपद बाराबंकी की तहसील रामनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत गणेशपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिवस पर बुधवार को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कथा स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और सायंकाल कथा प्रारंभ होते ही पूरा पंडाल भक्तिरस में डूब गया। कथा के दौरान कथा व्यास पंडित अश्वनी कुमार त्रिपाठी जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मणी के पावन विवाह की मंगल कथा का विधि-विधान के साथ अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने रुक्मणी हरण, भगवान श्रीकृष्ण की लीला, प्रेम, भक्ति और मर्यादा का ऐसा सजीव चित्रण किया कि श्रोता कथा से स्वयं को जोड़ने लगे। कथा के प्रत्येक प्रसंग पर श्रद्धालुओं की आँखें नम हो गईं और जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

कथावाचक ने अपने प्रवचन में बताया कि रुक्मणी विवाह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। सच्चे भाव और विश्वास से किया गया स्मरण ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग है। कथा के बीच-बीच में भजन-कीर्तन ने श्रद्धालुओं को भक्ति में और अधिक डुबो दिया।

इसी अवसर पर आचार्य अभिषेक मिश्र एवं आचार्य सूर्य प्रकाश मिश्र के सान्निध्य में यजमान सुरेश कुमार शुक्ल एवं लक्ष्मी शुक्ल द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन संपन्न कराया गया। पूजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया। कथा स्थल पर समाजसेवी राम कुमार शुक्ला उर्फ पिंटू ,के के शुक्ल आनंद कुमार शुक्ला अनुपम शुक्ला आशीष शुक्ला अवधेश कुमार शुक्ला, देवी दयाल नाथ, चिंतामणि त्रिपाठी, रामसहाय वर्मा, गणेश त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार अशोक सिंह, इंद्र लाल मिश्रा, समाजसेवी शिव शंकर शुक्ला, गिरिजा प्रसाद तिवारी, सोहनलाल, देवी सरलेश सिंह शिवराम प्रदीप आदित्य दुर्गेश पंडित शिवपाल मिश्रा रामगोपाल मिश्रा शिव मंगल शुक्ला दीपक पवन त्रिवेदी पुजारी, ग्राम गणेशपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने समान रूप से कथा का श्रवण किया। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का यह आयोजन आगामी दिनों तक जारी रहेगा और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। कुल मिलाकर छठे दिवस की कथा ने श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति, प्रेम और संस्कारों का गहरा संदेश छोड़ दिया।

रुक्मणी विवाह की मंगल कथा ने भक्तों को किया भाव-विभोर

डीएम एवं बीएसए ने जूनियर हाई स्कूल टाह पौटा पहुंचकर छात्र छात्राओं के साथ किया भोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।मरौरी ब्लॉक के जूनियर हाई स्कूल टाह पौटा में भव्य तरीके से तिथि भोज का आयोजन किया गया। आयोजित तिथि भोज में स्कूल प्रशासन की ओर से डीएम ज्ञानेंद्र सिंह,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह को आमंत्रित किया गया। स्कूल में पहुंचे जिलाधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्कूल का निरीक्षण भी किया। डीएम ने स्कूली बच्चों से बात कर शैक्षिक गुणवत्ता को परखा। स्कूली बच्चों को गरिमा और सम्मान के साथ पंक्तिबद्ध बैठाया गया। तिथि भोज के मौके पर खीर,पूडी सब्जी, सलाद के साथ पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन बनवाए गए। सभी स्कूली बच्चों के साथ डीएम ज्ञानेंद्र सिंह,जिला बेसिक शिक्षा रोशनी सिंह ने बैठकर भोजन किया। डीएम ने स्कूली बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीण अभिभावकों से से कहा कि सरकार सभी सुविधाएं स्कूलों में दे रही है। अभिभावक अपने बच्चों को हर रोज स्कूल भेजें। स्कूली बच्चों को शासन की ओर से जूता, मोजा, स्वेटर, निःशुल्क पाठ्य पुस्तके, स्कूल बैग, बैठने के लिए फर्नीचर, स्मार्ट क्लास, जैसी सुविधाये दी जा रही है। स्कूली बच्चे मेहनत से पढ़ें, जिससे अपने माता-पिता का नाम रोशन कर सकें।स्कूल की रसोइयों ने बेहतर पौष्टिक, स्वादिष्ट भोजन बनाया। जिस पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने सभी रसोइयों को शाल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। तिथि भोज से पहले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने पकाये जा रहे भोजन को लेकर रसोई घर का भी निरीक्षण किया।इसके उपरान्त डीएम ने प्राथमिक विद्यालय हिम्मतनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पंजीकृत छात्र-छात्राओं की संख्या की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में किचन, भोजन कक्ष,प्रकाश व्यवस्था,पेयजल,शौचालय,फर्नीचर की उपलब्धता आदि व्यवस्थाओं को देखा। इसके साथ ही उन्होंने मध्याह्न भोजन की जानकारी ली। निरीक्षक के दौरान क्लास रूम में पहुंचकर शिक्षा की गुणवत्ता परखी। विद्यालय परिसर को और हराभरा बनाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने रसोईयों को शाल व नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित प्राथमिक विद्यालय हिम्मत नगर का किया औचक निरीक्षण

तिथि भोज के अवसर पर जिला समन्वयक राकेश पटेल,विद्यालय के प्रधान अध्यापक अजय कुमार, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, अध्यक्ष, ग्राम प्रधान, शिक्षण स्टाफ सहित कई अभिभावक भी मौजूद रहे है।

भारत सरकार टीम ने परखा विकास कार्यों की हकीकत

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निदेशक शक्तिकांत सिंह ने बुधवार को विकास खंड निंदूरा के विभिन्न गांवों में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक में केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा की और ब्लॉक प्रशासन द्वारा कराए जा रहे कार्यों की सराहना की। निरीक्षण की शुरुआत एफपीओ सेंटर अगासंड से की गई, जहां यूनिट में बीज प्रसंस्करण की विधियों तथा किसानों को मिलने वाले लाभ की जानकारी ली गई। एफपीओ से जुड़े किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं प्रशिक्षण संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। इसके बाद ग्राम अगासंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों तथा आवास प्लस सर्वे-2024 के लाभार्थियों से बातचीत की। इसके पश्चात निदेशक ने पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय बहरौली का भ्रमण किया। विद्यालय में शैक्षिक वातावरण, स्मार्ट क्लास, खेल गतिविधियों, छात्रों की उपस्थिति एवं शिक्षकों की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की। डिजिटल लाइब्रेरी में छात्रों द्वारा किए जा रहे डिजिटल लर्निंग तथा आईसीटी लैब में कंप्यूटर प्रशिक्षण की भी सराहना की गई।आंगनबाड़ी केंद्र बहरौली में बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया तथा विद्यालय में परोसे जा रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद बाराबंकी के परियोजना निदेशक (डीआरडीए) राकेश कुमार सिंह, सहायक विकास अधिकारी (सांख्यिकी) अजय मोर्य, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अनिल सिंह, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) हरिप्रकाश चौधरी, सीडीपीओ फतेहपुर अलका वर्मा, ग्राम विकास अधिकारी सुधाकर एवं वृजकिशोर कुशवाहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

माता रुक्मणी के विवाह की वर्णन, झूम उठे श्रद्धालु श्रोता

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। दक्षेत्र के कस्बा गणेशपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिवस पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।कथा व्यास पंडित अश्वनी कुमार त्रिपाठी जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मणी के पावन विवाह की मंगल कथा का भावपूर्ण वर्णन किया जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।भजन कीर्तन और वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा।पूजन-अर्चन यजमान सुरेश कुमार शुक्ल एवं लक्ष्मी शुक्ल द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराया गया।कथा में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भव्य समारोह संग लालाजी की मूर्ति का अनावरण

फतेहपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के नेशनल इंटर कॉलेज परिसर में अमर शहीद लाला जी की स्मृति में स्थापित प्रतिमा का अनावरण समारोह आयोजित हुआ।जिसमें शहीद लल्ला जी की पुत्रवधू एवं पूर्व विधायक डॉ.राजलक्ष्मी वर्मा तथा उनके सुपुत्र, पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।समारोह का शुभारंभ डॉ. राजलक्ष्मी वर्मा और दिनेश कुमार वर्मा ने संयुक्तरूप से फीता काटकर किया।इस मौके पर शहीद लाला जी की प्रतिमा पर माल्यार्पणकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व विधायक डॉ. राजलक्ष्मी वर्मा ने कहा कि अमर शहीद लाला जी का जीवन देशभक्ति, त्याग और बलिदान की प्रेरणा है। उन्होंने जोर दिया कि उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों कोराष्ट्र सेवा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करता रहेगा।पूर्व प्रमुख दिनेश वर्मा ने शहीदों के बलिदान को कभी न भुलाने की बात कही।कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधन की ओर से आए अतिथियों का भाव पूर्ण सम्मान किया गया।

अधिवक्ता एकादश पत्रकार एकादश के बीच रोमांचकारी मैच

फतेहपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रशासन एकादश,नगर पंचायत एकादश, अधिवक्ता एकादश एवं पत्रकार एकादश के मध्य साईं ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के विशाल मैदान पर फाइनल मैच पत्रकार एकादश व नगरपंचायत एकादश के मध्य खेला गया जिसमें न0पं0 एकादश ने 10 विकेट से जीता। कार्यक्रम का संचालन फहीम ने किया सफल आयोजन मे साईं ग्रुपऑफ कॉलेजेज के प्रबंधक विपिन सिंह राठौर, बिक्रन्त राठौर दिनेश शुक्ल,न0 प0अध्यक्ष इरशाद अहमद कमर का भी योगदान रहा। विगत 12 वर्ष पूर्व 2 टीमों के बीच मैत्री मैचों की शुरुवात पत्रकार राजेश जायसवाल ने वही की। पत्रकार नलिन निगम ने की।आज टूर्नामेंट विशाल स्वरूप ले चुका है।साईं डिग्री कॉलेज मैदान मे पहला मुकाबला अधिवक्ता संघ और नगर पंचायत की संयुक्त टीम तथा दूसरा प्रशासन एवं पत्रकारों की टीम के बीच खेला जाएगा। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह है। विधायक साकेंद्र वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में साईं डिग्री कॉलेज मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें खेल भावना के साथ मैच खेलने का संदेश दिया।

ऊँची उड़ान के परिंदे'' आशुतोष अनुभव का उत्कृष्ट प्रदर्शन, संस्था का बड़ा मान

फतेहपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेठ आनन्द राम जयपुरिया स्कूल,साधू कैंपस के विद्यार्थियों ने ग्रीन क्लीन एजुकेटेड फाउंडेशन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय परीक्षा ''ऊँची उड़ान के परिंदे'' में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि से विद्यालय,अभिभावकों और जनपद का नाम रोशन हुआ।इस प्रतियोगी परीक्षा में आसपास के कई जनपदों से लगभग 7 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया था। जयपुरिया स्कूल के कक्षा छठवीं के छात्र आशुतोष यादव ने परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अनुभव पटेल ने बारहवाँ स्थान हासिल किया।

हैदरगढ़ नगर पंचायत बोर्ड बैठक में विकास को मिली रफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़, बाराबंकी । नगर पंचायत हैदरगढ़ की महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक में नगर के विकास को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया। अध्यक्ष नगर पंचायत आलोक तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में करीब दो करोड़ रुपये की लागत से जुड़े 29 विकास प्रस्तावों पर गहन चर्चा की गई, जिसके बाद सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। बैठक में नगर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई। विशेष रूप से तालाबों से अतिक्रमण हटाने, उनके संरक्षण व जल संरक्षण को लेकर ठोस रणनीति पर सहमति बनी। बोर्ड सदस्यों ने माना कि जल संसाधनों का संरक्षण नगर के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में सभासद राजीव अवस्थी, महेश अग्रवाल, सूरज दीक्षित, सूरज वर्मा, हाजी इसहाक, उमर हाशमी, रामगोपाल यादव, हरिराम, अजीत रावत, पहाड़ी, अतीक कुरैशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वहीं अधिशासी अधिकारी इंद्रभान ने प्रस्तावों से संबंधित प्रशासनिक पक्ष रखा। बोर्ड बैठक के शांतिपूर्ण समापन के बाद नगर पंचायत परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दो सभासद आपस में भिड़ गए। मामला सुभाष वार्ड स्थित एक भूमि पर कथित कब्जे को लेकर सामने आया। बताया जा रहा है कि ठाकुरद्वारा वार्ड के सभासद महेश अग्रवाल के दखल को लेकर सुभाष वार्ड के सभासद हाजी मो. इसहाक ने आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। विवाद बढ़ते-बढ़ते गाली-गलौज और हाथापाई तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद अध्यक्ष नगर पंचायत आलोक तिवारी एवं सभासद शब्बीर अहमद पहाड़ी ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए बीच-बचाव कर स्थिति को नियंत्रित किया। उनके प्रयास से बड़ा विवाद टल गया और हालात सामान्य हुए।

करीब दो करोड़ के 29 प्रस्ताव पास, बैठक के बाद सभासदों में हुआ विवाद

एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने किया थाना मसौली का वार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख़्त दिशा-निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी जनपद में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री अर्पित विजयवर्गीय द्वारा आज दिनांक 28 जनवरी 2026 को थाना मसौली का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर स्थित समस्त कार्यालयों, मिशन शक्ति केंद्र, शस्त्रागार सहित अभिलेखों का गहन परीक्षण किया तथा अभिलेखों को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने लॉकअप, बैरक, भोजनालय एवं संपूर्ण थाना परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि थाना स्तर पर व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी रामनगर सुश्री गरिमा पंत, प्रभारी निरीक्षक मसौली श्री अजय प्रकाश त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

77वें गणतंत्र दिवस पर छात्रों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने जीता सबका दिल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अखंड नगर/सुल्तानपुर। क्षेत्र के बड़गांव, अखंड नगर स्थित रामाचार्य त्रिपाठी सर्वोदय शिक्षण संस्थान इंटरमीडिएट कॉलेज में शुक्रवार को 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रमों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रांगण में ध्वजारोहण के साथ हुई। विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी और आलोक तिवारी, पंजाब केसरी के पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, रोशन श्रीवास्तव और विद्यालय के सभी स्टाफ) की उपस्थिति में मुख्य अतिथि श्री रामयज्ञ सिंह ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान के साथ सलामी दी। इसके पश्चात भारत माता और महान स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ध्वजारोहण के बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने 'देश रंगीला', 'संदेशे आते हैं' और 'वंदे मातरम' जैसे गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। साथ ही, छात्रों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटकों ने समाज में एकता और अखंडता का संदेश दिया। नन्हें-मुन्ने बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों और अगम दुबे ने अवधी गायक अनुराग पंडित के रंगदारी चमके गाने पर डांस करके धूम मचा दिया और अभिभावकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी, अभिभावक और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमीना ताइक्वांडो अकादमी में होनहार खिलाड़ियों का सम्मान, बढ़ा आत्मविश्वास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। टीएफआई (ताइक्वांडो फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया) से मान्यता प्राप्त डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन की सचिव अमीना बानो द्वारा संचालित अमीना ताइक्वांडो अकादमी में मेडल, प्रमाण पत्र एवं कलर बेल्ट सर्टिफिकेट वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम में अकादमी के खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, नियमित अभ्यास और अनुशासन के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर खिलाड़ियों का मनोबल और आत्मविश्वास और अधिक बढ़ा। समारोह में अकादमी के अध्यक्ष शिवकुमार सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. सुधाकर सिंह तथा कोषाध्यक्ष एडवोकेट मदन सिंह, वरिष्ठ कांति सिंह पत्रकार किशन पाठक, राष्ट्रीय कोच अनुपम शुक्ला, औलाम्पिक संघ के पंकज दूबे, मण्डल व्यायम शिक्षक राहुल तिवारी, टेनिस के रेफरी सईद सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों

ने खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं कलर बेल्ट सर्टिफिकेट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रशिक्षिका अमीना बानो की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण पद्धति और बच्चों के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि अकादमी के खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अमीना बानो बच्चों को न केवल ताइक्वांडो की तकनीकी बारीकियों का प्रशिक्षण देती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना भी विकसित करती हैं। अमीना बानो ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों की सफलता निरंतर अभ्यास, कठिन परिश्रम और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने बताया कि अकादमी का उद्देश्य खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत करना है, ताकि वे भविष्य में राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों ने अकादमी के प्रयासों की सराहना की और बच्चों की उपलब्धियों पर खुशी व्यक्त की। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों और खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समारोह का समापन प्रेरणादायक और सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की अव्यवस्था का शिकार मरीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। तहसील मुख्यालय बल्दीराय पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) इन दिनों अव्यवस्थाओं का शिकार बना हुआ है। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। केन्द्र पर एक्स-रे मशीन उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को इसका लाभ बहुत सीमित रूप से मिल रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, एक्स-रे मशीन का तकनीशियन सप्ताह में केवल सोमवार, बुधवार और शनिवार को ही तैनात रहता है। बुधवार को जब संवाददाता सुबह 10 बजकर 38 मिनट पर एक्स-रे कक्ष पहुंचा, तो वहां ताला लटका हुआ मिला। इतना ही नहीं, केन्द्र पर तैनात दन्त चिकित्सक की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। बुधवार को दन्त रोग ओपीडी भी पूरी तरह बंद मिली। जानकारी करने पर पता चला कि दन्त चिकित्सक

जिम्मेदारों की उदासीनता उजागर

भी सप्ताह में मात्र दो दिन ही उपस्थित रहते हैं, जिससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई चिकित्सक मनमाने ढंग से ड्यूटी निभा रहे हैं। इसका सीधा असर आम ग्रामीण मरीजों पर पड़ रहा है। फिलहाल, सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाएं और सुविधाएं केन्द्र से नदारद नजर आ रही हैं। इस संबंध में क्षेत्रीय ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सभी चिकित्सक नियमित रूप से उपस्थित रहें और एक्स-रे सहित अन्य जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चालू कराई जाएं, ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन टी20 मैच खेलने के लिए पाकिस्तान पहुंची

एजेंसी

लाहौर। मिचेल मार्श की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया की टीम बुधवार को लाहौर पहुंच गई, जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला ऐसे समय में आयोजित की जाएगी जब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस श्रृंखला को पाकिस्तान के टी20 विश्व कप की तैयारी के अंतिम चरण के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या राष्ट्रीय टीम को भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सरकार की मंजूरी मिलेगी या नहीं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ बैठक के बाद कहा था कि सभी विकल्प खुले हैं और फैसला शुक्रवार या अगले सोमवार तक लिया जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर भारत में टी20 विश्व कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर दिया था जिसका पाकिस्तान विरोध कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम पैट कमिंस समेत अपने कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के बिना लाहौर पहुंची है। विश्व कप से पहले चोटों से उबरने के लिए कमिंस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड और नाथन एलिस को पाकिस्तान दौरे से बाहर रखा गया है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम 2022 के बाद पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रही है। ऑस्ट्रेलिया की टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, कूपर कॉनॉली, बेन ड्वार्शियस, जैक एडवर्ड्स, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुहनेमैन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मुसैटी ने चोटिल होकर मैच छोड़ा, सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में बड़ा उलटफ़ेर देखने को मिला, जब इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसैटी ने चोट के कारण मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया। इसके चलते सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच बिना जीत दर्ज किए सेमीफाइनल में पहुंच गए।

मैच में मुसैटी ने शानदार शुरुआत करते हुए जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से अपने नाम कर लिए थे। तीसरे सेट के दौरान उन्हें दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में परेशानी महसूस हुई, जिसके बाद उन्होंने लंबा मेडिकल टाइम-आउट लिया। उपचार के बाद मुसैटी दोबारा कोर्ट पर लौटे, लेकिन एक गेम खेलने के बाद उन्होंने मुकाबला छोड़ने का फैसला कर लिया। मुसैटी की रिटायरमेंट के समय स्कोर 6-4, 6-3, 1-3 था और इस तरह जोकोविच को अपने सबसे सफल ग्रैंड स्लैम में एक बार फिर जीवनदान मिल गया। 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच अब अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की दौड़ में बने हुए हैं, जिससे वह मार्गरेट कोर्ट का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

मैच के बाद जोकोविच ने मुसैटी के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा, ल्लमुझे उसके लिए बहुत बुरा लग रहा है। आज वह मुझसे कहीं बेहतर खिलाड़ी था। सच कहूं तो मैं आज घर लौटने वाला था।

इससे पहले भी जोकोविच बिना खेले ही क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए थे, जब उनके चौथे दौर के प्रतिद्वंद्वी याकुब मेंसिक पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए थे। दोनों के बीच सोमवार को सेंटर कोर्ट पर नाइट मैच खेला जाना था।

अब सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना यानिक सिनर और बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा।

यूपी वॉरियर्स ने चोटिल लिचफील्ड की जगह एमी जोन्स को टीम में शामिल किया

एजेंसी

वडोदरा। यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के बाकी बचे मैचों के लिए चोटिल फीबी लिचफील्ड की जगह इंग्लैंड की विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स को अपनी टीम में शामिल किया है। टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाली लिचफील्ड चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, जिससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ गुरुवार को होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले वॉरियर्स की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लिचफील्ड इस सत्र में छह मैचों में 243 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष तीन बल्लेबाजों में शामिल हैं। जोन्स ने 125 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 1,666 रन बनाए हैं। डब्ल्यूपीएल ने विज्ञप्ति में बताया कि वह 50 लाख रुपये में वॉरियर्स की टीम में शामिल होंगी।

वॉरियर्स ने अभी तक छह मैचों में दो जीत से चार अंक हासिल किए हैं। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने की अपनी उम्मीद को बरकरार रखने के लिए बड़ी जीत की जरूरत है।

आईसीसी रैंकिंग : सूर्यकुमार यादव की टॉप-10 में वापसी, अभिषेक नंबर 1 पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी लेटेस्ट ICC T20I रैंकिंग में टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में वापस आ गए हैं। वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की T20I सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद जिसमें भारत अभी 3-0 से आगे है। भारतीय कप्तान जो सबसे छोटे फॉर्मेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, उन्होंने दूसरे मैच में 82 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और 468 दिनों के अपने अर्धशतक के सूखे को भी खत्म किया। सूर्यकुमार ने अगले मैच में भी इस लय को जारी रखा और सिर्फ 26 गेंदों में 57 रन बनाए। भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा ने भी तीसरे T20I में 68 रनों की शानदार पारी खेलकर टॉप पर अपनी स्थिति मजबूत की। 929 अंकों के साथ उन्होंने टॉप पर अपनी बढ़त को 80 रेटिंग अंकों तक बढ़ा दिया है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी तीसरे T20I में ब्लैककैप्स के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के साथी वरुण चक्रवर्ती ब्लैककैप्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद अभी भी टॉप पर अपनी स्थिति बनाए हुए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने मौजूदा सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद रैंकिंग में अपनी बढ़त जारी रखी है। हार्दिक एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दुबे पांच स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें स्थान पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में 18 स्थान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम 20वें नंबर पर पहुंच गए हैं और वेस्टइंडीज के हार्ड-हिटर ब्रैंडन किंग भी 15 स्थान ऊपर आ गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, साउथ अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश और वेस्टइंडीज के सीमर मैथ्यू फोर्ड गेंदबाजों की रैंकिंग में पांच, आठ और उन्नीस स्थान ऊपर आ गए हैं। इंग्लैंड की टॉप बैटिंग जोड़ी हैरी ब्रूक और जो रूट ने अपनी टीम को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने में मदद की। नतीजतन ब्रूक 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, और रूट छह स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17वें स्थान पर आ गए हैं।

सोने की कीमत में मामूली गिरावट, चांदी ने फिर लगाई 20 हजार रुपये की छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना है। दूसरी ओर, चांदी ने आज एक बार फिर लगभग 20 हजार रुपये की छलांग लगा कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। सोने की कीमत में आई मामूली कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,940 रुपये से लेकर 1,62,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,440 रुपये से लेकर 1,48,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी जबरदस्त तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,48,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी, सेंसेक्स 487 अंक उछला

एजेंसी

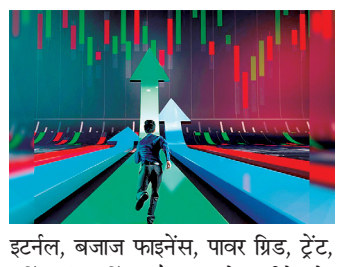

मुंबई। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंकों की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत तक उछल गए। इसके अलावा इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, एशियन पेंट्स के शेयरों में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा मारुति सुजुकी, सन फार्मा, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर भी नुकसान में रहे। भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने से लगभग दो अरब लोगों का बाजार बनेगा और यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के करीब एक चौथाई हिस्से को कवर करेगा। इस समझौते से यूरोपीय संघ को 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क घटेगा, जबकि ईयू से 97 प्रतिशत आयात पर भारत में शुल्क कम होगा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 3,068.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 8,999.71 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में कारोबार के दौरान गिरावट का रुख देखा जा रहा था। अमेरिका के अधिकांश बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.62 प्रतिशत गिरकर 67.25 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। मंगलवार को सेंसेक्स 319.78 अंक बढ़कर 81,857.48 अंक और निफ्टी 126.75 अंक चढ़कर 25,175.40 अंक पर बंद हुआ था।

कनिष्क अल्युमिनियम का आईपीओ खुला, 30 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। अल्युमिनियम उत्पाद बनाने वाली कंपनी कनिष्क अल्युमिनियम इंडिया लिमिटेड का 29.20 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 2 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 3 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे।कंपनी के शेयर 4 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। आज शाम 3:30 बजे तक इस आईपीओ को 12 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 73 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कनिष्क अल्युमिनियम इंडिया लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,33,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले कुल 40 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.52 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.48 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सन कैपिटल एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। सनफ्लावर ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.76 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 1.52 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़ कर 3.04 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 2.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 59.68 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 59.54 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 60.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 29.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 26.45 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 20.84 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 22.74 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 25.55 करोड़ रुपये हो गया था।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 1.11 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.63 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 7.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही के अंत तक ये 9.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 4.06 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 4.50 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 6.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में ये 4.08 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा।

तीसरी तिमाही में मारुति सुजुकी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त अक्टूबर-तिमाही में कंपनी का मुनाफा चार फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ चार फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये रहा। वाहन विनिर्माता कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

कंपनी ने बताया कि नई श्रम संहिता के कारण 594 करोड़ रुपये के एकमुश्त प्रावधान से लाभ प्रभावित हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 49,904 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 38,764 करोड़ रुपये रही थी।

कोलकाता वेयरहाउस अग्निकांड : मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 16, लापता लोगों की तलाश जारी

एजेंसी

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के बाहरी इलाके आनंदपुर में स्थित दो गोदामों में लगी भीषण आग में मृतकों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। पुलिस ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। हादसे के बाद अब भी कई लोग लापता बताए जा रहे हैं और उनकी तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। इस मामले में पुलिस ने डेकोरेटर गोदाम के मालिक गंगाधर दास को लापरवाही से मौत के आरोप में गिरफ्तार किया है। डेकोरेटर का यह गोदाम एक मोमो कंपनी के गोदाम से सटा हुआ था, जो आग में पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। मोमो कंपनी के मालिकों के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप दर्ज किए गए हैं, हालांकि अब तक उस कंपनी से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस के अनुसार, यह आग सोमवार तड़के करीब तीन बजे लगी थी, जो मंगलवार दोपहर तक बेकाबू बनी रही। आग

बुझने के बाद जले हुए गोदामों के भीतर से मानव अंगों के अवशेष मिले। घटना के समय मौके पर कितने लोग मौजूद थे, इसका सटीक आंकड़ा अब तक सामने नहीं आ पाया है। शव अत्यधिक झुलस जाने के कारण उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। इस बीच बारुईपुर जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, लेकिन मृतकों की पहचान और उनके निवास स्थान की जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। आधिकारिक तौर पर 20 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस ने कहा है कि अदालत से अनुमति मिलने के बाद डीएनए जांच के जरिए मृतकों की पहचान कराई जाएगी।

पुलिस ने बताया कि आग किस गोदाम से शुरू हुई और कैसे दूसरे गोदाम तक फैली, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। आग लगने के कारणों की जांच जारी है। दमकल विभाग की शिकायत के आधार पर नरेंद्रपुर थाना में लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए भी इसी धारा में एक अलग मामला दर्ज किया है। इन्हीं मामलों के आधार पर गंगाधर दास को मंगलवार रात गरिया इलाके से गिरफ्तार किया गया। बुधवार को मेडिकल जांच के बाद उसे बारुईपुर उप-मंडलीय अदालत में पेश किया गया, जहां से आदालत ने उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

हालांकि, गंगाधर दास ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। उसने पुलिस को बताया कि आग मोमो फैक्ट्री की लापरवाही के कारण लगी और इस हादसे में उसका वर्षों पुराना कारोबार पूरी तरह तबाह हो गया।

घटना के बाद यह सवाल भी उठने लगे हैं कि दोनों गोदामों में आग से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं। मंगलवार को दमकल विभाग के महानिदेशक रणवीर कुमार ने घटनास्थल का दौरा किया और बताया कि इन गोदामों को दमकल विभाग की ओर से कोई फायर सेफ्टी क्लीयरेंस नहीं दी गई थी। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि बिना वैध अनुमति के ये गोदाम इतने लंबे समय तक कैसे संचालित होते रहे। रणवीर कुमार ने माना कि दमकल विभाग की ओर से भी कहीं न कहीं चूक हो सकती है और पूरे मामले की जांच की जाएगी। इस बीच, कोलकाता नगर निगम (केएमसी) की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद कोलकाता के मेयर और राज्य के शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि किसी का रोज़गार अचानक बंद कर देना भी सही नहीं है, वरना उस पर भी सवाल उठते हैं।

छत्तीसगढ़ की जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी

जगदलपुर । छत्तीसगढ़ में बुधवार को कई जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद पुलिस ने परिसर खाली कराया और गहन तलाशी ली। हालांकि तलाशी के दौरान पुलिस टीम को कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर के जिला एवं सत्र न्यायालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर सुबह साढ़े चार बजे के करीब एक मेल आया है। इसमें न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सुबह 10 बजे न्यायालय खुलने के बाद इसकी जानकारी अधिकारियों को मिली, तो अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बम और डॉग स्क्वाड के जरिए पूरे कोर्ट परिसर की जांच की गई। हालांकि कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। फिलहाल स्थिति सामान्य है। धमकी भरे मेल में लिखा गया है कि जगदलपुर न्यायालय

परिसर में दो सुसाइड बम धमाके किए जाएंगे। इसके साथ ही तीन जहर गैस बम भी लगाए जाने का दावा किया गया। मेल में यह भी लिखा गया कि दोपहर 1:45 बजे तक जजों को न्यायालय से बाहर निकाल लिया जाए, नहीं तो बड़ा नुकसान होगा। बस्तर जिले के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने अपनी पूरी टीम के साथ कोर्ट परिसर पहुंचकर एहतियातन पूरा न्यायालय परिसर खाली कराया। इसके बाद बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड के द्वारा हर हिस्से की गहन जांच शुरू की गई। न्यायालय परिसर में खड़े सभी वाहनों की जांच की गई। हर कक्ष, चेंबर और आस-पास के इलाकों को खंगाला गया। सुरक्षा कारणों से काफी देर तक न्यायालय का काम-काज पूरी तरह प्रभावित रहा। फिलहाल जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन प्रशासन का कहना है कि धमकी को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है और बस्तर में न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि न्यायालय के आधिकारिक ई-मेल पर बम की धमकी मिली थी। सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए पूरे परिसर की जांच कराई गई है। अब तक की जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। मामले की साइबर और तकनीकी जांच भी की जा रही है। इससे पहले अंबिकापुर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया था। न्यायालय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ।

पेज एक का शेष

अजित ...

परिवार के दुःख में हम सब साथ है।

अजित पवार का जन्म 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देवलाली प्रवरा में हुआ था। राजनीति में 'दादा' के नाम से लोकप्रिय अजित पवार अपनी स्पष्टवादिता और मजबूत प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। बाद में वे बारामती विधानसभा क्षेत्र से लगातार कई बार विधायक चुने गए और राज्य सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे। उन्होंने वित्त, योजना, ऊर्जा, जल संसाधन और ग्रामीण विकास जैसे अहम विभागों का नेतृत्व किया। महाराष्ट्र के इतिहास में सबसे अधिक बार उपमुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज हैं। उनके निधन से महाराष्ट्र ने एक अनुभवी प्रशासक और जननेता को खो दिया है। अजित पवार के निधन से बारामती, पुणे और पूरे राज्य में शोक का माहौल है। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार तथा पुत्र पार्थ और जय हैं।

प्रधानमंत्री...

की सेवा में सदैव अग्रणी रहे। प्रशासनिक विषयों की उनकी समझ और गरीब तथा वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के प्रति उनका समर्पण उल्लेखनीय था। प्रधानमंत्री ने उनके असामयिक निधन को अत्यंत चौंकाने वाला और दुखद बताया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर कहा कि एक दुखद हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनडीए के वरिष्ठ साथी अजित पवार के निधन की सूचना से उनका मन अत्यंत व्यथित है। उन्होंने कहा कि बीते साढ़े तीन दशकों में अजीत पवार ने महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए स्वयं को समर्पित रखा। गृहमंत्री ने इसे एनडीए परिवार के साथ-साथ अपनी व्यक्तिगत क्षति बताया और पवार परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शोक की इस घड़ी में पूरा एनडीए परिवार शोक-संतप्त पवार परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के बारामती में आज सुबह एक विमान हादसा हुआ। यह हादसा विमान की लैंडिंग के दौरान हुआ, जिसमें राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही महाराष्ट्र के कई वरिष्ठ नेता और प्रशासनिक अधिकारी बारामती की ओर रवाना हो गए हैं।

रक्षामंत्री...

जीवन में वे महाराष्ट्र के विकास और समृद्धि के लिए समर्पित रहे। वे लोगों के प्रति अपनी करुणा और सार्वजनिक सेवा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए जाने जाते थे। मैं उनके परिवार, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।''

भाजपा ...

अजित पवार महाराष्ट्र के विकास और जनहित को निरंतर प्राथमिकता दी और हमेशा ज़मीन से जुड़े रहे।

उन्होंने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिजनों एवं समर्थकों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। शोक की इस घड़ी में एनडीए पवार परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में हुए आकस्मिक निधन की दुखद खबर से मैं आहत और शोकाकुल हूं। वे जनसेवा के प्रति समर्पित, लोगों से गहरा जुड़ाव रखने वाले और महाराष्ट्र के विकास के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले एक सशक्त नेता थे। उनका अचानक जाना सार्वजनिक जीवन में एक अपूरणीय क्षति है। भले ही वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन महाराष्ट्र के लिए उनका योगदान और सेवा सदैव श्रद्धा और सम्मान के साथ याद की जाएगी। इस कठिन घड़ी में मेरी हार्दिक संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिवार, मित्रों और असंख्य समर्थकों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें इस अपार दुःख को सहने की शक्ति और साहस प्रदान करें।

पूर्वी ...

भी प्रारंभ हो गया है। महिला छात्रावास का शिलान्यास किया गया है। सिद्धार्थनगर आकांक्षी जनपद इसलिए था, क्योंकि यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर, विकास नहीं, बल्कि बीमारी से पलायन था। बीमार मानसिकता वाले लोगों ने ही पूर्वी यूपी को बीमार बना दिया था और इसे मच्छर-माफिया के आगोश में ला दिया था। गरीब, दलित, अल्पसंख्यक, अतिपिछड़ी जाति के बच्चे इंसेफ़ेलाइटिस से दम तोड़ते थे। ये बच्चे हमारे लिए कोई जाति नहीं, बल्कि यूपी की अमानत थे। इसीलिए पीएम मोदी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने 2017 में संकल्प लिया कि एक भी बच्चा इंसेफ़ेलाइटिस की चपेट में नहीं आएगा। डबल इंजन सरकार प्राणप्रण से लगी तो दशकों की बीमारी कुछ ही समय में समाप्त हो गई।

सीएम योगी ने कहा कि पिपरहवा से 125 वर्ष पहले भगवान बुद्ध के अवशेष इंग्लैंड पहुंचा दिए गए थे। ताइवान में नीलामी हो रही थी। सांसद ने प्रयास किया, हमने पत्र लिखा। अब सरकार कपिलवस्तु में विपश्यना केंद्र बना रही है। वहां डारमेट्री व अन्य विकास कार्य हो रहे हैं। सिद्धार्थनगर से सटा नेपाल हमारा मित्र राष्ट्र है। हमारी कनेक्टिविटी उबड़-खाबड़ थी, लेकिन हमने इंटरस्टेट व इंटरनेशनल कनेक्टिविटी को फोरलेन में बदला। सिद्धार्थनगर की कनेक्टिविटी को भी फोरलेन के साथ बढ़ा रहे हैं। खलीलाबाद से बहराइच होते हुए जो रेल लाइन जा रही है, वह 80 किलोमीटर सिद्धार्थनगर जनपद से जा रही है, यह निवेश लाएगी। गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर जनपद के तीन विधानसभा क्षेत्रों (इटवा, डुमरियागंज व बांसी) को टच करते हुए विकास का कॉरिडोर बनने जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि राजकुमार सिद्धार्थ के नाम पर यह जनपद बना। उन्हीं का राज्य था, कपिलवस्तु उनकी राजधानी थी। वह ज्ञान व जीवन की सच्चाई की खोज के लिए निकले। सब कुछ छोड़ा, गयाजी गए, लंबी साधना की। उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ, पहला उपदेश सारनाथ में दिया। उन्होंने सर्वाधिक चातुर्मास श्रावस्ती में संपन्न किए। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, प्रभारी मंत्री अनिल राजभर, डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल, विधायक श्यामधनी राही, सैयदा खातून, विधान परिषद सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी, पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, नगरपालिका नौगढ़ अध्यक्ष गोविंद माधव, संजय सिंह, जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष साधना चौधरी, नरेंद्र मणि त्रिपाठी, लालजी त्रिपाठी, रमेश गुप्ता, राम कुमार कुंवर आदि मौजूद रहे।

कब्जामुक्त ...

खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में दबंगों द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की एक शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।

जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने ससुराल पक्ष से विवाद तथा परिवार से जुड़ी शिकायतें भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। सीएम योगी ने इन शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर समस्या का समाधान कराया जाए। ऐसा न होने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इलाज का पैसा सीधे अस्पताल के खाते में भेज दिया जाएगा।

ऑपरेशन...

बनाए गए, जिनमें से 32 लाख मकान केवल पिछले एक वर्ष में गरीब परिवारों को दिए गए। जल जीवन मिशन के तहत पिछले पांच वर्षों में 12 करोड़ से अधिक परिवारों तक नल से जल पहुंचाया गया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार और घोटालों पर प्रभावी नियंत्रण किया है तथा डीबीटी के माध्यम से एक वर्ष में लगभग सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई गई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों रुपये का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया गया है, जबकि बीते वर्ष एक करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना कार्ड जारी किए गए। उन्होंने कहा कि ये सभी उपलब्धियां भारत की वर्ष 2047 तक तेज, सशक्त और आत्मनिर्भर यात्रा की मजबूत नींव तैयार कर रही हैं।

संसद...

में आयोजित की गई। बैठक में संसद के आगामी बजट सत्र-2026 से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक का आयोजन केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने किया। बैठक में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरकमंत्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय कानून और न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय संसदीय कार्य और सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी शामिल हुए। संसदीय कार्यमंत्री ने सभी को सूचित किया कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से प्रारंभ होगा और सरकारी कार्य की आवश्यकताओं के अधीन इस सत्र का समापन दो अप्रैल को हो सकता है। इस अवधि के दौरान दोनों सदनों को 13 फरवरी को अवकाश के लिए स्थगित किया जाएगा। नौ मार्च को पुनः सत्र शुरू होगा। इस सत्र में 65 दिन की अवधि के दौरान कुल 30 बैठकें (पहले भाग में 13 और दूसरे भाग में 17 बैठकें) आयोजित की जाएंगी।

यूजीसी ...

करने के पहले अगर सभी को विश्वास में ले लिया जाता तो यह बेहतर होता और देश में फिर सामाजिक तनाव का कारण भी नहीं बनता। इस ओर भी सरकारों व सभी संस्थानों को जरूर ध्यान देना चाहिये।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में दलितों व पिछड़ों को इन वर्गों के स्वार्थी व बिकाऊ नेताओं के भड़काऊ बयानों के बहकावे में भी क़तई नहीं आना चाहिये, जिनकी आड़ में ये लोग आए दिन घिनौनी राजनीति करते रहते हैं अर्थात इन वर्गों के लोग जरूर सावधान रहें, यह भी अपील।

बसपा प्रमुख ने महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार के आज बारामती में विमान हादसा में हुई मौत अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा कि महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार का आज बारामती में विमान हादसा में हुई मौत अति-दुखद। उनके परिवार तथा उनकी पार्टी के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।

आज ...

जिसमें सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस वर्ष बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स की भागीदारी की विशेष रूप से सराहना करते हुए उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी युवाओं के लिए ऐसा मंच है, जहां हमारी विरासत को गर्व के साथ जिया जाता है। उन्होंने देशभर में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उत्सव का उल्लेख किया। साथ ही, परमवीर सागर यात्रा का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान-निकोबार के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा था और एनसीसी कैडेट्स ने इस भावना को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय नायकों के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। लक्षद्वीप में आयोजित आइलैंड फ़ेस्टिवल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां समुद्र, संस्कृति और प्रकृति को एक साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी ने इतिहास को स्मारकों से निकालकर सड़कों तक जीवंत किया है। उन्होंने बाजीराव पेशवा के शौर्य, लाचित बोरफुकन की रणनीतिक क्षमता और भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व को साइकिल रैली के माध्यम से जनमानस तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सम्मान प्राप्त करने वाले कैडेट्स को बधाई भी दी।

लाल किले से दिए गए अपने संबोधन को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यही सही समय है, यही सबसे अच्छा समय है। उन्होंने कहा कि आज का दौर भारतीय युवाओं के लिए अवसरों का स्वर्णकाल है और सरकार का प्रयास है कि इस कालखंड का अधिकतम लाभ युवाओं को मिले। इसी क्रम में उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का उल्लेख किया, जिसे दुनिया 'मदर ऑफ ऑल डील्स' और 'गेम-चेंजर' बता रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे पहले भारत ने ओमान, न्यूज़ीलैंड, ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस के साथ एफटीए किए हैं, जो मिलकर करोड़ों युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं पर दुनिया का भरोसा उनके कौशल और मूल्यों के कारण है- लोकतंत्र में आस्था, विविधता का सम्मान और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना उन्हें विश्व में कहीं भी सहजता से घुलने-मिलने और योगदान देने में सक्षम बनाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक नेताओं से बातचीत के अनुभव के आधार पर वे कह सकते हैं कि भारतीय युवा न केवल मेहनती हैं, बल्कि उत्कृष्ट पेशेवर भी हैं। खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में भारतीय डॉक्टर, इंजीनियर और शिक्षक विश्वस्तरीय स्वास्थ्य व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के भीतर भी युवाओं की उपलब्धियों के कारण भारत आज वैश्विक आईटी व्यवस्था की रीढ़ बन चुका है और स्टार्टअप, अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक जैसे क्षेत्रों में क्रांति का नेतृत्व कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-ईयू एफटीए विश्व की एक-चौथाई जीडीपी और एक-तिहाई वैश्विक व्यापार को कवर करता है और यह युवाओं के लिए 'फ्रीडम टू एस्पायर' है। इससे स्टार्टअप्स को फंडिंग और नवाचार इकोसिस्टम तक आसान पहुंच मिलेगी, रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और शोध, शिक्षा, आईटी तथा पेशेवर सेवाओं में नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने बताया कि इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात पर शुल्क शून्य या बेहद कम होगा, जिससे वस्त्र, चमड़ा, रत्न-आभूषण, फुटवियर, इंजीनियरिंग सामान और एमएसएमई क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' को गति देगा। इससे निवेश बढ़ेगा, नए विनिर्माण संयंत्र लगेंगे और कृषि, मत्स्य तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में किसानों और ग्रामीण युवाओं को नए बाजार मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह एफटीए भारतीय युवाओं को यूरोप के जॉब मार्केट से सीधे जोड़ता है।

प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर निकाली गई झांकी की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध में कौशल और तकनीक की भूमिका बढ़ गई है। उन्होंने युवाओं से रक्षा स्टार्टअप्स, एआई और स्वदेशी तकनीक के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

स्वच्छता, पर्यावरण और स्वास्थ्य पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं से सप्ताह में कम से कम एक घंटा स्वच्छता अभियानों को देने, 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों को आगे बढ़ाने और मोटापे की समस्या से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने भोजन में तेल की मात्रा 10 प्रतिशत कम करने का आह्वान दोहराया।

प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि एनसीसी से जुड़े युवा जीवन की हर परीक्षा में सफल होंगे और विकसित भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, डॉ. मनसुख मांडविया, संजय सेठ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आयुर्वेद ...

प्रणाली के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने संस्थापक वैद्यरत्नम पी.एस. वारियर के योगदान को याद करते हुए कहा कि जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी प्रेरणास्रोत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला भारत की उस उपचार परंपरा का जीवंत प्रतीक है जिसने सदियों से मानवता की सेवा की है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद कभी किसी एक काल या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा बल्कि हर युग में जीवन को समझने, संतुलन बनाने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का मार्ग दिखाता रहा है। उन्होंने बताया कि आज आर्य वैद्यशाला 600 से अधिक आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण करती है और देश-विदेश में इसके अस्पताल 60 से अधिक देशों के मरीजों का उपचार कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि आर्य वैद्यशाला के लिए सेवा केवल विचार नहीं बल्कि भावना है, जो इसके कार्यों और संस्थानों में झलकती है। उन्होंने चैरिटेबल हॉस्पिटल के 100 वर्षों की निरंतर सेवा की सराहना की और वैद्यों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ तथा सभी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केरल के लोगों ने सदियों से आयुर्वेद की परंपराओं को जीवित रखा और आगे बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10511 वर्षों में प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को लेकर दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव आया है और अब स्वास्थ्य सेवाओं को समग्र नजरिए से देखा जा रहा है। उन्होंने आयुष मंत्रालय की स्थापना, राष्ट्रीय आयुष मिशन, 12 हजार से अधिक आयुष वेलनेस केंद्रों और निवारक स्वास्थ्य पर जोर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत के पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान का लाभ देश के हर कोने तक पहुंचे।

मोदी ने कहा कि आयुष विनिर्माण क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। उन्होंने आयुष निर्यात संवर्धन परिषद की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि साल 2014 में जहां आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात लगभग 3,000 करोड़ रुपये था, वहीं अब बढ़कर करीब 6,500 करोड़ रुपये हो गया है, जिससे किसानों को भी लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आयुष-आधारित मेडिकल वैल्यू ट्रैवल का भी भरोसेमंद केंद्र बन रहा है और आयुष वीजा जैसे कदम विदेशी मरीजों के लिए सहायक सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद को ब्रिक्स और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर भी प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की शुरुआत का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने हाल में घोषित भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे आयुष सेवाओं और चिकित्सकों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते से यूरोप में आयुष वेलनेस केंद्रों की स्थापना और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

मोदी ने कहा कि आयुर्वेद की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान जरूरी है। उन्होंने खुशी जताई कि आर्य वैद्यशाला ने सीएसआईआर और आईआईटी जैसे संस्थानों के साथ मिलकर शोध कार्य किया है और औषधि, नैदानिक तथा कैंसर अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय के सहयोग से कैंसर अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

निर्वाचन...

लगने की घटना का भी उल्लेख किया था। सिंगूर की जनसभा से उन्होंने संकेत दिया था कि वे एक-दो दिन में दिल्ली जाएंगी। इसके बाद ही शाम को निर्वाचन आयोग ने तृणमूल कांग्रेस को समय दे दिया।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि तृणमूल कांग्रेस का अधिकतम 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन सदन में प्रवेश कर सकेगा। आयोग के अधिकारियों के साथ एसआईआर को लेकर विस्तृत बैठक की जाएगी।

तृणमूल सूत्रों के अनुसार, जिन लोगों को जीवित होने के बावजूद आयोग के रजिस्टर में 'मृत' दर्शाया गया है, उनमें से कुछ को भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में चार नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हुई है। इस दौरान कई लोगों की मौत हुई है, जिनके परिजनों ने मृत्यु का कारण एसआईआर से जुड़ा मानसिक दबाव बताया है। तृणमूल कांग्रेस शुरू से ही इस मुद्दे पर मुखर रही है। पार्टी का आरोप है कि चुनाव से पहले बिना पर्याप्त तैयारी के जल्दबाजी में एसआईआर लागू किया गया।

एसआईआर के विरोध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता की सड़कों पर एक साथ जुलूस भी निकाला था। पार्टी का दावा है कि एसआईआर के नाम पर आम लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है और इसके जरिए वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश की जा रही है। तृणमूल कांग्रेस ने इस पूरे मामले में केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा और निर्वाचन आयोग की सांठगांठ का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार को कई बार पत्र लिखकर समस्याओं से अवगत कराया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार किसी भी पत्र का जवाब नहीं मिला। इसके बाद ही मुख्यमंत्री ने दिल्ली जाकर आयोग से सीधे मिलने की चेतावनी दी थी। वहीं, राज्य के विभिन्न हिस्सों में जनसभाओं के दौरान अभिषेक बनर्जी ने सार्वजनिक मंच से आयोग की मतदाता सूची में दर्ज 'मृत' बताए गए जीवित लोगों को सामने लाकर प्रक्रिया की खामियों को उजागर किया है।

सीवान, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा बल अलर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के सीवान, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जिला अदालतों को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। धमकी के बाद कोर्ट प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर को खाली करा दिया गया।

मुजफ्फरपुर जिला सिविल कोर्ट में प्राप्त ई-मेल में सिलसिलेवार बम धमाके और आत्मघाती हमलावर के जरिए हमला करने की बात कही गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला जज ने तत्काल प्रभाव से कोर्ट परिसर खाली कराने का निर्देश जारी किया। न्यायालय कर्मियों, वकीलों और आम जनता को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बम निरोधक दस्ते (बीआरडीएस) और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया

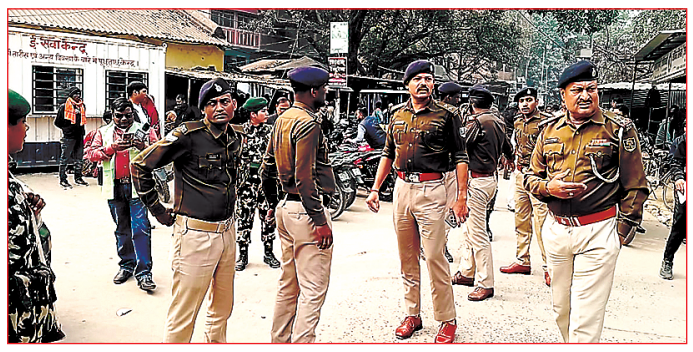

गया है, जो पुलिस परिसर की चप्पे-चप्पे तलाशी ले रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल की टीम जांच में जुटी है। फिलहाल पूरे कोर्ट परिसर को एक किले की तरह सख्त सुरक्षा व्यवस्था में बदल दिया गया है। जिला प्रशासन ने जनता से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। सीवान सिविल कोर्ट को भी बम धमाके की धमकी ई-मेल के जरिए मिली। बार काउंसिल के सचिव नवेंदु शेखर दीपक को यह ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें बताया गया कि बुधवार दोपहर 12 बजे कोर्ट को उड़ाने की योजना है। इसके बाद कोर्ट परिसर को पुलिस छावनी में बदल दिया गया। वकीलों और कर्मचारियों की गाड़ियों की जांच की जा रही है। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शंभु दत्त शुक्ला ने कहा कि कोर्ट परिसर में सुरक्षा जांच की जा रही है और कर्मचारियों तथा वकीलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

भागलपुर सिविल कोर्ट को भी बम धमाके की धमकी ई-मेल के जरिए दी गई। प्रशासनिक प्रभारी ने जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और एसपी नवगछिया को सूचना दी। एंटी बम स्क्वॉड और एंटी-सैबोटेज टीम से पूरे परिसर की जांच करने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं, जबकि साइबर सेल धमकी भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है।

गोलीकांड़ के आरोपित ने किया थाने में आत्मसमर्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जमीनी विवाद को लेकर कनखल थाना क्षेत्र के ग्राम पंजनहेड़ी में हुए गोलीकांड़ के आरोपित ने कनखल थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया है। जबकि घायलों का एम्स ऋषिकेश में उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक कनखल क्षेत्र में ग्राम पंजनहेड़ी में हुए गोली कांड़ में सचिन और कृष्णपाल घायल हो गए थे। सचिन के एक तथा कृष्णपाल के तीन गोली लगी थी। सचिन के पेट में गोली लगने के कारण हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने सचिन को एम्स ऋषिकेश रैफर कर दिया।

तरूण के भाई जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान के मुताबिक अतुल चौधरी पुत्र सुखबीर, तरूण पुत्र दीपक, अभिषेक पुत्र सतबीर, गौरव पुत्र प्रदीप व अभिषेक पुत्र त्रिलोक उषा टाउनशिप आए और उकसाने का काम किया। इसी दौरान कहासुनी में अतुल आदि ने फायरिंग शुरू कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई।

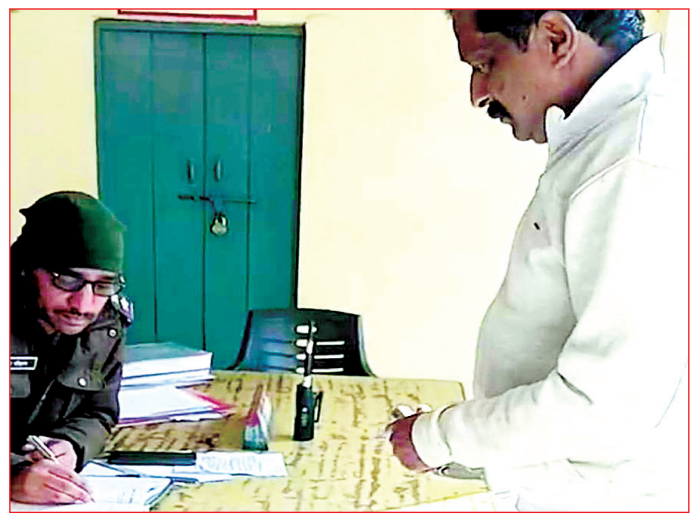

इसी बीच आरोपी अतुल चौहान कनखल थाने पहुंचा, जहां उसने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर पुलिस को सौंपते हुए आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और फायरिंग के पीछे के कारणों की गहन जांच की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि दोनों गुटों के बीच चुनावी रंजिश चली आ रही थी। जिला पंचायत चुनाव में एक पक्ष को टिकट मिलने से दूसरा पक्ष नाराज था। वहीं भूमि विवाद भी इस झगड़े की वजह बना। पुलिस इस मामले में आगे की कार्यवाही कर रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी मिल सके। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अंकिता भंडारी मामले की सीबीआई जांच को लेकर सरकार गंभीर नहीं: गोदियाल

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तराखंड प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच को लेकर राज्य सरकार गंभीर नहीं है। गोदियाल ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीड़ित परिवार की लिखित मांग के आधार पर सीबीआई जांच का ऐलान किया था, जिसमें हत्यारों को फांसी, मामले में शामिल वीआईपी को सजा और जांच किसी सिटिंग जज की निगरानी में कराने की मांग शामिल थी लेकिन जांच से पहले ही किसी अन्य व्यक्ति द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई और उसी आधार पर सीबीआई जांच की बात कही गई, जिससे संदेह पैदा होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के ऐलान को 15 दिन से अधिक हो चुके हैं लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि मामला सीबीआई को सौंपा गया है या नहीं। इस संबंध में कोई अधिसूचना सार्वजनिक नहीं हुई है और सरकार टर्म ऑफ रेफरेंस को भी स्पष्ट नहीं कर रही। गोदियाल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के ऐलान को 15 दिन से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि मामला सीबीआई को सौंपा गया है या नहीं। इस संबंध में कोई आधिकारिक अधिसूचना सार्वजनिक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि सीबीआई को प्रतिवेदन भेजा गया है तो उसमें टर्म ऑफ रेफरेंस क्या है, यह स्पष्ट होना चाहिए। सरकार इस मामले में काल्पनिक स्थिति बनाकर जांच करवाना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में न्याय तभी संभव हो सकेगा जब जांच निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अजित पवार के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार को विमान दुर्घटना में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य की मौत पर गहरा दुख जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में अजित पवार के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका आज अचानक विमान दुर्घटना में निधन होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुखद है। उनका सार्वजनिक जीवन काफी लंबा एवं प्रभावी रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उन्हें हृदयपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता है तथा ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य की बारामती एयरपोर्ट के नजदीक विमान दुर्घटना में मौत हो गयी।

नित्यानंद राय ने सीआईएसएफ की कोस्टल साइक्लोथॉन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज नई दिल्ली से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की दूसरी कोस्टल साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसका समापन 22 फरवरी को होगा। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री राय ने सीआईएसएफ की वंदे मातरम कोस्टल साइक्लोथॉन 2026 को रवाना करते हुए कहा कि इसका आयोजन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया है। इस साइकिल रैली का समापन कोच्चि (केरल) में होगा। यह रैली लगभग 6500 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

चंडीगढ़ में पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब यहां के पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। गणतंत्र दिवस की छुट्टियों के बाद आज सुबह ही स्कूल खुलेहैं । यह धमकी स्कूलों की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर दी गई है। स्कूलों में छुट्टी कर बच्चों को घर भेज दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड की मदद से सर्च की। जिन स्कूलों को धमकी दी गई है उनमें सेक्टर-25 स्थित चितकारा इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-16 का मॉडल स्कूल, सेक्टर-45 का सेंट स्टीफन स्कूल, सेक्टर-35 का मॉडल स्कूल और सेक्टर-19 का मॉडल स्कूल शामिल हैं। पुलिस को इन स्कूलों में सर्च के दौरान कुछ नही मिला। सुरक्षा की दृष्टि से स्कूलों के आसपास पुलिस तैनात की गई हैं। चंडीगढ़ पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि साइबर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बहुत जल्द इस बारे खुलासा किया जाएगा।

बिहार के 15 जिलों में आंधी-पानी की चेतावनी

पटना। बिहार में अगले 24 घंटे के दौरान 15 जिलों में आंधी-पानी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार राज्य के 15 जिलों, पूर्वी व पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, गोपालगंज, सिवान, सारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, दरभंगा, मधुबनी, अररिया, किशनगंज, समस्ती पुर एवं बक्सर जिले के कुछ स्थानों पर आंधी-पानी की चेतावनी है। इन स्थानों पर 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। पटना सहित शेष भागों का मौसम शुष्क बने होने के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 24 घंटों के बाद अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की गिरावट का पूर्वानुमान है। पछुआ के कारण सुबह-शाम हल्की ठंड का प्रभाव रहेगा। आगामी 30 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा। मंगलवार को 6.8 डिग्री सेल्सियस के साथ समस्तीपुर सबसे ठंडा स्थान रहा। पटना का न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तीन सौ मीटर गयाजी में सबसे कम दृश्यता दर्ज की गई। राज्य का न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस से 17.9 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। पटना का अधिकतम तापमान 23.9 डिग्री सेल्सियस एवं किशनगंज जिले का 27.6 डिग्री सेल्सियस राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने हाइड्रोजन नीति सहित आठ महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगाई मुहर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य के धामी मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड हाइड्रोजन नीति-2026 सहित 8 अहम प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। इनमें स्वास्थ्य, उद्योग, ऊर्जा, शिक्षा और जनजातीय कल्याण प्रमुख हैं। कैबिनेट ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया।

बुधवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक संपन्न हुई। कैबिनेट बैठक में सबसे पहले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित विमान दुर्घटना में मारे गए पांच लोगों की आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री ने इस हृदयविदारक घटना को अत्यंत दुःखद बताते हुए कहा कि यह हादसा समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। अजित पवार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए सदैव करुणा, संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया।

कैबिनेट की बैठक के बाद सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने पत्रकारों को बैठक के निर्णय को लेकरब्रीफ किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य में हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को मंज़ूरी दी गई है। जिससे उत्तराखंड स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। इसके तहत सब्सिडी पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में फैसला होगा।

उन्होंने बताया कि राज्य के जनपद उत्तरकाशी स्थित चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी और जनपद चमोली स्थित गौचर हवाई पट्टी को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इन्हें संयुक्त नागरिक एवं सैन्य संचालन के उद्देश्य से एडवांस लैंडिंग ग्राउण्ड (एएलजी) के रूप में विकसित करने पर सहमति प्रदान कर दी है।

अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने मीडिया को बताया कि कैबिनेट ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को सेवाकाल के दौरान एक बार आपसी सहमति के आधार पर ट्रांसफर की अनुमति देने का निर्णय लिया है। इससे कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होगी। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल बनाते हुए सरकार को यह अधिकार दिया गया है कि वह अब सीधे भूस्वामियों से आपसी सहमति के आधार पर जमीन अधिग्रहण कर सकेगी। इससे विकास परियोजनाओं में तेजी आने की उम्मीद है। जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए 4 नए जनजाति कल्याण अधिकारी पदों के सृजन को स्वीकृति प्रदान की गई है।

तिवारी ने बताया कि जनपद उधमसिंहनगर स्थित प्राग फार्म की कुल 1354.14 एकड़ भूमि को औद्योगिक आस्थान विकसित करने के लिए सिडकुल (औद्योगिक विकास विभाग) को हस्तांतरित करने की मंजूरी प्रदान की गई है। संशोधन के तहत अब यह प्रावधान किया गया है कि औद्योगिक विकास विभाग के माध्यम से, राजस्व विभाग की सहमति से, पट्टे पर आवंटित भूमि को समान प्रयोजन के लिए उप-पट्टे (सब लीज) पर देने का अधिकार पट्टेदार को होगा।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा भूजल के व्यावसायिक उपयोग से संबंधित नियमावली को भी कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है, जिससे जल संसाधनों के नियमन को मजबूती मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में जीआरडी उत्तराखंड निजी विश्वविद्यालय को राज्य कैबिनेट से मंज़ूरी मिली है।

वायु और जल प्रदूषण नियंत्रण कानूनों के तहत अधिसूचित एकसमान सहमति दिशा-निर्देशों में संशोधन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने वायु और जल प्रदूषण नियंत्रण कानूनों के तहत अधिसूचित एकसमान सहमति दिशा-निर्देशों में अहम संशोधन किए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य उद्योगों को मिलने वाली पर्यावरणीय मंज़ूरियों की प्रक्रिया को सरल बनाना, देरी कम करना और पर्यावरणीय अनुपालन को मज़बूत करना है। इस संशोधन से पिछले वर्ष जारी किए गए दिशा-निर्देश स्थापना सहमति (सीटीई) और संचालन सहमति (सीटीओ) प्रदान करने, अस्वीकार करने या रद्द करने के लिए की प्रक्रिया में एकरुपता आएगी। ये दिशा-निर्देश देशभर में सहमति प्रबंधन में एकरूपता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि बड़े सुधार के तहत कंसेंट टू ऑपरेट की वैधता अवधि में बदलाव किया गया है। अब एक बार जारी होने के बाद सीटूओ तब तक मान्य रहेगा, जब तक उसे किसी उल्लंघन की स्थिति में रद्द न किया जाए। इससे बार-बार नवीनीकरण की ज़रूरत खत्म होगी और उद्योगों को परिचालन में राहत मिलेगी। सरकार ने रेड कैटेगरी उद्योगों के लिए मंज़ूरी की समय-सीमा भी घटाकर 120 दिन से 90 दिन कर दी है। इसके अलावा, पर्यावरण ऑडिट नियम, 2025 के तहत पंजीकृत पर्यावरण ऑडिटर को भी निरीक्षण और अनुपालन सत्यापन की अनुमति दी गई है।

सड़क नहीं होने की सूचना पर मौके पर पहुंचे विधायक, जल्द निर्माण का दिया भरोसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के बिहपुर प्रखंड के मड़वा पूरब/औलियाबाद पंचायत के वार्ड नंबर दस में मध्य विद्यालय कारगिल निषाद टोला तक पहूचने के लिए बच्चें का सड़क नहीं होने की सूचना मिलने पर बुधवार को विधायक ई.शैलेंद्र मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने स्थलीय निरीक्षण कर स्कूल के प्रभारी और ग्रामीणों से बात किया।

बताया गया कि स्कूल के सामने सरकारी जमीन है, जिसमें खेल मैदान के बजाय पोखर बना है। स्कूल प्रभारी नोटिस पासवान समेत अन्य शिक्षकों औय ग्रामीणों ने भी विधायक को बताया कि स्कूल के सामने बने पोखर में अब तक दो बच्चे डूबने से बचे भी हैं। इस कारण स्कूल के द्वारा बरामदे पर लोहे का ग्रिल लगा दिया गया है, ताकि बच्चे पोखर में न गिर जाएं।

वहीं स्कूल आने जाने के लिए रास्ता नहीं है, क्योंकि यहां पर सरकारी नहीं बल्कि लोगों की निजी जमीन है। इस पर कुछ ग्रामीणों ने विद्यालय से मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए सड़क बनाने के लिए विधायक के समक्ष अपनी जमीन देने की बात कही।

मौके पर विधायक ने लोगों से संवाद भी किया। उन्होंने ग्रमीणों से इस बारे में लिखित में आवेदन देने और अमीन से उक्त जगह की मापी भी कराने को भी कहा। श्री शैलेंद्र ने ग्रामीण ई.सोनू मिश्र समेत स्कूली बच्चों के अभिभावकों को आश्वस्त किया कि कुछ जरूरी औपचारिकता पूरी करने के बाद स्कूल का रास्ता और खेल मैदान बन जाएगा।

प्रो.गौतम ने बताया कि इस मौके पर व्यास मिश्र, राबिन सिंह, राजेश यादव, बिहारी सिंह, मिथिलेश मिश्र आदि समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला और पुरूषों ने विधायक से उक्त समस्या के निदान की मांग किया।

गणतंत्र दिवस पर बच्चे के अपमान से भड़का विवाद, थाना पहुंचा मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिले के तारडीह प्रखंड अंतर्गत सकतपुर थाना क्षेत्र के मदरिया गांव स्थित एक राजकीय प्राथमिक विद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान एक बच्चे के साथ कथित अपमान का मामला सामने आया है। आरोप है कि विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक कमलापति मिश्र ने प्रसाद वितरण के दौरान एक बच्चे को दुत्कार कर लौटा दिया, जिससे आहत होकर बच्चे ने घर पहुंचकर अपने पिता सत्यनारायण मुखिया से इसकी शिकायत की।

सत्यनारायण मुखिया के अनुसार उनका पुत्र मात्र आठ वर्ष का है, जो प्रसाद के लिए सामान्य बच्चों की तरह जिद कर रहा था। उन्होंने शिक्षक से यह कहकर आपत्ति जताई कि यदि थोड़ी-सी बुनियां मिठाई बच्चे की हथेली पर फिर से रख दी जाती

तो क्या नुकसान हो जाता। इसी बात को लेकर विद्यालय परिसर में कहासुनी हो गई।आरोप है कि इसी दौरान अनुकंपा पर नियुक्त सहायक शिक्षक कमलापति मिश्र ने सत्यनारायण मुखिया का कॉलर पकड़ लिया। इसके बाद विवाद ने उग्र रूप ले लिया और प्रतिकार में सत्यनारायण मुखिया द्वारा कमलापति मिश्र के साथ मारपीट की गई, जिससे कमलापति मिश्र के दोनों जबड़ों में चोट व सूजन आ गई। घायल शिक्षक ने इस संबंध में सकतपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

घटना को लेकर गांव में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार गणतंत्र दिवस समारोह के लिए हजारों रुपये की राशि उपलब्ध कराती है, तो उसका उद्देश्य बच्चों के चेहरे पर खुशी लाना है, न कि उन्हें अपमानित करना। गरीब परिवार से आने वाले बच्चे के साथ इस प्रकार का व्यवहार न केवल अमानवीय है, बल्कि शिक्षक की गरिमा के भी विपरीत है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063